सूर्योदय 5:50 सूर्यास्त 7:00

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,235
निफ्टी	24,155

सोना 1,54,000 चांदी 2,34,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 19 अगस्त 2026 | 3 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 114, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

भाजपा ने उत्तर प्रदेश पंजाब, गुजरात के लिए नियुक्त किए नए प्रभारी

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी संगठन में अहम बदलाव करते हुए उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तर प्रदेश का प्रभारी विनोद तावड़े को बनाया है, जबकि जगदीश ईश्वरभाई पटेल को राज्य का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को सौंपी गई है। वहीं, गुजरात का नया प्रभारी तरुण चुग को बनाया गया है। इन नियुक्तियों को भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक और चुनावी गतिविधियों की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी, 32,388 पदों पर भर्ती

एजेंसी, पटना। बीपीएससी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। टीआरई-4 के तहत कुल 32,388 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 1 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होगा। आवेदन की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। फिलहाल परीक्षा की तारीख घोषित नहीं की गई है। टीआरई-4 और अन्य लंबित परीक्षाओं की मांग को लेकर छात्र कई दिनों से पटना के गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन 'छात्र न्याय सत्याग्रह' पर बैठे हैं। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र सत्याग्रह कर रहे हैं। छात्र नेता ने सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि 24 घंटे के अंदर टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी किया जाए, नहीं तो शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा। इस बीच शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को कहा था कि ज्ज श्व-4 का नोटिफिकेशन जल्द जारी किया जाएगा। जितनी वैकेंसी की घोषणा की थी, इस बार उससे ज्यादा पदों पर भर्ती निकलेगी।

यूक्रेन के खारकीव में रूसी मिसाइल हमला, 10 की मौत

एजेंसी, मॉस्को। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खारकीव क्षेत्र में मंगलवार को रूसी मिसाइल हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हुए हैं। हमला पेचेनिही गांव के मध्य इलाके में हुआ, जहां रिहायशी इमारतों के बीच दुकानें, कैफे और डाकघर मौजूद हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में कई इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की राष्ट्रीय पुलिस के अनुसार रूसी सेना ने सुबह के समय पेचेनिही में एक व्यस्त चौराहे को निशाना बनाया। हमले के बाद राहत और बचावकर्मी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए जवाब देने की बात कही है।

दिल्ली पुलिस बोली- सीजेपी का संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में कहा- हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए, बैरिकेड तोड़े, लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आए थे।

पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। चार संबंधित याचिकाओं में भी यही जवाब इस्तेमाल होगा। पुलिस ने कहा कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए। याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अधूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया।

जांच के लिए पैनल बनाया जाएगा

सुप्रीम कोर्ट पुलिस एक्शन और पुलिस के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए हाई-पावर्ड पैनल बनाएगा। साथ ही बल प्रयोग की जांच कोर्ट की प्रस्तावित समिति कर सकती है। दिल्ली पुलिस ने समिति के साथ सहयोग करने की बात कही है।

किरेन रिजिजू बोले गोली कहां चली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इंटरव्यू में कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं श्र उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा- हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए।

मप्र में पिकअप-डंपर की भिड़ंत में आठ मजदूरों की मौत, 23 घायल

एजेंसी, भिंड/ग्वालियर। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में नेशनल हाइवे-719 पर गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के छीमका गांव के पास तेज रफ्तार मजदूरों से भरी पिकअप की सामने से आ रहे डंपर से भिड़ंत हो गई। चंबल रेंज के डीआईजी सुनील कुमार जैन ने इस हादेस में 8 मजदूरों की मौत व 23 मजदूरों के घायल होने की पुष्टि की है।

घायलों में कई की हालत गंभीर है। सभी घायलों को गोहद स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान और घायलों की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। बताया गया है कि हादसा सोमवार देररात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हाइवे पर बैठी गायों को बचाने के प्रयास में पिकअप चालक ने वाहन को मोड़ा। इसी दौरान सामने से आ रहे डंपर से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

हो गया और उसमें सवार कई मजदूर वाहन में फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही गोहद चौराहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे मजदूरों को बाहर निकाला। हादसे में पांच मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया , जबकि तीन मजदूरों की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल, एसडीओपी महेंद्र गौतम, चोराहा थाना प्रभारी रामनरेश यादव, गोहद थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह कुशवाहा व ऐंडोरी थाना प्रभारी विवेक प्रभात सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। सूचना मिलते ही डायल-108 की पांच एंबुलेंस को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी रिपोर्ट में चंपत-मिश्रा के नाम नहीं

एजेंसी, अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं। यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था। यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी। आईजी रेंज किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार इसके सदस्य थे। एसआईटी ने 23 जून को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपी थी।

अगले साल और बढ़ेगी महंगाई खाने-पीने की चीजें होंगी महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। 2027 तक भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम काफी बढ़ सकते हैं। यह अलर्ट मल्टीनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म जेपी मॉर्गन ने जारी किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार पर 3 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा। फर्म ने दावा किया है कि महंगाई का असर पूरी दुनिया पर होगा। फर्टिलाइजर की कमी, जियोपॉलिटिकल तनाव के साथ एक अल नीनो तूफान के आने से यह संकट गहराएगा। साल 2027 की पहली छिमाही में ग्लोबल स्तर पर खाने-पीने की चीजों के दाम 5% तक बढ़ सकते हैं। 2026 की पहली छिमाही में यह आंकड़ा 2.8% पर था।

भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए अधिक मायने रखती है, क्योंकि देश में पहले से ही फर्टिलाइजर काफी महंगी है।

सरकारी खजाने पर खाद सब्सिडी का बढ़ेगा बोझ

भारत दुनिया में सबसे ज्यादा यूरिया खरीदने वाले देशों में से एक है। देश में यूरिया की 45 किलो की बोरी का दाम सिर्फ 266.50 रुपए है, सरकार उसे विदेशों से इसके दस गुने से भी ज्यादा दाम में खरीदती है। इस बड़े अंतर का पूरा खर्च सरकार खुद उठाती है, जिसे 'खाद सब्सिडी' कहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल सरकार का यह सब्सिडी खर्च 3 लाख करोड़ से भी ऊपर जा सकता है। अगर मिडिल ईस्ट का संकट लंबा खिंचा, तो यह खर्च और बढ़ेगा।

अब देश में बनेंगे 405 डिफेंस आइटम

सरकार ने 405 प्रोडक्ट की लिस्ट जारी की; 3000 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार हथियारों-मिसाइलों और टैंक के ज्यादातर पार्ट्स भारत में ही बनाना चाहती है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 405 स्ट्रैटेजिक आइटम्स की छठी लिस्ट जारी की। इनमें अलग-अलग मशीनों के हिस्से, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट, सब-सिस्टम और रॉ मटेरियल शामिल है।

हेलिकॉप्टर और लड़ाकू विमान से जुड़े सामान, टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों के सामान, रडार, सोनार और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और टैंक रोधी गोला-बारूद भी शामिल हैं, अगर ये सामान देश की कंपनियां ही बनाती हैं, तो कुल 3,070 करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है। इसका मकसद डिफेंस सेक्टर में आयात घटाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ानाा है। उपकरण जिनका प्रोडक्शन देश में ही होगा। एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर, सुखोई-30 एमकेआई, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट और एएल-31एफपी इंजन जैसे एयर प्लेटफॉर्म एएल-31एफपी सुखोई-30एमकेआई में इस्तेमाल होने वाला इंजन है। आर्मर्ड प्लेटफॉर्म में टी-72, टी-90 और बीएमपी-II शामिल हैं।

भारतीय उद्यमियों से खरीदे जाएंगे सामान

रक्षा मंत्रालय के तहत जारी लिस्ट में हर प्रोडक्ट के भारतीयकरण के लिए तय समय दिया गया है। इस काम में उद्योग, खासकर एमएसएमई की भागीदारी होगी। मंत्रालय ने कहा कि इससे आयात पर निर्भरता घटाने में भी मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इससे भारतीय उद्योगों के पास अवसर बढ़ेंगे। घरेलू प्रोडक्शन सिस्टम मजबूत होगा। इसके अलावा इन्वेस्टमेंट और इनीशिएटिव को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है।

पहले बच्चों पर लाठी चलाओ व फिर कह दो कि कुछ हुआ ही नहीं : राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि संसद से महज आधा किलोमीटर दूर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें एक बच्चे की आंख चली गई और एक बच्ची का कान कट गया।

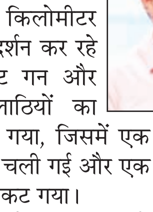

राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस की तारीफ करनी चाहिए। संसद से आधा किलोमीटर दूर, शांतिपूर्ण छात्रों पर पैलेट गन चली, कील लगी लाठियां चलीं, एक बच्चे की आंख चली गई, एक बच्ची का कान कट गया। इस बर्बरता की तारीफ करनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि वह खुद उन घायल बच्चों से मिले हैं और हजारों वीडियो देश ने देखे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार का 'मूल मंत्र ही असत्य और हिंसा' है। उन्होंने कहा कि पहले बच्चों पर लाठी चलाओ और फिर कह दो कि कुछ हुआ ही नहीं। राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा, 'पूरे सत्र 'लापता' अमित शाह विपक्ष से भागते रहे और प्रधानमंत्री ने आज तक छात्रों से माफी नहीं मांगी।

अमेरिका में भी हो वैध फोटो आईडी से मतदान : ट्रंप

हर भारतीय वोटर के पास फोटो आईडी, अमेरिका में बिना इसके इलेक्शन क्यों?

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडीके बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं? ट्रंप ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है। इसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण और मतदान के समय फोटो आईडीदिखाना जरूरी होगा। इस विधेयक में डाक से वोट देने की प्रक्रिया को काफी सीमित करने की बात भी कही गई है। यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित हो चुका है, लेकिन सीनेट में इसे अब तक मंजूरी नहीं मिली है।

होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया है। ट्रंप के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलतफहमी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प को जल्द ही समझ आ जाएगा कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और यूएई के हिस्से भी नजर आ रहे थे। ईरान के उपविदेश मंत्री गरीबाबादी ने ट्रंप को उनके पुराने बयान की भी याद दिलाई। दरअसल, कुछ महीने पहले ट्रंप ने 'फारस की खाड़ी' का नाम बदलकर 'अरब की खाड़ी' कहने का सुझाव दिया था। इस पर ईरान ने कड़ी आपत्ति जताई थी और कहा था कि यह नाम सदियों से 'फारस की खाड़ी' ही है। अब ट्रंप ने अपने पोस्ट में 'फारस की खाड़ी' शब्द का इस्तेमाल किया। इस पर तंज कसते हुए गरीबाबादी ने कहा कि जब ट्रंप ने इस बार सही नाम का इस्तेमाल किया है, तो उम्मीद है कि उन्हें यह भी समझ आ जाएगा कि होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका का इलाका नहीं है।

फिलीपींस के स्कूल में छात्र ने क्लासमेट को गोली मारी, फिर खुदकुशी की

एजेंसी, मनीला। फिलीपींस के जांबोआंगा शहर में मंगलवार को एक स्कूल में गोलीबारी हुई है। एक छात्र ने अपने ही स्कूल के एक दूसरे छात्र को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद भी जान दे दी। फायरिंग में दो सुरक्षा गार्डों की भी मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हुए हैं। घटना एटेनियो डी जांबोआंगा यूनिवर्सिटी के स्कूल कैंपस में हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी छात्र ने हमले का कुछ हिस्सा फेसबुक पर लाइव भी दिखाया था। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया और छात्रों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कक्षा 9 का छात्र मोहम्मद मैल जलानी था। वह दो पिस्तौल लेकर स्कूल आया था। पहले उसने एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन वह बच गए। इसके बाद उसने कक्षा 10 के एक छात्र को गोली मार दी फिर ऊपर की मंजिल पर गया और वहां से कूदकर जान दे दी।

किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर दिया जाएगा जिप्सम : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के किसानों की 10 लाख एकड़ भूमि को सुधारने के लिए लगभग 15.63 करोड़ रुपए की लागत से 25 हजार टन जिप्सम की खरीद की जाएगी, ताकि किसानों को पर्याप्त मात्रा में जिप्सम उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री सैनी चंडीगढ़ में हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा भूमि सुधार निगम के माध्यम से किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर भूमि सुधार के लिए जिप्सम उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि जिप्सम उच्च गुणवतायुक्त सुलभ करवाया जाए ताकि भूमि में जल्द सुधार कर उसे अधिक उपजाऊ बनाया जा सके। इसके अलावा कैथल के हैफेड कॉम्पलेक्स में 9.80 करोड़ रुपए की लागत से 21680 एमटी का गोदाम बनाने तथा क्वालिटी कंट्रोल लेब बनाने की भी स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने पानीपत जिले के भैंसवाल, कुतानी, राजाखेड़ी, निंबरी, उग्रखेड़ी, रिसालु, नांगलखेड़ी, काबरी, गढी, सिकंदरपुर सहित 9 गांवों में महाग्राम योजना के तहत 75.50 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की।

इसी प्रकार गोहाना शहर के शनि मंदिर, एमपीएस गुढा क्षेत्र में सीवरेज लाइन भी 16.30 करोड़ रुपए की लागत से मंजूर की गई। उन्होंने पिंजौर कालका सेक्टर 27 में न्यायिक परिसर का निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान की। इस पर 22.70 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसी प्रकार अंबाला शहर में लघु सचिवालय के प्रशासनिक ब्लॉक के तृतीय चरण का कार्य 34 करोड़ रुपए की लागत से करने की मंजूरी दी गई।

पीआरडी जवानों को योगी सरकार की बड़ी सौगात, ड्यूटी भत्ता बढ़कर 600 रुपए प्रतिदिन

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों को बड़ी सौगात दी।

इन जवानों को सपरिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपए मुफ्त इलाज से आच्छादित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके दैनिक ड्यूटी भत्ता में वृद्धि करने की घोषणा की। अपने कार्यकाल में इसके पूर्व तीन बार ड्यूटी भत्ता बढ़ा चुके मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में चौथी बार वृद्धि का ऐलान करते हुए कहा कि अब पीआरडी जवानों को 500 रुपए की जगह प्रतिदिन 600 रुपए ड्यूटी भत्ता दिया जाएगा। मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी ने पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर 'मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में करीब 23 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने पीआरडी जवानों के लिए नई घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1948 में गठित पीआरडी के स्वयंसेवकों को 2019 तक 250 रुपए दैनिक ड्यूटी भत्ता मिलता था। 2019 में उन्होंने इसे बढ़ाकर 375 रुपए और 2022 में बढ़ाकर 395 रुपए किया था। 2025 में भत्ता वृद्धि फिर से की और बढ़ाकर 500 रुपए प्रतिदिन कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'अब पीआरडी स्वयंसेवकों का भत्ता 500 से रुपए से बढ़ाकर 600 रुपए प्रतिदिन करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा पीआरडी जवानों के लिए 75 वर्ष में भत्ता राशि 250 रुपए तक ही थी जबकि विगत आठ वर्ष में ही यह 250 से बढ़कर 600 रुपए होने जा रहा है। यह वृद्धि सौ प्रतिशत से भी अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित कराने के लिए पुलिस और प्रशासन के सहयोग में पीआरडी के स्वयंसेवक अपनी भूमिका समर्पण भाव से निभाते हैं।

◆ **लखनऊ में 23 करोड़ से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया**

बधाई 3.62 करोड़ से बने दयोरी स्कूल भवन में पढ़ाई शुरू, प्रियंका गांधी सितंबर में करेंगी बच्चों से संवाद

गुणात्मक शिक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सुक्खू

भगत सिंह गुलेरिया, शिमला/मंडी। जिला मंडी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दयोरी के नवनिर्मित भवन में कक्षाओं का संचालन मंगलवार से शुरू हो गया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिमला से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों को नए भवन के लिए बधाई दी। राजकीय प्राथमिक विद्यालय दयोरी के भवन का निर्माण करीब 70 लाख रुपए, जबकि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भवन का निर्माण 3 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से किया गया है। वर्ष 2023 में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा के दौरान 14 अगस्त को दयोरी स्कूल का पुराना भवन पूरी तरह बह गया था। इसके बाद नए भवन का निर्माण किया गया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी नए स्कूल भवन के लोकार्पण अवसर पर दयोरी पहुंचना चाहती थीं, लेकिन खराब मौसम के कारण वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं।

उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी सितंबर में दयोरी पहुंचकर विद्यार्थियों से मुलाकात और संवाद करेंगी। मुख्यमंत्री ने नए भवन के निर्माण में स्थानीय लोगों के योगदान की सराहना की। उन्होंने शिक्षा विभाग को एक बीघा से अधिक भूमि उपलब्ध करवाने के लिए स्थानीय निवासी चिंता देवी, दासी देवी और पुन्नी देवी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण कर रही है और गुणात्मक शिक्षा के लिए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश की स्थिति में सुधार हुआ है। वर्ष 2021 में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 21वें स्थान पर था, जबकि अब पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

प्रियंका गांधी का संदेश- हिमाचलवासियों के हौसले हिमालय की तरह अडिग

समारोह में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने प्रियंका गांधी का विद्यार्थियों के लिए संदेश पढ़कर सुनाया। प्रियंका गांधी ने वर्ष 2023 की आपदा को याद करते हुए कहा कि हिमाचलवासियों ने विपदा का बहादुरी से सामना किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 12 सितंबर 2023 को इस त्रासदी को अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए जल्द दयोरी आकर उनसे मिलने का वादा किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संविधान के मूल्यों, समानता, एकता, प्रेम और भाईचारे को समझने तथा अपने हुनर को निखारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। इस अवसर पर शिक्षा सचिव राकेश कंवर, स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कोहली, उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

चालीस पदों की भर्ती में आवेदन तिथि बढ़ाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मशोबरा क्षेत्र के युवाओं ने जल शक्ति विभाग के कसुम्पटी मंडल में विभिन्न श्रेणियों के 40 पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है। युवाओं ने सरकार से आग्रह किया है कि 20 अगस्त निर्धारित अंतिम तिथि को बढ़ाकर कम से कम एक सितंबर किया जाए। युवाओं का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के कारण कई अभ्यर्थियों को आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र समय पर नहीं मिल पाया। इससे पात्र युवा आवेदन करने से वंचित हो सकते हैं। भर्ती में 12 पैरा पंप संचालक, तीन पैरा फिटर और 25 बहुउद्देशीय कर्मियों के पद शामिल हैं। युवाओं ने वर्ष 2024 की भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। उनका आरोप है कि अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर भी असमंजस है। उन्होंने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की। अधीशासी अभियंता विनोद शर्मा ने बताया कि फिलहाल आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का कोई विचार नहीं है।

शिमला के ठियोग में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के ठियोग थानाक्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। करीब 15 वर्ष पीड़िता दसवीं कक्षा की छात्रा है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 अगस्त को वे अपनी बेटी के साथ ठियोग आए थे ताकि 15 अगस्त के मेले में शामिल हो सकें। दोपहर करीब तीन बजे उनकी बेटी बिना बताए वहां से चली गई। महिला ने मैदान में अपनी

बेटी को ढूंढा लेकिन उनका पता नहीं चला। अगली सुबह करीब साढ़े नौ बजे महिला ने अपनी बेटी को एक पेट्रोल पंप के पास रोते हुए पाया। पूछने पर बेटी ने बताया कि एक लड़के ने उसे जबरन अपने दोस्त के कमरे में ले जाकर यौन उत्पीड़न किया। घटना की शिकायत पर ठियोग पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 65(1) तथा पोक्सो अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वन महोत्सव में ग्रामीणों को बांटे 100 फलदार पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। वन महोत्सव अभियान के तहत ग्राम पंचायत पालकवाह में मंगलवार को हरोली ब्लॉक अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री ने 100 ग्रामीणों को अपनी ओर से फलदार पौधे वितरित किए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों को पौधरोपण और पौधों की नियमित देखभाल के लिए प्रेरित करना रहा। संदीप अग्निहोत्री ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण बचाने का माध्यम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण तैयार करने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वितरित किए गए पौधों को उचित स्थान पर लगाकर नियमित रूप से पानी और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि पौधों के संरक्षण से पर्यावरण संतुलन मजबूत होने के साथ भविष्य में ग्रामीणों को फल भी प्राप्त होंगे। इस अवसर पर ग्रामीणों ने वन महोत्सव अभियान के तहत पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रधान अंजना कुमारी, वार्ड सदस्य निशा देवी, ऊषा देवी, ब्रह्म सिंह और ज्ञान चंद सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

फीस वृद्धि के खिलाफ विद्यार्थी परिषद का आंदोलन लगातार तेज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की क्रमिक भूख हड़ताल लगातार जारी है। आंदोलन के 15वें दिन विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ता आशीष और आकर्षित ने 24 घंटे का अनशन पूरा किया। इसके बाद 16वें दिन शोध इकाई के कार्यकर्ता नेक राम और अभिषेक कश्यप ने आंदोलन की जिम्मेदारी संभालते हुए अगले 24 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की। विद्यार्थी परिषद ने कहा कि छात्रों की मांगों का समाधान होने तक आंदोलन

लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। परिषद ने विश्वविद्यालय में बढ़ाई गई छात्रावास फीस का भी विरोध तेज कर दिया है। परिषद के अनुसार छात्रावास फीस में 75 प्रतिशत की वृद्धि से विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव दूरदराज क्षेत्रों तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले छात्रों पर पड़ने की बात कही गई है। विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन से फीस वृद्धि तत्काल वापस लेकर पुरानी फीस बहाल करने की मांग की है। परिषद का कहना है कि छात्रावास विद्यार्थियों की मूलभूत आवश्यकता है और इसे महंगा करने के बजाय छात्रों को सुलभ सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। संगठन ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

छह करोड़ की हेरोइन का मुख्य सप्लायर पंजाब से गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने करीब छह करोड़ रुपये कीमत की 1.120 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामदगी के मामले में मुख्य अंतरराज्यीय सप्लायर को पंजाब के तरनतारन से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन अगस्त को शोघी के पास विजय कुमार को हेरोइन के साथ पकड़ा था। पूछताछ और तकनीकी जांच में सामने आया कि खेप तरनतारन निवासी 21 वर्षीय शुभकरमन सिंह उर्फ सुल्तान ने उपलब्ध कराई थी। दोनों संपर्क के लिए सिग्नल अनुप्रयोग का इस्तेमाल करते थे। पुलिस के अनुसार हेरोइन को छोटे हिस्सों में बांटकर आगे पहुंचाया जाना था। पुलिस ने एक अन्य मामले में भी मोगा निवासी 26 वर्षीय कोमलप्रीत सिंह उर्फ लाडी को गिरफ्तार किया है। उस पर हिमाचल में हेरोइन पहुंचाने का आरोप है। एसएसपी गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस अब मुख्य सप्लायरों, अंतरराज्यीय

नेटवर्क और नशे से जुड़े आर्थिक स्रोतों पर कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस के 216 मामले दर्ज कर 448 आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस के अनुसार जांच का दायरा अब केवल बरामदगी और गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। टीम मुख्य सप्लायरों के संपर्क, नशे की खेप के स्रोत और उससे जुड़े अन्य आरोपितों की जानकारी जुटा रही है। आर्थिक जांच के जरिए नशा कारोबार से अर्जित संपत्ति और धन के लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है।

एचपी–शिवा परियोजना की निगरानी को खेतों में उतरे बागवानी अधिकारी

किसानों के खेतों में गुणवत्ता जांच के साथ पौधारोपण कार्यों की निगरानी तेज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एचपी–शिवा परियोजना को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने और इसका वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए बागवानी विभाग ने अपनी फील्ड गतिविधियां तेज कर दी हैं। परियोजना से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी किसानों के खेतों में पहुंचकर पौधारोपण सहित विभिन्न कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं।

सचिव बागवानी डॉ. सी. पाल रासु ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकार की बागवानी योजनाओं का लाभ प्रदेश के अंतिम किसान तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि एचपी–शिवा परियोजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। अधिकारियों को नियमित रूप से खेतों में जाकर किसानों के साथ सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं।

खेतों में दिखाई दें परियोजना की उपलब्धियां : सचिव बागवानी ने कहा कि एचपी–शिवा परियोजना की उपलब्धियां केवल सरकारी रिपोर्टों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि किसानों के खेतों और उनकी बढ़ती आय में स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। परियोजना के तहत लगाए जा रहे फलदार पौधे भविष्य में किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने और टिकाऊ बागवानी को मजबूत आधार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ फल आधारित और विविधीकृत बागवानी की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों के लिए दीर्घकालिक और आर्थिक रूप से लाभकारी फल बगीचे विकसित करना है।

कांगड़ा और बिलासपुर में निरीक्षण : परियोजना निदेशक डॉ. समीर सिंह राणा ने बताया कि विभाग की टीम लगातार विभिन्न क्षेत्रों में फील्ड स्तर पर सक्रिय है। वह स्वयं पिछले तीन दिनों से जिला कांगड़ा और बिलासपुर के अलग–अलग क्षेत्रों का दौरा कर एचपी–शिवा परियोजना के तहत चल रहे पौधारोपण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान पौध सामग्री की गुणवत्ता, पौधों के बीच निर्धारित दूरी, भूमि की तैयारी, वैज्ञानिक ढंग से तैयार किए गए खेतों के विन्यास तथा सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है।

किसानों की भागीदारी से एचपी–शिवा परियोजना को मिलेगी नई मजबूती

परियोजना निदेशक ने कहा कि विभागीय अधिकारियों की खेतों में नियमित मौजूदगी से किसानों का विश्वास बढ़ रहा है। किसान अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रख पा रहे हैं और उन्हें मौके पर समाधान तथा तकनीकी सलाह मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की सक्रिय भागीदारी से परियोजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी और इसके निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। विभाग का प्रयास है कि एचपी–शिवा परियोजना के माध्यम से प्रदेश में ऐसे फल बगीचे विकसित किए जाएं, जो आने वाले वर्षों में किसानों की आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत आधार प्रदान करें।

मंडी–भराड़ी में आधुनिक बस स्टैंड का काम फरवरी तक पूरा करने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को बिलासपुर जिले के मंडी–भराड़ी में निर्माणाधीन आधुनिक बस स्टैंड का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

मुकेश अग्निहोत्री ऊना से मंडी की ओर जाते समय मंडी–भराड़ी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन बस स्टैंड के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया और वहां चल रहे कार्यों की गुणवत्ता तथा प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त बस स्टैंड बनने से क्षेत्र के लोगों और यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मंडी–भराड़ी में आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 2.44 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। परियोजना पर निर्माण कार्य लगातार जारी है और अब तक लगभग 40 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि बस स्टैंड के निर्माण को फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य में अनावश्यक देरी न हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखने को भी कहा।

विक्रमादित्य बोले – भाजपा कार्यकारिणी में हिमाचल की अनदेखी से जनता नाराज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रदेश के किसी भी नेता को स्थान नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच अच्छा संदेश नहीं गया है। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रदेश के नेताओं को उचित प्राथमिकता देनी चाहिए थी।

शिमला में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में विक्रमादित्य सिंह ने प्रदेश में प्रशासनिक सुधारों को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कैडर को संतुलित करने की जरूरत है। प्रदेश में उच्च अधिकारियों की संख्या बढ़ाने के बजाय फील्ड स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की अधिक आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट उपसमिति इस संबंध में अपनी रिपोर्ट भी दे चुकी है। कैडर में संतुलन होने से अनावश्यक खर्च कम होगा और सरकारी खजाने पर बोझ घटेगा। उन्होंने इस विषय को राजनीतिक विवाद का मुद्दा न बनाने की अपील की।

मानसून के कारण अवरुद्ध सड़कों को लेकर मंत्री ने दावा किया कि प्रदेश की बंद पड़ी 138 सड़कों को अगले 48 घंटे में यातायात के लिए बहाल कर दिया जाएगा। सड़क बहाली के लिए प्रदेश में 535 मशीनें तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बिटुमेन की कीमतों में बढ़ोतरी से सड़क निर्माण और टारिंग कार्य प्रभावित हुआ है।

टुटू में बारिश बनी आफत, मलबे की चपेट में आया रिहायशी इलाका

जल निकासी की बदइंतजामी से बढ़ा भूस्खलन का खतरा, लोग चिंतित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में मंगलवार को हुई भारी बारिश के बाद उपनगर टुटू चौक में हालात बिगड़ गए। चौक से बारिश का पानी तेज बहाव के साथ रिहायशी क्षेत्र की ओर पहुंचा, जिससे भूस्खलन हो गया। भूस्खलन का मलबा घरों के आसपास पहुंचने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। हादसे में एक शेड और शौचालय क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि आसपास के अन्य भवनों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासी बलबीर कौर ने बताया कि उन्होंने पशुओं के चारे और अन्य सामान के लिए शेड बनाया था। भारी बारिश के बाद पानी के साथ आए मलबे की चपेट में आने से शेड क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें रखी लकड़ी, घास और मवेशियों से संबंधित सामान भी खराब हो गया। वहीं, शौचालय पूरी तरह मलबे में दब गया।

चौक का पानी घर की ओर मुड़ने से बढ़ा खतरा : बलबीर कौर ने आरोप लगाया कि टुटू चौक का पूरा बारिश का पानी उनके घर की तरफ आ रहा है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान ही पानी की उचित निकासी के लिए नालियां बनाने की मांग की गई थी, लेकिन इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब भारी बारिश होने पर पानी सीधे रिहायशी क्षेत्र में पहुंच रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। बारिश के दौरान पानी के तेज बहाव से जमीन खिसकने और आसपास के भवनों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

मकान और पेड़ों को भी खतरा : बलबीर कौर ने बताया कि भूस्खलन के कारण घर के साथ पेड़ों को भी खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण करवाकर स्थायी समाधान करने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने जल निकासी के लिए नालियों की उचित व्यवस्था करने और क्षतिग्रस्त हिस्से को सुरक्षित बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान दोबारा ऐसी स्थिति न बने।

कसौली क्षेत्र में भूस्खलन से थमी ट्रेनें, हाईवे पर भी यातायात प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के कसौली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बाद हुई भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ। कालका–शिमला रेलखंड पर कोटी और गुम्मन स्टेशन के बीच पटरी पर मलबा और पत्थर गिरने से रेल यातायात ठप हो गया। शिमला से कालका जा रही ट्रेन संख्या 52458 को कोटी स्टेशन के पास रोकना पड़ा। रेलकर्मी मार्ग से मलबा हटाने में जुटे हैं। चंडीगढ़–शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग–05 पर भी भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ। जाबली से परवाणू के बीच चक्की मोड़ के भूस्खलन क्षेत्र में लगातार मलबा गिरने से एक लेन बंद कर दूसरी लेन से वाहनों की आवाजाही कराई जा रही है। सोमवार को भी यहां भूस्खलन से दोनों लेन बंद हुई थीं। उधर, कांगड़ा जिले में भी दोपहर बाद भारी बारिश हुई। पालमपुर से धर्मशाला तक कई स्थानों पर जलभराव हुआ और नदी–नाले उफान पर आ गए।

ठियोग में आज शिक्षा मंत्री करेंगे जिला स्तरीय जनसुनवाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 19 अगस्त 2026 को ठियोग के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह सुबह 11 बजे ठियोग पहुंचेंगे और एल्ब्रस रिजॉर्ट में समग्र शिक्षा के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण की जनसुनवाई की अध्यक्षता करेंगे।

जनसुनवाई के दौरान समग्र शिक्षा से संबंधित सामाजिक अंकेक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस दौरान योजना के तहत किए जा रहे कार्यों, उनकी प्रगति और प्रभाव से जुड़े विषयों पर संबंधित पक्षों से जानकारी ली जाएगी।

शिक्षा मंत्री जनसुनवाई में प्राप्त सुझावों और उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार–विमर्श करेंगे। संबंधित अधिकारियों और हितधारकों की ओर से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा समग्र शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे। जनसुनवाई का उद्देश्य सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना तथा संबंधित लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

हिमाचल की जेलों में बढ़ी हिंसा, सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की जेलों में हाल में सामने आई हिंसक घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। धर्मशाला जेल में कैदियों और जेल स्टाफ के बीच झड़प में कई लोग घायल हुए, जबकि नाहन के आदर्श केंद्रीय कारागार में एक कैदी ने ईंट से हमला कर वार्डर सहित तीन कैदियों को घायल कर दिया। इससे पहले धर्मशाला जेल से एक विचाराधीन महिला कैदी के फरार होने की घटना भी सामने आ चुकी है।

प्रदेश की 14 जेलों में कुल 2,909 कैदी बंद हैं, जबकि इनकी क्षमता 2,437 है। यानी जेलों में निर्धारित क्षमता से करीब 472 अधिक कैदी हैं। इनमें 1,189 यानी 40.8 प्रतिशत बंदी एनडीपीएस मामलों से जुड़े हैं। जेल विभाग की ओर से कैदियों को नशामुक्ति, सुधारात्मक गतिविधियों और कौशल विकास से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान जरूरी : नशे की लत, लंबे समय तक जेल में रहना, पारिवारिक तनाव और मुकदमों की अनिश्चितता कैदियों पर मानसिक दबाव बढ़ा सकती है। हालांकि किसी विशेष हिंसक घटना के पीछे मानसिक बीमारी या नशे को कारण मानना चिकित्सकीय जांच के बाद ही संभव है। हिमाचल हाई कोर्ट ने अप्रैल 2022 में जेलों में कर्मचारियों की स्थिति सुधारने के साथ कंडा केंद्रीय जेल में काउंसलर या मनोवैज्ञानिक की स्थायी सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

अधिकारी कैडर घटाने पर भाजपा ने सुक्खू सरकार को घेरा

कैडर घटाने से आर्थिक सुधार के दावे पर भाजपा ने सरकार से मांगा जवाव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जमवाल ने हिमाचल प्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का कैडर घटाने के सरकार के फैसले पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक कुप्रबंधन और कथित भ्रष्टाचार से जुड़े सवालों से जनता का ध्यान हटाने के लिए छोटे फैसलों को बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है।

जमवाल ने कहा कि सामने आई जानकारी के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा का कैडर 153 से घटाकर 130 और भारतीय पुलिस सेवा का कैडर 118 से घटाकर 83 करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि इससे करीब 200 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारियों की संख्या कम करने से इतनी बड़ी बचत का आधार क्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों के बीच घुटन का माहौल बन रहा है और कई वरिष्ठ अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। सरकार को बताना चाहिए कि अधिकारी हिमाचल से बाहर क्यों जाना चाहते हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में खर्च कम करना चाहती है तो उसे फिजूलखर्ची, वित्तीय कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के एक लाख सरकारी नौकरियों के चुनावी वादे का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं।

जमवाल ने कहा कि केवल अधिकारी कैडर घटाने से प्रदेश की आर्थिक स्थिति नहीं सुधरेगी। सरकार को वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक अधिकारियों को स्वतंत्र एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते कर, कर्ज और लंबित देनदारियों के बीच सरकार को जनता के सामने अपने खर्च और आर्थिक नीतियों का स्पष्ट हिसाब देना चाहिए।

मानसून सत्र में रंगीन रोशनी से जगमगाएगा हिमाचल विधानसभा भवन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा भवन की सुंदरता को और निखारने की दिशा में कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानियां ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान हिमाचल प्रदेश विधान मंडल भवन रंग–बिरंगी रोशनी से सराबोर नजर आएगा। पहाड़ों की रानी शिमला में रोशनी से जगमगाता भवन आकर्षण का केंद्र बनेगा और इसकी सुंदरता लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कौंसिल चैंबर प्रदेश की महत्वपूर्ण और बेशकीमती ऐतिहासिक धरोहर है। इसे सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि इस भवन का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश शासन के दौरान वर्ष 1920 में शुरू हुआ था और वर्ष 1925 में यह बनकर तैयार हुआ। इसी भवन में पहली केंद्रीय असेंबली की बैठक हुई थी और विठ्ठल भाई पटेल इसके पहले निर्वाचित अध्यक्ष बने थे। पठानियां ने बताया कि वर्तमान में विधानसभा परिसर में कौंसिल चैंबर, विठ्ठल भाई भवन, प्रशासनिक भवन तथा डॉ. यशवंत सिंह परमार पुस्तकालय भवन सहित चार प्रमुख भवन हैं। इन सभी भवनों को सुरक्षित रखने के साथ उनके स्वरूप को निखारने का कार्य अंतिम चरण में है।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग तथा निर्माण कार्य से जुड़े अन्य विभागों को सत्र शुरू होने से एक दिन पहले सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए हैं, ताकि विधानसभा सत्र के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मानसून सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय पूरी तरह तैयार है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है।

आर्थिकसंकट मानदेय नहीं मिलने से 3200 कर्मचारियों के परिवारों पर बढ़ा आर्थिक संकट

तीन माह से मानदेय को तरसे मिड डे मील कर्मचारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत करीब 3200 मिड डे मील कर्मचारी पिछले तीन माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बेहद कम मानदेय के बावजूद उसका समय पर भुगतान नहीं होने से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने सरकार से लंबित तीन माह का मानदेय शीघ्र जारी करने की मांग की है।

मिड डे मील संघ की अध्यक्ष प्रीति ठाकुर सहित राजलीला, अनिल वर्मा, जानकी देवी, सुलक्ष्णा और योजना ने संयुक्त बयान में कहा कि जिले में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के परिवारों का भरण–पोषण इसी मानदेय पर निर्भर है। विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन भोजन तैयार करने और उसे परोसने वाले कर्मचारी स्वयं आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च प्रभावित : प्रीति ठाकुर ने कहा कि मिड डे मील कर्मचारियों को मात्र 5500 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। यह राशि पहले ही बहुत कम है। इसके बावजूद तीन माह तक भुगतान नहीं होने से परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया है। कर्मचारियों को बच्चों की पढ़ाई, राशन और रोजमर्रा की आवश्यकताओं का खर्च उठाने में कठिनाई हो रही है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान किया जाए। संघ ने कहा कि कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ विद्यालयों में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, इसलिए उनके भुगतान में देरी नहीं होनी चाहिए।

अतिरिक्त कार्यों का भी बढ़ा बोझ : संघ ने आरोप लगाया कि मिड डे मील कर्मचारियों से उनके निर्धारित कार्यों के अलावा अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी करवाई जा रही हैं। कर्मचारियों का मुख्य दायित्व विद्यार्थियों के लिए भोजन तैयार करना और विद्यालय की रसोई व्यवस्था संभालना है। इसके बावजूद उनसे पानी की टंकियों की सफाई और रसोई वाटिका से जुड़े कार्य भी करवाए जा रहे हैं। इन अतिरिक्त कार्यों के लिए उन्हें अलग से कोई मानदेय या सुविधा नहीं दी जा रही है।

आंदोलन की चेतावनी : प्रीति ठाकुर ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द लंबित मानदेय जारी नहीं किया तो कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से धैर्य बनाए हुए हैं, लेकिन लगातार तीन माह तक भुगतान नहीं मिलने से स्थिति गंभीर हो गई है। उधर, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी मशोबरा ने बताया कि मानदेय के लिए उच्चाधिकारियों से बजट उपलब्ध करवाने को पत्राचार किया गया है। बजट प्राप्त होते ही कर्मचारियों के लंबित मानदेय का भुगतान कर दिया जाएगा।

भरवाई स्कूल में स्काउट– गाइड तृतीया सोपान प्रमाणपत्र किए गए वितरित

भारतेन्दु संवाददाता, भरवाई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भरवाईं, चिंतपूर्णी में स्काउट एवं गाइड तृतीया सोपान प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल कुमार ने विद्यार्थियों की उपस्थिति में सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

विद्यालय की चार गाइड ने जिला स्तर पर आयोजित पांच दिवसीय तृतीया सोपान शिविर में भाग लिया था। गाइड कैप्टन सोनिया कुमारी के मार्गदर्शन में छात्राओं ने शिविर की विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और सफलतापूर्वक तृतीया सोपान की आवश्यकताओं को पूरा किया। इसके बाद उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत निचली बेहली
विकास खंड धनोटू जिला मंडी हिमाचल प्रदेश

निवेदन आमंत्रण सूचना

प्रस्ताव संख्या ग्राम पंचायत निचली बेहली में विकास कार्यों के निष्पादन हेतु वित्त वर्ष 2026–27 हेतु निविदायें आमंत्रित करने के लिए कहा गया है। इन निविदाओं को 18.08.2026 से 22.08.2026 को कार्य दिवस में निविदायें दी जाएंगी और निविदाये खोलने की अंतिम तिथि 25.08.2026 को 11: 00 बजे खोली जाएंगी। जो भी निविदाये देंगे उनके पास जीएसटी नंबर होना अति आवश्यक है और यह निविदाएं केवल और केवल पोस्ट ऑफिस के माध्यम से ही दी जाएगी। इसमें रेत, बजरी, सोलिंग, बोल्डर, पत्थर, कट स्टोन ईंट इत्यादि की कोटेशन क्युक मीटर में दी जाएगी। जेसीबी मशीन सीमेंट ढुलान, शटरिंग, लोहा व लकड़ी, अल्युमिनियम की फिटिंग, विंडो डोर, साइन बोर्ड, हार्डवेयर से संबंधित सरिया, एंगल, चैनल, मिक्सिंग मशीन आरसीसी कन्वर्ट पाइप, रेत बजरी क्रशर व खड्ड आदि की निविदाएं दी जाएगी। निविदायें एचपीडब्ल्यूडी स्पेसिफिकेकेशन के अनुसार होगी। निविदाये में दरें स्पष्ट अंकित होनी चाहिए। किसी भी निविदाये को बिना कारण बताएं स्वीकृत और अस्वीकृत करने का अधिकार पंचायत के पास होगा समान दर रहने की स्थिति में या एक से अधिक निविदायें के लिए आपूर्ति आदेश निर्गत करने सामग्री की गुणवत्ता का चयन तथा किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। सामग्री खरीद की अंतिम मूल्य निर्णय विभाग की जस्टिफिकेशन को अनुमोदित निविदाये के साथ नेगोशिएशन के अनुसार किया जाएगा।

सचिव
ग्राम पंचायत निचली बेहली

देहरादून पहुंचेंगे उपराष्ट्रपति, आईएएस और आईएफएस प्रशिक्षुओं से करेंगे संवाद

आईएएस प्रशिक्षण के समापन समारोह को संबोधित करेंगे उपराष्ट्रपति

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज से उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। उनके दौरे को लेकर राज्य प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति देहरादून स्थित प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे भारतीय वन सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षुओं से संवाद करेंगे तथा उन्हें देश और समाज के प्रति जिम्मेदारियों के बारे में मार्गदर्शन देंगे।

उपराष्ट्रपति अपने दौरे के दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी पहुंचेंगे। यहां वे भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करेंगे। भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की भूमिका देश के वन क्षेत्रों, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में उपराष्ट्रपति का प्रशिक्षुओं से संवाद उनके प्रशिक्षण और भविष्य की जिम्मेदारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संवाद के दौरान प्रशासनिक सेवा में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विचार साझा किए जाने की संभावना है।

> **उपराष्ट्रपति** का उत्तराखंड दौरा प्रशासनिक और वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं में से एक के प्रतिनिधि से सीधे संवाद के दौरान प्रशिक्षुओं को अपने अनुभव और विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। वहीं, उपराष्ट्रपति उन्हें राष्ट्र निर्माण में प्रशासनिक सेवाओं की भूमिका और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दे सकते हैं।

इसके अलावा उपराष्ट्रपति लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित आईएएस प्रोफेशनल कोर्स के समापन समारोह में भी शामिल होंगे। अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारी देश के विभिन्न हिस्सों में प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार किए जाते हैं। समापन समारोह में उपराष्ट्रपति प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करेंगे। उनके संबोधन में प्रशासनिक सेवा की जिम्मेदारियों, लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और जनसेवा के महत्व पर जोर रहने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए देहरादून पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष योजना भी जारी की है। बाहर से देहरादून और मसूरी आने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

सुरक्षा बढ़ी

यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान निर्धारित मार्गों और यातायात व्यवस्था का पालन करें। महत्वपूर्ण मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी और आवश्यकता के अनुसार यातायात को नियंत्रित किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वीआईपी आवागमन के साथ आम लोगों को भी कम से कम परेशानी हो। दो दिवसीय दौरे के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान रहेगा। प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारी कार्यक्रमों को व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराने में जुटे हैं।

जनता की राय से तैयार होगा कांग्रेस का घोषणा पत्र

अनिल थपलियाल

देहरादून में कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि पार्टी का घोषणा पत्र समय पर जारी किया जाएगा और यह पूरी तरह जनता की अपेक्षाओं एवं जरूरतों पर आधारित होगा। समिति के अध्यक्ष भुवन कापड़ी ने बताया कि घोषणा पत्र तैयार करने से पहले युवाओं, यूट्यूबर्स, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से संवाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं, सुझाव और प्राथमिकताएं जानी जाएंगी तथा इन्हें घोषणा पत्र में उचित स्थान दिया जाएगा। कापड़ी ने प्रदेश की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए उसे रिमोट कंट्रोल से चलने वाली सरकार बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रयास जनभावनाओं के अनुरूप व्यावहारिक और प्रभावी घोषणा पत्र तैयार करना है। प्रेसवार्ता में डॉ. प्रेम बहुखंडी, सूर्यकांत धस्माना और सुजाता पॉल भी मौजूद रहे।

फोर्टिस ने देहरादून में खोला पहला समर्पित मेडिकल सेंटर

देहरादून में फोर्टिस का पहला सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल सेंटर शुरू

अनिल थपलियाल

देहरादून में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को विस्तार देते हुए फोर्टिस हेल्थकेयर ने अपना पहला समर्पित फोर्टिस मेडिकल सेंटर शुरू किया है। सिकुंड डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ रणनीतिक सहयोग से स्थापित इस केंद्र के माध्यम से फोर्टिस के दिल्ली-एनसीआर स्थित अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सा, शल्य और प्रत्यारोपण विशेषज्ञ अब देहरादून और आसपास के मरीजों को उनके घर के करीब विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराएंगे। फोर्टिस इससे पहले देहरादून में तीन स्थानों पर चुनिंदा बाह्य रोगी सेवाएं संचालित कर रहा था। नया केंद्र शहर में कंपनी का पहला समर्पित बहु-विशेषता चिकित्सा केंद्र है।

मेडिकल सेंटर में हृदय रोग, हृदय एवं रक्तवाहिका शल्य चिकित्सा, बाल हृदय रोग, चिकित्सा एवं शल्य कैंसर उपचार, न्यूरोसर्जरी, मूत्र रोग, गुर्दा रोग, हड्डी रोग, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण और यकृत प्रत्यारोपण जैसी प्रमुख विशेषज्ञताओं में बाह्य रोगी परामर्श मिलेगा। इसके अलावा सिकुंड डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से मरीजों को रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी जैसी जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जिन मरीजों को उन्नत जांच, शल्य चिकित्सा या विशेष उपचार की आवश्यकता होगी, उन्हें उनकी चिकित्सकीय जरूरत के अनुसार फोर्टिस के संबंधित अस्पतालों में भेजा जाएगा।

केंद्र में फोर्टिस नेटवर्क के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इनमें हृदय रोग, कैंसर, न्यूरोसर्जरी, हड्डी रोग, मूत्र रोग, गुर्दा रोग तथा प्रत्यारोपण चिकित्सा के विशेषज्ञ शामिल हैं। इससे मरीजों को प्रारंभिक स्तर पर विशेषज्ञ सलाह मिलने के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्तरीय उपचार के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

उच्चस्तरीय उपचार होगा उपलब्ध

फोर्टिस हेल्थकेयर की मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि देहरादून में पहले फोर्टिस मेडिकल सेंटर की शुरुआत उत्तराखंड के मरीजों के लिए विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को उनके घर के और करीब लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि देहरादून तेजी से क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और यहां सुपर स्पेशियलिटी तथा उन्नत उपचार विकल्पों की जरूरत लगातार बढ़ रही है। सिकुंड डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक डॉ. राजीव सिकुंड ने कहा कि फोर्टिस के साथ यह सहयोग देहरादून के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करेगा। इससे मरीजों को घर के करीब उन्नत जांच और विशेषज्ञ परामर्श मिल सकेगा। जरूरत पड़ने पर मजबूत संदर्भ व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को फोर्टिस अस्पतालों में उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

चमोली के तमक नाले में लापता हवलदार पंकज की तलाश तेज

उदित नैनवाल

चमोली के ज्योतिर्मठ क्षेत्र में तमक नाले में अतिवृष्टि के तेज बहाव और मलबे की चपेट में आकर लापता हुए हवलदार पंकज की तलाश जारी है। प्रशासन के निर्देशन में पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सीमा सड़क संगठन और गढ़वाल राइफल्स की टीमें अभियान चला रही हैं। ड्रोन, खोजी कुत्तों, एक्सकेवेटर और अत्याधुनिक रडार की मदद से नाले से नदी किनारों तक संभावित स्थानों की गहन जांच की जा रही है।

बेल्जियम के बाद काठमांडू में भी नेतालियो ने प्रस्तुत किया मणिपुर केंद्रित शोध

मणिपुर के समुदायों की सांस्कृतिक पहचान पर अंतरराष्ट्रीय मंच में हुई शोध प्रस्तुति

अनिल थपलियाल

मणिपुरी मनोविज्ञान शोधार्थी मोइरांगथेम नेतालियो ने नेपाल के काठमांडू स्थित नेशनल कॉलेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान सम्मेलन 2026 में मणिपुर की सांस्कृतिक पहचान और अंतर-सांस्कृतिक संबंधों पर अपना शोध प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन 6 से 8 अगस्त तक आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न देशों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से जुड़े शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

नेतालियो ने अपने शोध-पत्र में मणिपुर के कुकी-कुकी-जो और मैतेई समुदायों की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुकूलन तथा अंतर-सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन प्रस्तुत किया। शोध का उद्देश्य यह समझना था कि बदलती सामाजिक परिस्थितियों में समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान को किस प्रकार बनाए रखते हैं और नई परिस्थितियों के साथ सामाजिक तथा सांस्कृतिक स्तर पर कैसे अनुकूलन करते हैं।

इससे पहले नेतालियो ने बेल्जियम के केयू ल्यूवेन विश्वविद्यालय में जुलाई 2026 में आयोजित अंतर-सांस्कृतिक मनोविज्ञान के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी मणिपुर से संबंधित शोध प्रस्तुत किया था। उनका शोध बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में डॉ. शबाना बानो और डॉ. चिन्नगैहकिम गुइते के मार्गदर्शन में किया गया है। मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षा पूरी कर चुके नेतालियो वर्तमान में डॉक्टरेट कार्यक्रम में प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके अंतरराष्ट्रीय शोध प्रस्तुतियों से मणिपुर के सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभवों को व्यापक अकादमिक विमर्श में स्थान मिला है।

चमोली टनल हादसे में 10 मौतें, 12 घायल

चमोली टीएचडीसी टनल रेस्क्यू अभियान पूरा, 12 श्रमिक सुरक्षित बाहर

उदित नैनवाल

चमोली के हाट-सियासैंण, मायापुर पीपलकोटी में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में 13 अगस्त को पानी रिसाव और भूस्खलन से हुए हादसे के बाद करीब 117 घंटे चला खोज एवं बचाव अभियान मंगलवार को सफलतापूर्वक पूरा हुआ। अभियान में टनल में फंसे और लापता सभी प्रभावित श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया। कुल 12 श्रमिकों को सुरक्षित बचाया गया, जबकि 10 श्रमिकों की दुखद मृत्यु हुई। रेस्क्यू टीमों ने टनल में जमा पानी की निकासी, मलबा हटाने और संभावित स्थानों पर लगातार खोज अभियान चलाया।

◆ मलबे और पानी के बीच 117 घंटे चला चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान

पानी निकालने के लिए सक्शन पंप समेत आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने पूरे अभियान की निगरानी की और सभी एजेंसियों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया। आईटीबीपी, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, सीआईएसएफ, पुलिस, जिला प्रशासन और टीएचडीसी की टीमों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यूज ब्रीफ

रेखा आर्या ने 280 श्रमिकों को वितरित कीं कल्याणकारी किट

अनिल थपलियाल। अल्मोड़ा के सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के धौलाघाट स्थित रामलीला मैदान में श्रम विभाग और उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए 280 पंजीकृत पात्र लाभार्थियों को पोषण किट, स्वच्छता किट और शैक्षणिक सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि श्रमिक प्रदेश के नवनिर्माण की मजबूत आधारशिला हैं और सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के लिए विवाह, प्रसूति, मृत्युोपरांत सहायता, छात्रवृत्ति, कौशल विकास और स्वास्थ्य संबंधी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

गोपेश्वर में 20 अगस्त को होगी क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला, विशेषज्ञ देंगे जानकारी

अनिल थपलियाल। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय देहरादून की ओर से 20 अगस्त को चमोली के गोपेश्वर स्थित जिला पंचायत सभागार में एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा डिजिटल मीडिया कर्मी हिस्सा लेंगे। इसका उद्देश्य स्थानीय मीडिया और सरकार के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रमाणिक और तथ्यपरक जानकारी अंतिम छोर तक पहुंचाना है। कार्यशाला में महिला और किसान सशक्तिकरण, युवा शक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं, जीआई टैग और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी पहलों पर विशेष चर्चा होगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वयं सहायता समूह, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और नशा मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी जाएगी।

चमोली टनल रेस्क्यू में साहस और समर्पण की मिसाल बने जवान

उदित नैनवाल। चमोली में 117 घंटे से अधिक चले चुनौतीपूर्ण टनल रेस्क्यू अभियान में बचाव दलों ने अदम्य साहस और समर्पण का परिचय दिया। अभियान के दौरान 12 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि 10 श्रमिकों की दुखद मृत्यु हुई। पानी निकालने, मलबा हटाने और दुर्गम हिस्सों में तलाश के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया। पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, डीडीआरएफ, सीआईएसएफ और प्रशासन की टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना में सुरंग निर्माण कार्य फिर रुका

सुरंग में रिसाव के बाद श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

चमोली में एनटीपीसी की निर्माणाधीन तपोवन विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना की सुरंग में पानी और मलबे का रिसाव सामने आने के बाद निर्माण कार्य फिलहाल रोक दिया गया है। तपोवन क्षेत्र स्थित सुरंग में 15 अगस्त की सुबह ऊपरी हिस्से में कैविटी दिखाई दी। इसके बाद इस स्थान से लगातार पानी और मलबा आने लगा। स्थिति को देखते हुए एनटीपीसी ने सुरंग में कार्य कर रहे तीन दर्जन से अधिक श्रमिकों और कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया तथा सुरक्षा कारणों से काम बंद कर दिया।

एनटीपीसी के अधिकारियों के अनुसार सुरंग निर्माण के दौरान इस तरह की घटनाएं सामने आ सकती हैं। हालांकि पानी और मलबे के लगातार रिसाव के कारण कर्मचारियों तथा स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है। जिला प्रशासन ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए एनटीपीसी से पूरी रिपोर्ट मांगी है।
वर्तमान स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी ली जा रही है। तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना का निर्माण धौलीगंगा नदी पर वर्ष 2001 से किया जा रहा है।

2021 की आपदा वाली जगह फिर सामने आया खतरा

प्रशासन की ओर से सुरंग की वर्ष 2021 में रैंठी ग्लेशियर टूटने के बाद आई भीषण जलप्रलय में इस परियोजना को भारी नुकसान हुआ था। परियोजना के बैराज और मुख्य सुरंग में कई किलोमीटर तक पानी और मलबा भर गया था। परियोजना की सुरंग में इससे पहले भी पानी के रिसाव की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। वर्ष 2009 में सुरंग में चट्टान गिरने के बाद प्राकृतिक जलस्रोत फूट गया था और बड़ी मात्रा में पानी का रिसाव शुरू हुआ था। वर्ष 2012 में भी सुरंग में पानी आने की घटना हुई थी। ऐसे में वर्तमान रिसाव ने परियोजना की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल श्रमिकों को सुरंग से बाहर रखा गया है और स्थिति की निगरानी की जा रही है।

राज्यपाल से मिले त्रिवेंद्र रावत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने पर हुई चर्चा

अनिल थपलियाल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से मंगलवार को लोक भवन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था मजबूत करने और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में स्थानीय संसाधनों का वैज्ञानिक और पर्यावरणीय उपयोग रोजगार बढ़ाने तथा पलायन रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। त्रिवेंद्र रावत ने पिरूल, गोबर और अन्य जैविक अपशिष्टों को आर्थिक संसाधन के रूप में विकसित करने की जरूरत बताई।

ऋषिकेश में 700 श्रमिक परिवारों को मिली स्वास्थ्य और शिक्षा किट

अनिल थपलियाल। ऋषिकेश के ट्रांजिट कैंप बस स्टैंड में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से पंजीकृत श्रमिकों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने करीब 700 लाभार्थियों को स्वास्थ्य पोषक आहार किट, बच्चों के लिए शिक्षा किट और महिलाओं के लिए महिला हेल्थ किट वितरित की। इस दौरान श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार श्रमिकों तथा उनके परिवारों के सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और बीमा योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में श्रम विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

फिल्म 'बंटवारा 1947' के विरोध में हिंदू रक्षा दल का प्रदर्शन

अनिल थपलियाल

देहरादून में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने फिल्म 'बंटवारा 1947' के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने न्यू अंपायर सिनेमा हॉल के बाहर नारेबाजी करते हुए फिल्म के पोस्टर हटाने की मांग की। विरोध के बाद सिनेमा हॉल प्रबंधन ने फिल्म के पोस्टर हटा दिए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि फिल्म में भारत-पाकिस्तान विभाजन से जुड़े घटनाक्रम को ऐसे तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जो उनके अनुसार पाकिस्तान के पक्ष में जाता है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों और निर्माताओं की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

◆ सिनेमा हॉल के बाहर हुई नारेबाजी

कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

कार्यकर्ताओं ने कहा कि भारत के विभाजन से जुड़े संवेदनशील विषय को प्रस्तुत करते समय ऐतिहासिक तथ्यों और राष्ट्रीय भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि फिल्म के विरोध में उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान जय श्री राम के नारे लगाए गए।

इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर यूकेडी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि पर उत्तराखंड क्रांति दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके संघर्ष, सादगी और राज्य निर्माण के प्रति समर्पण को याद किया गया। वरिष्ठ नेता लताफत हुसैन ने कहा कि बडोनी के सपनों का उत्तराखंड बनाना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। प्रदेश महामंत्री मीनाक्षी घिल्डियाल ने कहा कि बडोनी के जीवन में जनसेवा और सादगी सर्वोपरि रही। उन्होंने उनके आदर्शों को व्यवहार में अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की अस्मिता, अधिकारों और जनहित के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

प्रक्रिया 49,743 आवेदनों से बदलेगी मतदाता सूची, 10 हजार से अधिक आपत्तियां

उत्तराखंड में एसआईआर से बदलेगी मतदाता सूची

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। प्रशासन की ओर से मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। देहरादून जिले में अब तक कुल 49,743 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे नागरिकों की है जिन्होंने मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने या पहले से दर्ज विवरण में संशोधन के लिए आवेदन किया है। वहीं 10,235 मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर दावे और आपत्तियां भी प्राप्त हुई हैं। इस पूरी प्रक्रिया पर राजनीतिक दलों की भी नजर बनी हुई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने ऋषिपर्णा सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक कर एसआईआर की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रशासन ने राजनीतिक दलों को प्रारूप-9, 10, 11ए और 11बी की सूचियां भी उपलब्ध कराई हैं, ताकि वे प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकें और आवश्यक स्तर पर निगरानी कर सकें।

प्रशासन के अनुसार 13 अगस्त तक प्रारूप-6 के तहत नाम जोड़ने के लिए 39,025 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा प्रारूप-8 के तहत मतदाता विवरण में संशोधन के लिए 10,718 आवेदन मिले हैं। इन दोनों श्रेणियों को मिलाकर 49,743 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे स्पष्ट है कि बड़ी संख्या में नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने या अपने विवरण को सही कराने के लिए आगे आए हैं।

10,235 नामों पर आपत्तियां दर्ज

इसके साथ ही प्रारूप-7 के तहत 10,235 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। मतदाता सूची से किसी नाम को हटाने की प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल आपत्ति प्राप्त होने के आधार पर किसी मतदाता का नाम नहीं हटाया जाएगा। निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच और सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पात्र मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दल भी सतर्क दिखाई दे रहे हैं।

चुनावी राजनीति पर पड़ेगा प्रभाव

मतदाता सूची में होने वाले बदलाव का सीधा प्रभाव चुनावी राजनीति पर पड़ सकता है। भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि पुनरीक्षण प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक दलों के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि उनके समर्थक और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में सही तरीके से दर्ज रहें तथा किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से न हटे। प्रशासन की ओर से अंतिम निर्वाचक नामावली 15 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

पारदर्शी तरीके से पूरा होगा काम

फिलहाल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करना और पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। एसआईआर की यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सही और अद्यतन मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला होती है। ऐसे में प्रशासन के साथ राजनीतिक दलों और आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि वे अपने नाम और मतदाता विवरण की जांच करें तथा किसी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराएं।

दिल्ली कूच की मांग से खनौरी सीमा पर डटे किसान

लंबित मांगों पर बातचीत की मांग, देशभर में रोष मार्च और किसान महापंचायतों की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध और अन्य किसान मांगों को लेकर दिल्ली कूच के लिए घरों से निकले किसान मंगलवार को लगातार तीसरे दिन खनौरी के दाता सिंह वाला सीमा पर डटे रहे। किसानों ने सीमा से करीब 250 मीटर दूर तंबू लगाकर एक बार फिर अपना मोर्चा शुरू कर दिया है। किसान पैदल दिल्ली जाने की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं। साथ ही केंद्र सरकार से किसान आंदोलन-दो के दौरान उठाई गई अधूरी मांगों पर दोबारा बातचीत शुरू करने की अपील की जा रही है।

फिलहाल खनौरी सीमा पर किसानों की संख्या में कोई तेज बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों के अलग-अलग क्षेत्रों से किसान लगातार पहुंच रहे हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने सोमवार को स्पष्ट किया था कि फिलहाल खनौरी में स्थायी मोर्चा लगाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, यदि किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति नहीं मिलती है तो उनके 29 अगस्त तक सीमा पर डटे रहने की संभावना है।

किसानों का कहना है कि उनकी मांगों को लंबे समय से गंभीरता से नहीं लिया गया है। वे केंद्र सरकार के साथ बातचीत फिर शुरू करने और लंबित मुद्दों का समाधान निकालने की मांग कर रहे हैं। सीमा पर किसानों का रुख फिलहाल शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ नजर आ रहा है।

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक अहम : इसी बीच मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। बैठक में आंदोलन की अगली रणनीति को लेकर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक के बाद आंदोलन को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की जा सकती है। किसान संगठनों की ओर से आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने की तैयारी भी की जा रही है।

जगजीत सिंह डल्लेवाल ने सोमवार रात घोषणा की थी कि 20 अगस्त को देशभर के सभी जिलों के बाजारों में रोष मार्च निकाले जाएंगे। किसान इस दौरान उपायुक्तों को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपेंगे और केंद्र सरकार के पुतले फूंकेंगे। इसके अलावा 29 अगस्त तक देश के सभी राज्यों में तीन से चार किसान महापंचायतें आयोजित करने का आह्वान भी किया गया है।

आंदोलन को देशव्यापी बनाने की तैयारी : किसान नेताओं का कहना है कि उनकी लंबित मांगों पर केंद्र सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। उनका उद्देश्य आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से देश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाना है। इसके लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और किसान संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाया जाएगा।

खनौरी सीमा पर किसान फिलहाल अपने तंबुओं में डटे हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। किसानों और प्रशासन के बीच आगे की स्थिति दिल्ली जाने की अनुमति और मंगलवार को होने वाली बैठक के फैसलों पर निर्भर करेगी।

आने वाले दिनों में यदि बातचीत का रास्ता नहीं खुलता है तो आंदोलन के और व्यापक होने की संभावना है। वहीं किसान संगठनों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे।

फर्जी दस्तावेजों से दो करोड़ का जीएसटी घोटाला, फर्म मालिक पर हुआ केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

फर्जी दस्तावेजों और जाली बिलों के माध्यम से करोड़ों रुपये की वस्तु एवं सेवा कर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। राज्य कर अधिकारी लुधियाना-दो की शिकायत पर पुलिस ने प्रेम एंटरप्राइजेज और उसके मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विभागीय जांच में सामने आया कि कथित तौर पर सरकार को राजस्व का भारी नुकसान पहुंचाते हुए दो करोड़ चार लाख रुपये से अधिक की कर धोखाधड़ी की गई।

पुलिस के अनुसार राज्य कर विभाग की जांच के दौरान फर्म की गतिविधियों में कई अनियमितताएं सामने आईं। विभाग को संदेह हुआ कि फर्म द्वारा बड़े स्तर पर जाली दस्तावेज और फर्जी बिल तैयार किए गए तथा इनका इस्तेमाल कर संबंधी प्रक्रियाओं में किया गया।

जांच में प्रेम एंटरप्राइजेज के संचालक सागर का नाम सामने आया है। वह खन्ना के गुलमोहर नगर स्थित बाजीगर बस्ती का निवासी बताया गया है। विभागीय अभिलेखों के अनुसार फर्म का कर पहचान क्रमांक भी दर्ज है। आरोप है कि सुनियोजित तरीके से तैयार किए गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कुल दो करोड़ चार लाख दो हजार 137 रुपये की कर धोखाधड़ी की गई।

राज्य कर विभाग की लिखित शिकायत और प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने फर्म तथा उसके संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जाली कागजात को असली बताकर इस्तेमाल करने से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अब मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि फर्जी बिल और दस्तावेज किस उद्देश्य से तैयार किए गए तथा इस पूरी प्रक्रिया में किसी अन्य व्यक्ति या फर्म की भूमिका थी या नहीं।

न्यूज ब्रीफ

सनटेक सिटी घोटाले की जांच में आईएएस अधिकारी से ईडी की पूछताछ

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब कैडर की आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुईं। उन्हें सनटेक सिटी परियोजना से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। ईडी की जांच के अनुसार सनटेक सिटी परियोजना के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया में कथित अनियमितताएं हुई थीं। मामले में परियोजना के मुख्य प्रवर्तक अजय सहगल को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा कई अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की जा चुकी है। मामले की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी, जब मोहाली के पलहेरी गांव के एक जमीन मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी करीब 53 कनाल जमीन और अन्य किसानों की जमीन से संबंधित फर्जी सहमति पत्र तैयार किए गए। इन दस्तावेजों पर कथित तौर पर जाली हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगाए गए थे। शिकायत के बाद जांच शुरू हुई और मामला आगे चलकर मनी लॉन्ड्रिंग जांच तक पहुंचा।

पंजाब चुनाव से पहले भाजपा ने सतीश पूनिया को बनाया प्रभारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने पंजाब में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया को पंजाब भाजपा का प्रभारी नियुक्त किया है। इस संबंध में पार्टी की ओर से पत्र जारी किया गया है। पूनिया इससे पहले हरियाणा के चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके साथ ही तरुण चुग को गुजरात का प्रभारी, विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी और जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा ने इससे पहले 65 पदाधिकारियों की घोषणा भी की थी। पंजाब में नई जिम्मेदारी के साथ पार्टी अब आगामी विधानसभा चुनावों के लिए संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर तैयारियां तेज करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

लंबित मांगों पर भड़के निगम कर्मचारी, 20 अगस्त से हड़ताल की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। नगर निगम की संयुक्त यूनियनों ने लंबे समय से लंबित मांगों के पूरा न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। सोमवार को यूनियन प्रतिनिधियों ने संयुक्त कमिश्नर सुमनदीप कौर से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। यूनियनों ने स्पष्ट किया कि यदि 19 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो 20 अगस्त से हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। यूनियनों की प्रमुख मांगों में 1196 कर्मचारियों की स्थायी भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करना, सफाई सेवकों की हाजिरी की जांच, ठेकेदारों से सरकारी मशीनरी का संचालन बंद करना और दर्जा-चार कर्मचारियों का वेतन ऑनलाइन करना शामिल है। कर्मचारियों के नए पेंशन खाते खोलने, पिछले छह महीनों का भविष्य निधि जमा कराने और बैंक ऋण की किस्तें समय पर जमा करने की मांग भी की गई है।

कबाड़ कारोबार पर सख्ती, हर खरीद-बिक्री का रखना होगा रिकॉर्ड

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में कबाड़ की दुकानों को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चोरी का सामान खरीदने-बेचने, कबाड़ जलाकर प्रदूषण फैलाने और सड़कों पर अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई होगी। हर कबाड़ी को खरीदे-बेचे गए सामान का पूरा विवरण विशेष रजिस्टर में दर्ज करना होगा। इसमें संबंधित व्यक्ति का नाम, पता, संपर्क नंबर और सामान का विवरण शामिल होगा। रजिस्टर का हर महीने संबंधित अधिकारी से सत्यापन करवाना अनिवार्य होगा। पुरानी गाड़ियों की खरीद पर पंजीकरण रद्द करवाना होगा। दुकानदारों को प्रदूषण नियंत्रण, बिजली, अग्निशमन और नगर निगम से आवश्यक अनुमति लेनी होगी। चोरी का सामान खरीदना और कबाड़ जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पंजाब में सितंबर तक शामिल होंगी 100 नई बसें, ग्रामीण परिवहन होगा मजबूत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पंजाब सरकार ने बस सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने घोषणा की कि सितंबर के मध्य तक 100 विश्वस्तरीय 'पीआरटीसी जूनियर' बसें पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के बेड़े में शामिल कर दी जाएंगी। इन बसों का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में यात्रियों को बेहतर तथा सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है।

यह घोषणा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक के दौरान की गई। बैठक में राज्य में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के विस्तार, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और दोनों सरकारी परिवहन संस्थानों की आर्थिक स्थिति पर चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि ये पूरी तरह तैयार मध्यम आकार की बसें आयशर कंपनी द्वारा तैयार कर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

हरपाल सिंह चीमा ने अधिकारियों को सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और यात्रियों की जरूरतों के अनुसार नई योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीआरटीसी और पनबस की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आय के नए स्रोत तलाशने पर भी जोर दिया।

परिवहन मंत्री के अनुसार राज्य के सरकारी बस बेड़े में कुल 1,279 नई बसें शामिल की जा रही हैं। इससे सरकारी बसों की संख्या 2,267 से बढ़कर 3,546 हो जाएगी। उन्होंने इसे पिछले 20 वर्षों में सरकारी बसों के बेड़े में सबसे बड़ी वृद्धि बताया। सरकार का दावा है कि इससे पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा बेहतर होगी और यात्रियों को निजी परिवहन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार प्रवासी भारतीयों, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और आम जनता के लिए भी संपर्क व्यवस्था मजबूत कर रही है।

चंडीगढ़ की ऐतिहासिक विरासत बचाने आगे आया यूनेस्को, नीलामी पर लगाई रोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ के ऐतिहासिक विरासत फर्नीचर को विदेशों में नीलाम किए जाने के मामले में भारत की मुहिम को अब यूनेस्को के हस्तक्षेप से मजबूती मिली है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन ने शिकागो स्थित राइट डिजाइन ऑक्शन हाउस को पत्र भेजकर 13 अगस्त को नीलाम किए गए चंडीगढ़ के विरासत फर्नीचर के स्वामित्व हस्तांतरण पर रोक लगाने का आग्रह किया है।

यूनेस्को ने कहा है कि नीलामी में शामिल वस्तुओं के स्रोत और भारत से उनके निर्यात की वैधता की जांच पूरी होने तक इन्हें खरीदारों को हस्तांतरित नहीं किया जाना चाहिए। संगठन का यह कदम चंडीगढ़ की ऐतिहासिक विरासत को विदेशों में बेचे जाने के मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राइट डिजाइन ऑक्शन हाउस में चंडीगढ़ के विरासत फर्नीचर के कुल आठ लॉट नीलामी के लिए रखे गए थे। इनमें से छह लॉट की नीलामी पूरी हो चुकी है और इनसे करीब 83 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। यूनेस्को ने फिलहाल सभी आठ लॉट के स्वामित्व हस्तांतरण को रोकने का अनुरोध किया है, ताकि संबंधित वस्तुओं की उत्पत्ति और उनके निर्यात से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा सके।

यूनेस्को की संस्कृति एवं आपातकालीन मामलों की निदेशक क्रिस्टा पिकाट ने राइट डिजाइन ऑक्शन हाउस के अध्यक्ष रिचर्ड राइट को पत्र भेजा है। पत्र में बताया गया कि भारत के अधिकारियों ने 13 अगस्त को यूनेस्को के समक्ष इस मामले को उठाया था। भारतीय पक्ष ने नीलामी में शामिल चंडीगढ़ के विरासत फर्नीचर को लेकर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी।

चंडीगढ़ का विरासत फर्नीचर शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ है।

नई योजना से तकनीकी शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा, लेकिन अभिभावकों पर बढ़ सकता है आर्थिक बोझ

पंजाब के विद्यार्थियों को मिलेगी एआई शिक्षा, शुल्क और संसाधनों ने बढ़ाई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की अनिवार्य सीपीडी प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद राज्य के शिक्षा जगत और अभिभावकों के बीच विद्यार्थियों के लिए शुरू की जा रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा योजना को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पंजाब सरकार आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा देने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित योजना एक सितंबर से शुरू होने की बात कही जा रही है। इसके तहत पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूलों के विद्यार्थियों से प्रतिमाह 100 रुपये शुल्क लेने का प्रस्ताव है, जबकि सरकारी स्कूलों में यह सुविधा निशुल्क रखने की बात कही जा रही है।

इस पूरी योजना का संचालन सिंगापुर की एक निजी कंपनी द्वारा किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की लगभग 35 से 40 मिनट की ऑनलाइन कक्षा होगी। बोर्ड को उम्मीद है कि आठवीं से बारहवीं कक्षा के करीब 80 प्रतिशत विद्यार्थी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। हालांकि योजना को लेकर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने कई व्यावहारिक सवाल भी उठाए हैं।

योजना के तहत विद्यार्थियों का पंजीकरण सरबत एआई पोर्टल के माध्यम से करवाने का प्रस्ताव है। इसके लिए प्रतिमाह 100 रुपये शुल्क निर्धारित किया जा रहा है। इसके अलावा वर्ष में तीन बार होने वाली परीक्षाओं के लिए 50 रुपये और दो इकाई परीक्षाओं के लिए 10 रुपये शुल्क प्रस्तावित है। विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली किताब के लिए भी 73 रुपये प्रति विद्यार्थी शुल्क तय किया जा रहा है।

योजना के तहत प्रत्येक स्कूल से दो अध्यापकों को प्रशिक्षण देने की योजना है। शिक्षकों की चार सप्ताह की प्रशिक्षण प्रक्रिया के लिए पहले वर्ष 800 रुपये शुल्क रखा गया है। तीन वर्ष में पूरी प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान प्रति शिक्षक करीब 21 हजार रुपये खर्च होने की बात कही जा रही है।

शिक्षकों और अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता ऑनलाइन पढ़ाई से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं को लेकर है। 35 से 40 मिनट की ऑनलाइन कक्षा के अलावा विद्यार्थियों को घर पर स्वअध्ययन के लिए मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप और इंटरनेट की आवश्यकता होगी। राज्य के कई स्कूलों में अभी भी पर्याप्त कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और बेहतर इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं है।

ऐसे में योजना लागू होने के बाद आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका जताई जा रही है। शिक्षकों का कहना है कि केवल ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सभी विद्यार्थियों को समान तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराना भी जरूरी होगा। शिक्षा सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं। ऐसे समय में सितंबर से नया पाठ्यक्रम शुरू किए जाने को लेकर भी शिक्षकों और अभिभावकों में चिंता है।

दस साल पुराने पथराव मामले में दो आरोपित बरी, पुलिस जांच पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हिंसा और पथराव के दस साल पुराने मामले में जिला अदालत ने सबूतों के अभाव में दो आरोपितों को बरी कर दिया। अदालत के फैसले के बाद चंडीगढ़ पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। बरी किए गए आरोपितों की पहचान हल्लोमाजरा निवासी आलोक सिंह और मक्खन माजरा निवासी कमल के रूप में हुई है।

◆ **अदालत में कमजोर पड़ी पुलिस की जांच, दस साल बाद आरोपित हुए बरी**

इस मामले में तीसरे आरोपित प्रकाश चंद की पहले ही मौत हो चुकी है। उसकी मौत के बाद उसके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई बंद कर दी गई थी। अब अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बाकी दोनों आरोपितों को भी दोषी ठहराने से इनकार कर दिया।

अदालत में सुनवाई के दौरान पुलिस की जांच को लेकर महत्वपूर्ण सवाल सामने आए। बताया गया कि हिंसक घटना के दौरान मौके पर करीब 200 से 250 लोग मौजूद थे, लेकिन पुलिस उनमें से केवल तीन लोगों की पहचान कर सकी। अदालत ने इस बात पर सवाल उठाया कि इतने बड़े समूह में से केवल कुछ लोगों को आरोपित बनाने का आधार क्या था और उनकी पहचान किस ठोस साक्ष्य के आधार पर की गई।

मामले में पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य आरोपितों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं पाए गए। बचाव पक्ष की दलीलों और उपलब्ध रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद अदालत ने दोनों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

इस फैसले ने चंडीगढ़ में हिंसक प्रदर्शनों से जुड़े पुराने मामलों की जांच पर भी चर्चा तेज कर दी है। इससे पहले भी कई मामलों में पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने के कारण आरोपित अदालत से बरी हो चुके हैं।

पंजाब चुनाव के लिए भाजपा ने तैयार की मजबूत रणनीति

राष्ट्रीय टीम में पंजाब को अहम जगह देकर भाजपा ने चुनावी तैयारियों का दिया स्पष्ट संकेत

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सोमवार को घोषित नई टीम में पंजाब को विशेष महत्व दिया गया है। पंजाब से वरिष्ठ भाजपा नेता तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पूर्व वित्तमंत्री मनप्रीत सिंह बादल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। पार्टी के इन फैसलों को पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

मनप्रीत सिंह बादल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने को भाजपा की पंजाब में जट्ट सिख और किसान वर्ग तक पहुंच मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय तक पंजाब के वित्तमंत्री रहे मनप्रीत बादल की गंभीर और अनुभवी राजनेता की छवि है। उनका संबंध बादल परिवार से भी रहा है, जिसके कारण पंजाब की राजनीति में उनका अपना प्रभाव माना जाता है। भाजपा को उम्मीद है कि उनके अनुभव और राजनीतिक संपर्कों का लाभ पार्टी को ग्रामीण तथा किसान वर्ग के बीच मिल सकता है।

मनप्रीत बादल शहरी मतदाताओं के बीच भी भाजपा के लिए प्रभावी चेहरा साबित हो सकते हैं। हालांकि वित्तमंत्री रहते हुए राज्य की आर्थिक स्थिति को लेकर उनके कार्यकाल पर उठे सवाल और सरकारी कर्मचारियों के बीच बनी कुछ नकारात्मक धारणाएं पार्टी के लिए चुनौती भी बन सकती हैं।

वहीं तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी मिलना संगठनात्मक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुग लंबे समय से भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हिस्सा रहे हैं और पंजाब के जमीनी कार्यकर्ताओं से उनका लगातार संपर्क रहा है। हाल ही में उन्हें राज्यसभा में भेजा गया और अब राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से उनका राजनीतिक कद और बढ़ा है। माना जा रहा है कि वह पंजाब में पार्टी की चुनावी रणनीति को संगठन के निचले स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं का मानना है कि राष्ट्रीय स्तर पर तरुण चुग की बढ़ती भूमिका से पंजाब संगठन में उत्साह बढ़ेगा। पार्टी के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण लक्ष्य रहेगा।

इसी बीच डॉ. संदीप पाठक को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया जाना भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। आम आदमी पार्टी में रहते हुए उन्होंने पंजाब में संगठन खड़ा करने और उम्मीदवारों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा में आने के बाद उनके अनुभव और रणनीतिक समझ का इस्तेमाल पार्टी पंजाब में अपने विस्तार के लिए कर सकती है।

राष्ट्रीय टीम में पंजाब के तीन प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण स्थान मिलने से स्पष्ट संकेत है कि भाजपा राज्य में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। पार्टी अब संगठन, किसान वर्ग, शहरी मतदाताओं और विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपना आधार बढ़ाने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में पंजाब को मिली प्रमुख जिम्मेदारियों से प्रदेश संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। पार्टी इन नेताओं के अनुभव का इस्तेमाल जमीनी नेटवर्क मजबूत करने और विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कर सकती है। आगामी चुनावों में यह रणनीति भाजपा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पीजीआई में गर्भवती महिलाओं के इंजेक्शन चोरी, अटेंडेंट पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पीजीआई के गायनी विभाग में गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के उपचार में इस्तेमाल होने वाले करीब 20 लाख रुपये के महंगे इंजेक्शन चोरी होने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अस्पताल अटेंडेंट रोहित के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस और पीजीआई प्रशासन अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि इंजेक्शन कब और कितनी संख्या में गायब हुए तथा इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका है या नहीं।

गायनी वार्ड की नर्सिंग ऑफिसर ने इंजेक्शन गायब होने की शिकायत दी थी। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस अब अटेंडेंट रोहित की ड्यूटी, वार्ड में उसकी आवाजाही और दवाओं के भंडारण वाले स्थान तक उसकी पहुंच की जानकारी जुटा रही है।

जांच में वार्ड के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी महत्वपूर्ण हो सकती है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि संबंधित अवधि में वार्ड से कोई व्यक्ति इंजेक्शन लेकर बाहर गया था या नहीं। इसके अलावा दवाओं के रिकार्ड और स्टॉक का भी बारीकी से मिलान किया जाएगा।

स्टॉक और मरीजों को लगाए गए इंजेक्शनों का होगा मिलान: जांच का प्रमुख हिस्सा पीजीआई के दवा स्टॉक का मिलान करना है। अस्पताल प्रशासन यह देखेगा कि विभाग में कुल कितने इंजेक्शन उपलब्ध कराए गए थे, उनमें से कितने मरीजों के उपचार में इस्तेमाल हुए और कितने इंजेक्शन स्टॉक से कम मिले। इससे चोरी की वास्तविक मात्रा और घटना की अवधि का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

पहले भी सामने आया था मामला : पीजीआई के गायनी विभाग में महंगे इंजेक्शन गायब होने का मामला पहले भी सामने आ चुका है। अगस्त 2025 में मरीज के लिए खरीदे गए तीन इंजेक्शन वार्ड के रेफ्रिजरेटर से गायब मिले थे। उस मामले के बाद भी अस्पताल अटेंडेंट के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर एनआईए का शिकंजा

ग्रेनेड और कारतूस बरामदगी मामले की जांच में पाकिस्तान स्थित हैंडलर की भूमिका सामने आई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई तेज हो गई है। एनआईए की विशेष अदालत ने पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर मोहम्मद याकूब उर्फ अबू सुमामा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। उस पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, अबू सुमामा को लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद का करीबी और उसका दाहिना हाथ माना जाता है।

यह मामला श्रीनगर में मोहम्मद नकीब भट के कब्जे से ग्रेनेड और 15 जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। हथियारों की बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर मोहम्मद याकूब की कथित भूमिका सामने आई। इसके बाद एनआईए ने मामले में उसकी गतिविधियों और कश्मीर में आतंकी नेटवर्क से उसके संबंधों की पड़ताल की। एनआईए के मुताबिक, अबू सुमामा ने कथित तौर पर गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकियों अब्दुल्ला राजपूत उर्फ कामरान अहमद

> जांच एजेंसी के अनुसार मामले में सामने आए तथ्यों के आधार पर आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। एनआईए यह पता लगाने में जुटी है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर ने कश्मीर में सक्रिय नेटवर्क तक किस तरह निर्देश और सहयोग पहुंचाया।

और खुबैब उर्फ उस्मान जट्ट को निर्देश दिए थे। आरोप है कि उसने उन्हें कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कहा था। जांच एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर कश्मीर में सक्रिय नेटवर्क को निर्देश और सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे थे। इसी कड़ी में अबू सुमामा की भूमिका की जांच की गई। अदालत में प्रस्तुत जांच से जुड़े तथ्यों के आधार पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।

अबू सुमामा के खिलाफ यूएपीए की धारा 35 के तहत आरोप हैं। गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद जांच एजेंसी के लिए उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता खुल गया है। चूंकि आरोपी पाकिस्तान में बैठा बताया जा रहा है, इसलिए उसकी गिरफ्तारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बनी हुई है।

एनआईए की कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब एजेंसियां जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क के स्थानीय और सीमा पार संपर्कों की लगातार जांच कर रही हैं। हथियारों की बरामदगी से जुड़े इस मामले में जांच के दायरे में अन्य संदिग्ध गतिविधियों और नेटवर्क को भी शामिल किया जा रहा है। एजेंसी अब मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका और आतंकी साजिश के संभावित पहलुओं की भी जांच कर रही है।

संदिग्धों की भूमिका पर नजर

जांच एजेंसी अब इस पूरे नेटवर्क की कार्यप्रणाली और उससे जुड़े संपर्कों की कड़ियों को खंगाल रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में सामने आए डिजिटल और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है, ताकि पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों और घाटी में सक्रिय सहयोगियों के बीच संपर्कों का पता लगाया जा सके। एनआईए यह भी जांच कर रही है कि आतंकियों तक हथियार, धन और अन्य संसाधन किस माध्यम से पहुंचाए जाते थे। एजेंसी को उम्मीद है कि आगे की जांच में नेटवर्क से जुड़े कुछ और संदिग्धों की भूमिका सामने आ सकती है। अदालत की कार्रवाई के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास भी आगे बढ़ाए जाएंगे।

वंदे मातरम पर बोले उमर, नए प्रोटोकॉल की आदत में लगेगा समय

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद पर कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में इसे पहली बार आधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा बनाया गया है। ऐसे में लोगों को नए क्रम और व्यवस्था की आदत पड़ने में थोड़ा समय लगेगा। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उमर ने कहा कि कांग्रेस अपनी सफाई पहले ही दे चुकी है। कार्यक्रम में वंदे मातरम के तीनों छंद गाए गए थे, इसलिए विवाद की कोई वजह नहीं होनी चाहिए। उमर ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में यह उनकी आठवीं स्वतंत्रता दिवस परेड थी, लेकिन पहली बार इसमें वंदे मातरम को शामिल किया गया। उन्हें भी नए क्रम को समझने में कुछ समय लगा। उन्होंने बताया कि पहले खड़ा होना, फिर वंदे मातरम, उसके बाद ध्वजारोहण और अंत में राष्ट्रगान का क्रम रखा गया। उन्होंने कहा कि संभव है कांग्रेस नेताओं को भी नए प्रोटोकॉल के साथ सामंजस्य बैठाने में समय लगा हो। मुख्यमंत्री ने इस पूरे मामले को स्वाभाविक प्रक्रिया बताते हुए अनावश्यक विवाद से बचने की बात कही।

उपराज्यपाल से मुलाकात कर मामलों की वापसी का किया आग्रह

लद्दाख में लेह हिंसा के केस वापस लेने की मांग, सभी दल एकजुट

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

लद्दाख में पिछले वर्ष 24 सितंबर को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग तेज हो गई है। इस मुद्दे पर लद्दाख के विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक और धार्मिक संगठनों में एकजुटता दिखाई दे रही है। नेताओं का कहना है कि युवाओं के खिलाफ दर्ज मामलों की सहानुभूतिपूर्वक समीक्षा कर उन्हें वापस लिया जाना चाहिए।

इसी मांग को लेकर पूर्व सांसद थुपस्तान छिवांग और लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद लेह के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद ताशी ग्यालसन ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की। दोनों नेता गृह मंत्रालय की उच्चस्तरीय समिति के सदस्य भी हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विश्वास बहाली के लिए मामलों में जल्द सकारात्मक फैसला जरूरी है। नेताओं ने 24 सितंबर की घटना से जुड़े मामलों की चरणबद्ध तरीके से समीक्षा कर उन्हें वापस लेने का आग्रह किया। साथ ही प्रदर्शन में मृतकों और घायलों के परिवारों को आर्थिक मुआवजा तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। उन्होंने न्यायमूर्ति बीएस चौहान समिति की रिपोर्ट जल्द पेश करने का अनुरोध किया। बैठक में केंद्र सरकार से लद्दाख के मुद्दों पर अगली बैठक की तारीख जल्द तय करने की मांग भी उठी।

नेताओं के अनुसार प्रस्तावित संवाद के ढांचे पर व्यापक सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है, लेकिन करीब तीन महीने बीतने के बाद भी आधिकारिक प्रारूप सामने नहीं आया है। ऐसे में जल्द बैठक बुलाकर प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया नेताओं ने कहा कि मामलों की वापसी से क्षेत्र में विश्वास बहाली की प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। उन्होंने केंद्र से लद्दाख के लंबित मुद्दों पर जल्द निर्णय लेने और प्रभावित परिवारों को राहत देने का आग्रह किया। साथ ही अगली बैठक की तारीख शीघ्र तय करने की मांग भी रखी गई, ताकि प्रस्तावित संवाद को अंतिम रूप देकर आगे की प्रक्रिया शुरू की जा सके और स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं पर गंभीरता से विचार हो।

जम्मू-कश्मीर में 7656 रोहिंग्या, जम्मू संभाग में सबसे ज्यादा संख्या सामने आई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जनसांख्यिकीय बदलाव की जांच कर रही नावलेकर समिति के सामने प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 17 जिलों में कुल 7,656 रोहिंग्या और 504 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है। जम्मू संभाग के 10 जिलों में 6,737 रोहिंग्या और 46 बांग्लादेशी नागरिक पाए गए हैं। वहीं कश्मीर संभाग के सात जिलों में 919 रोहिंग्या और 458 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान हुई है। आंकड़ों के मुताबिक जम्मू, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजोरी, रियासी, सांबा, उधमपुर और रामबन में रोहिंग्याओं की मौजूदगी दर्ज की गई है। कश्मीर में श्रीनगर, बडगाम, गांदरबल, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां और कुलगाम शामिल हैं। समिति अब इन आंकड़ों के आधार पर जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जांच करेगी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में दो साल से खाली डिप्टी स्पीकर पद पर सत्ता-विपक्ष दोनों खामोश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का छठा सत्र 21 सितंबर से शुरू होगा, लेकिन डिप्टी स्पीकर का पद करीब दो साल से खाली है। निर्वाचित सरकार के दो वर्ष पूरे होने वाले हैं, फिर भी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पद भरने की पहल नहीं की। मुख्य विपक्षी भाजपा ने भी सरकार पर दबाव नहीं बनाया। पुनर्गठन अधिनियम के तहत विधानसभा में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव जरूरी है।

पहली अक्तूबर तक 18 साल वाले युवा कर सकेंगे मतदान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव अप्रैल की बजाय अक्तूबर की मतदाता सूची के आधार पर होने की संभावना है। इससे पहली अक्तूबर तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को पहली बार पंचायत चुनाव में मतदान करने का अवसर मिल सकता है। पंचायत चुनाव अक्तूबर-नवंबर में कराए जाने की स्थिति में मतदाता सूची में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अप्रैल में तैयार की गई मौजूदा मतदाता सूची चुनाव की घोषणा के साथ संशोधित होगी। नई सूची में पिछले छह महीनों के दौरान 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम शामिल किए जाएंगे। इससे पंचायत चुनाव में नए मतदाताओं की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

अब रेल से दिल्ली पहुंचेंगे कश्मीर के सेब, बागवानों को होगा बड़ा फायदा

बडगाम से आदर्श नगर दिल्ली तक चल रही रेल पार्सल सेवा से अब तक 24 हजार टन माल पहुंचा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

कश्मीर के बागवानों और फल कारोबारियों के लिए रेल परिवहन एक बड़ी सुविधा बनकर सामने आया है। फल उत्पादकों को अपने उत्पाद देश के प्रमुख बाजारों तक तेजी और कम लागत में पहुंचाने के लिए उत्तरी रेलवे की समर्पित रेल पार्सल सेवा का अधिकतम लाभ उठाने की सलाह दी गई है। बागवानी निदेशालय, कश्मीर ने घाटी के फल उत्पादकों, व्यापारियों और अन्य संबंधित हितधारकों से इस सुविधा का उपयोग करने का आग्रह किया है।

जेपीपी-आरसीएस नाम से संचालित यह विशेष रेल पार्सल सेवा सितंबर 2025 से चल रही है। यह सेवा बडगाम को जम्मू के रास्ते आदर्श नगर दिल्ली से जोड़ती है। इसके अलावा बाड़ी ब्राह्मणा में भी इसका मध्यवर्ती ठहराव है। अब तक इस रेल सेवा के माध्यम से 24 हजार टन से अधिक माल की ढुलाई की जा चुकी है।

फल कटाई और विपणन के व्यस्त मौसम में इस सेवा की उपयोगिता और बढ़ जाती है। सड़क परिवहन की तुलना में रेल के माध्यम से बड़ी मात्रा में फल एक साथ भेजे जा सकते हैं। इससे समय और परिवहन लागत दोनों को कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही मौसम की परिस्थितियों का परिवहन पर अपेक्षाकृत कम असर पड़ता है।

हाईवे सुरक्षा को लेकर सरकार सख्त, हर जिले में टास्क फोर्स गठित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में जिला हाईवे सुरक्षा टास्क फोर्स का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार, 18 अगस्त को सरकारी आदेश जारी कर इसकी व्यवस्था लागू की। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 13 अप्रैल 2026 के आदेश के अनुपालन में उठाया गया है। टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य हाईवे पर दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट, अवैध कट और अतिक्रमण की पहचान कर उन्हें दूर करना है। साथ ही सड़क सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी भी की जाएगी। सरकार का लक्ष्य हादसों में कमी लाकर यात्रियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।

पुर्तगाल वीजा के नाम पर आठ लोगों से ठगी

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

विदेश नौकरी का झांसा देकर आठ लोगों से ठगी, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई तेज।

विदेश भेजने और पुर्तगाल का वर्क वीजा दिलाने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में जम्मू क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई तेज कर दी है। स्पेशल क्राइम विंग ने आरएसपुरा के पुराना पिंड निवासी कार्तिक चौधरी के खिलाफ सक्षम अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इसके साथ गवाहों की सूची और मामले से जुड़े जरूरी दस्तावेज भी पेश किए गए हैं।

क्राइम ब्रांच के प्रवक्ता के अनुसार, मामला पुर्तगाल वर्क वीजा दिलाने के नाम पर ठगी की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने विदेश भेजने का भरोसा देकर आठ लोगों को कथित तौर पर अपने जाल में फंसाया और उनसे रकम ली।

पीड़ितों को वीजा और विदेश में नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन बाद में वादे पूरे नहीं हुए। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच आगे भी जारी रहेगी।

पीड़ितों के बयान दर्ज किए

जांच के दौरान एजेंसी ने पीड़ितों के बयान दर्ज करने के साथ लेनदेन और अन्य संबंधित दस्तावेजों की भी पड़ताल की। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने विदेश में रोजगार और वीजा दिलाने का भरोसा देकर रकम हासिल की थी। चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामले में न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। क्राइम ब्रांच अन्य संभावित पीड़ितों और आरोपी से जुड़े लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले में जल्द कुछ अहम तथ्य सामने आने की संभावना है।

चिनाब किनारे रहने वालों के लिए चेतावनी बगलिहार बांध से बढ़ेगा पानी का बहाव

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर

चिनाब नदी के किनारे रहने और आने-जाने वाले लोगों के लिए प्रशासन ने महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। बगलिहार जलविद्युत परियोजना चंद्रकोट में जलाशय की आवधिक ड्रॉडाउन सिल्ट फ्लशिंग प्रक्रिया के तहत बुधवार सुबह 10 बजे बांध के गेट खोले जाएंगे। इसके बाद चिनाब नदी में जलस्तर और पानी के बहाव में अचानक वृद्धि होने की संभावना है।

प्रशासन ने लोगों से नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। विशेष रूप से मछुआरों, पशुपालकों और बच्चों को नदी किनारे नहीं जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि बांध से पानी छोड़े जाने के दौरान डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में पानी का प्रवाह तेज हो सकता है, जिससे हादसे का खतरा बढ़ सकता है।

जिला प्रशासन की ओर से पहले ही इस संबंध में परामर्श जारी किया जा चुका है। इसमें नदी के आसपास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे पानी के बढ़ते स्तर को देखने के लिए नदी के नजदीक न जाएं।

जम्मू में पानी की हर बूंद सहेजने की तैयारी, 13 पार्कों और स्कूलों में लगेगी हार्वेस्टिंग व्यवस्था

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

वर्षा जल सहेजकर भूजल बढ़ाने की तैयारी

शहर में गिरते भूजल स्तर और भविष्य में बढ़ते जल संकट से निपटने के लिए जम्मू नगर निगम ने वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने की व्यापक योजना तैयार की है। केंद्र सरकार की जल संचय जन भागीदारी पहल के तहत चलाए जा रहे 'कैच द रेन 2026' अभियान के अंतर्गत शहर में बारिश की एक-एक बूंद को सहेजकर उसका उपयोग भूजल स्तर बढ़ाने के लिए किया जाएगा। योजना के पहले चरण में जम्मू शहर के 13 प्रमुख पार्कों में वर्षा जल संचयन प्रणालियां स्थापित की जाएंगी। इसके साथ ही विभिन्न स्कूलों में भी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी, ताकि बारिश के पानी को सीधे बहने से रोककर जमीन में पहुंचाया जा सके। नगर निगम का लक्ष्य एक हजार से अधिक स्कूलों और सरकारी भवनों की छतों पर भी वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करना है। नगर निगम के इस कदम का मुख्य उद्देश्य वर्षा के दौरान बह जाने वाले पानी को संरक्षित करना और उसे भूजल रिचार्ज के लिए इस्तेमाल करना है। शहरीकरण के कारण लगातार बढ़ते निर्माण कार्यों से जमीन में पानी के प्राकृतिक रिसाव की क्षमता प्रभावित हुई है।

उखड़ी सड़क और गड्ढों से यातायात हुआ बेहद मुश्किल

आरएसपुरा-कुल्लियां मार्ग पर गड्ढों से हजारों यात्री परेशान

भारतेंदु संवाददाता, आरएसपुरा

जम्मू के आरएसपुरा-कुल्लियां मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति ने हजारों लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। करीब पांच से छह किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और सड़क की उखड़ी परत वाहन चालकों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन और हजारों लोग आवागमन करते हैं। इनमें स्थानीय निवासी, विद्यार्थी, कर्मचारी और व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोग शामिल हैं। सड़क की खराब हालत के कारण वाहन चालकों को धीमी गति से सफर करना पड़ता है। कई स्थानों पर गड्ढों को बचाने के प्रयास में वाहन असंतुलित होने का खतरा भी बना रहता है।

आरएसपुरा-कुल्लियां मार्ग के कई हिस्सों में सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है। छोटे-बड़े गड्ढों के कारण सड़क का अधिकांश हिस्सा असमतल हो गया है। बारिश होने पर पानी भरने से गड्ढों की गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है। इससे दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा अधिक बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत के नाम पर कई बार अस्थायी काम किया गया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

लोगों ने संबंधित विभाग से मार्ग की जल्द मरम्मत करवाने और मजबूत सड़क बनाने की मांग की है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह मार्ग क्षेत्र के महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है और इसकी खराब हालत का सीधा असर दैनिक आवागमन पर पड़ रहा है। विभाग की ओर से सड़क की स्थिति सुधारने का आश्वासन दिया गया है।

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में जम्मू-कश्मीर को जगह नहीं, अब कार्यकारिणी पर नजर

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में जम्मू-कश्मीर के नेताओं को इस बार प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से प्रदेश संगठन के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं में निराशा है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषित सूची में जम्मू-कश्मीर से किसी नेता को स्थान नहीं मिला है। अब पार्टी नेताओं की नजर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन पर टिक गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि कार्यकारिणी में प्रदेश से कम से कम तीन नेताओं को शामिल किया जा सकता है।

भाजपा की पिछली राष्ट्रीय टीम में जम्मू-कश्मीर से डॉ. नरेंद्र सिंह को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी मिली थी। ऐसे में इस बार भी प्रदेश के नेताओं को उम्मीद थी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में जम्मू-कश्मीर को प्रतिनिधित्व मिलेगा। पार्टी के भीतर कुछ वरिष्ठ नेताओं के नामों को लेकर चर्चा भी चल रही थी, लेकिन राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में स्थान नहीं मिलने के बाद अब कार्यकारिणी से उम्मीदें बढ़ गई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

यात्रा

मौसम सुहावना होने से श्रद्धालुओं को मिली राहत, घोड़ा-पिट्ठू और पालकी सेवाएं भी आसानी से उपलब्ध

ठंडी हवाओं और हल्की बारिश के बीच जारी मां वैष्णो देवी यात्रा, श्रद्धालुओं में उत्साह

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

मौसम सुहावना, श्रद्धालुओं ने उत्साह से पूरी की यात्रा

बरसात के मौसम और बदलते मौसम के बीच मंगलवार को श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा सुचारू रूप से जारी रही। हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए भवन की ओर बढ़ते नजर आए।

त्रिकूट पर्वत पर दिनभर बादलों का जमावड़ा रहा। बीच-बीच में हुई बारिश से मौसम ठंडा और सुहावना हो गया। यात्रा मार्ग पर चलने वाले श्रद्धालुओं को ठंडी हवाओं के कारण राहत भी महसूस हुई। मौसम खराब होने के बावजूद श्राइन बोर्ड और सुरक्षा दल लगातार यात्रा मार्ग पर निगरानी बनाए हुए हैं। यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा मार्ग को कुछ समय के लिए बंद किया गया, लेकिन स्थिति सामान्य होने पर इसे दोबारा शुरू कर दिया गया। श्रद्धालुओं के लिए घोड़ा-पिट्ठू और पालकी सेवाएं भी आसानी से उपलब्ध रहीं। प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मौसम पर प्रशासन की नजर

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी लगातार दुरुस्त रखी गईं। मौसम में बदलाव को देखते हुए सुरक्षा कर्मियों ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी। श्रद्धालुओं को सावधानी से यात्रा करने की सलाह दी गई। भवन की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। प्रशासन ने मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर जोर

श्राइन बोर्ड की ओर से यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। बारिश के कारण फिसलन वाले स्थानों पर कर्मचारियों को विशेष रूप से तैनात किया गया। श्रद्धालुओं को मौसम के अनुसार आवश्यक सावधानी बरतने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया। भवन की ओर पहुंच रहे श्रद्धालु दर्शन के लिए कतारबद्ध होकर आगे बढ़ते रहे। जयकारों से पूरा यात्रा मार्ग भक्तिमय नजर आया। प्रशासन ने मौसम में किसी भी संभावित बदलाव को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

यात्रा मार्ग पर अतिरिक्त तैनाती

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन ने मार्ग पर अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की है। बारिश के बीच कई स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया। कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं को फिसलन वाले स्थानों पर सावधानी से चलने की सलाह दी। मौसम अनुकूल होने पर यात्रा व्यवस्था सामान्य गति से चलती रही। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। भवन की ओर बढ़ते भक्तों में मां के दर्शन को लेकर उत्साह बना रहा।

बुधवार हमें बेहतर संवाद, सकारात्मक सोच और सही निर्णय की प्रेरणा देता है

अशोक सिहं गुलेरिया
स्वतंत्र लेखक

बुधवार सप्ताह का तीसरा दिन है। मंगलवार के बाद और गुरुवार से पहले आने वाला यह दिन सामान्य जीवन में विशेष महत्व रखता है। भारतीय परंपरा में बुधवार को बुद्धि, विवेक, वाणी, शिक्षा, गणना और व्यापार से जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार बुधवार के स्वामी बुध ग्रह माने जाते हैं। बुध को बुद्धि, तर्क, संचार, लेखन, अध्ययन और व्यावहारिक समझ का प्रतीक माना जाता है। इसलिए बहुत से लोग बुधवार को नई शिक्षा शुरू करने, ज्ञान प्राप्त करने और व्यापार से जुड़े कार्यों के लिए शुभ मानते हैं।

बुधवार का संबंध भगवान गणेश से भी जोड़ा जाता है। भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और शुभारंभ का देवता माना जाता है। अनेक लोग बुधवार के दिन गणेश जी की पूजा करते हैं और अपने जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। मान्यता है कि गणेश जी की आराधना करने से एकाग्रता बढ़ती है और व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की शक्ति मिलती है। विद्यार्थी विशेष रूप से बुधवार को पढ़ाई में सफलता और अच्छी स्मरण शक्ति के लिए प्रार्थना करते हैं।

बुधवार का दिन विद्यार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है बल्कि यह व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को विकसित करती है। बुधवार हमें यह संदेश देता है कि जीवन में सफलता पाने के लिए बुद्धि के साथ मेहनत और अनुशासन भी जरूरी है। विद्यार्थी यदि प्रतिदिन कुछ नया सीखने का प्रयास करें तो उनके ज्ञान का विस्तार होता है। पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बनाए रखना, समय का सही उपयोग करना और नियमित अभ्यास करना सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

व्यापार की दृष्टि से भी बुधवार को विशेष माना जाता है। बुध ग्रह का संबंध व्यापार और संचार से माना गया है। व्यापारी वर्ग इस दिन अपने कामकाज की समीक्षा कर सकता है और भविष्य की योजनाएं बना सकता है। किसी भी व्यवसाय में ग्राहकों से अच्छा व्यवहार, स्पष्ट बातचीत, सही हिसाब-किताब और समय पर निर्णय लेना बहुत आवश्यक होता है। ये सभी गुण बुध से जुड़ी विशेषताओं के रूप में देखे जाते हैं। इसलिए बुधवार को व्यावसायिक दृष्टि से भी उपयोगी दिन माना जाता है।

बुधवार हमें अपनी वाणी के महत्व को समझने का अवसर देता है। हमारे शब्द किसी व्यक्ति को उत्साहित भी कर सकते हैं और दुखी भी कर सकते हैं। इसलिए हमेशा सोच-समझकर बोलना चाहिए। मधुर और विनम्र भाषा रिश्तों को मजबूत बनाती है। परिवार, समाज और कार्यस्थल पर अच्छे संवाद से अनेक समस्याओं का समाधान आसानी से किया जा सकता है। गलतफहमी अक्सर स्पष्ट बातचीत के अभाव में पैदा होती है। इसलिए बुधवार को बेहतर संवाद और सकारात्मक सोच का दिन भी माना जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। बुधवार की विशेषता मुख्य रूप से बुद्धि और विवेक से जुड़ी है। कई लोग इस दिन हरे रंग को शुभ मानते हैं। कुछ श्रद्धालु बुधवार को भगवान गणेश की पूजा करते हैं और जरूरतमंदों की सहायता करते हैं। धार्मिक मान्यताएं व्यक्तिगत आस्था का विषय हैं, लेकिन इनके माध्यम से समाज में सेवा, संयम और सकारात्मक व्यवहार जैसी अच्छी भावनाओं को बढ़ावा मिलता है।

आधुनिक जीवन में बुधवार सप्ताह के बीच का दिन भी है। सोमवार से शुरू हुए कामों के बीच बुधवार व्यक्ति को अपनी प्रगति देखने का अवसर देता है। इस दिन हम यह सोच सकते हैं कि सप्ताह की शुरुआत में जो लक्ष्य बनाए थे, उनमें से कितने पूरे हुए हैं और किन कार्यों पर अभी ध्यान देने की जरूरत है। इस तरह बुधवार आत्ममंथन और कार्यों की समीक्षा का अवसर बन सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सोशल मीडिया और मोबाइल की दुनिया से कुछ समय दूरी बनाना आज की बड़ी जरूरत

अर्पित गोतम
स्वतंत्र लेखक

आज आम जनमानस के लिए मोबाइल, सोशल मीडिया और अन्य गैजेट्स से तनावग्रस्त होने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में तकनीक के इस दौर में अब लोगों में सोशल मीडिया और गैजेट्स से डिजिटल व्रत करने का दौर शुरू हो गया है। देश-दुनिया में डिजिटल फास्टिंग अर्थात डिजिटल डिटॉक्स को लेकर व्यापक चर्चा होने लगी है। साथ ही कई स्थानों पर डिजिटल फास्टिंग को लेकर अभियान भी शुरू हुए हैं। लेकिन इसे व्यापक रूप देने के लिए समाज के हर वर्ग को डिजिटल फास्टिंग को लेकर अपने-अपने स्तर पर ही समय का नियोजन करना होगा, जिससे व्यक्ति अपने आपको मानसिक तनाव से मुक्त रख सकें।

एक दौर होता था जब दोस्त और परिवार के साथ बैठकर हम अक्सर समय बिताया करते थे, लेकिन अब उनके साथ होकर भी साथ नहीं होते हैं। आज के समय में अगर चार लोग एक साथ बैठे हैं तो सभी कहीं न कहीं अपने मोबाइल में ही व्यस्त नजर आते हैं। यहां तक कि टीवी देखते समय भी हमारा ध्यान सबसे अधिक अपने मोबाइल में ही होता है। अब सभी के लिए एक-दूसरे के साथ समय व्यतीत करने से ज्यादा जरूरी सोशल मीडिया को स्क्रॉल करना हो गया है। हम सभी इस लत के शिकार हो गए हैं और इससे निजात पाने के लिए डिजिटल फास्टिंग करना बेहद जरूरी हो गया है। चाहे बच्चे हों या बुजुर्ग अथवा फिर युवा पीढ़ी, सभी के लिए एक ही हल है डिजिटल व्रत, जिसे करने के लिए आपको गैजेट्स से एक दिन का आराम लेना होगा।

जिस प्रकार पुराने जमाने में लोग एक दिन का व्रत रखते थे, जिसका कारण शरीर की मशीनरी को एक दिन के लिए आराम देना और शरीर को शुद्ध करना था, ठीक उसी प्रकार डिजिटल फास्टिंग है। लेकिन इसमें अंतर यह है कि आपको अपने मन को शांति देने और गैजेट्स को चौबीस घंटे इस्तेमाल करने की लत को दूर करने के लिए इसे अपनाना जरूरी है। हर किसी को सप्ताह में एक दिन निश्चित करना होगा कि वह उस दिन डिजिटल फास्टिंग पर है और फोन, टैबलेट या लैपटॉप का पूरा दिन इस्तेमाल नहीं करेगा। अथवा हर रोज कुछ निश्चित घंटों के लिए फोन, टैबलेट या लैपटॉप का प्रयोग नहीं करेगा।

ऐसा जब हम नियमित रूप से करेंगे तो इससे हमारे पारिवारिक रिश्तों, दोस्तों और परिवार के साथ मजबूत संबंध बनाने की दिशा में सहायता मिलेगी। इसके साथ हमारी मानसिक स्थिति भी अच्छी होगी। साथ ही शरीर में नई ऊर्जा का संचार होगा। डिजिटल व्रत का उद्देश्य तकनीक का पूरी तरह विरोध करना नहीं है, बल्कि उसके संतुलित और सीमित उपयोग की आदत विकसित करना है। जरूरी कामों के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन अनावश्यक रूप से लगातार स्क्रीन देखते रहने की आदत से दूरी बनाना जरूरी है।

आज के समय में युवाओं का अधिकांश समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यतीत होना एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। कई लोग इस हद तक इसके आदी हो चुके हैं कि वे दिन के आठ से नौ घंटे तक मोबाइल और अन्य गैजेट्स का उपयोग करते रहते हैं। इसका सीधा प्रभाव उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ता है। लंबे समय तक स्क्रीन पर रहने से आंखों पर दबाव, नींद की कमी और एकाग्रता में गिरावट जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। साथ ही व्यक्ति के व्यवहार में चिड़चिड़ापन और तनाव भी बढ़ने लगता है।

ऐसी स्थिति में डिजिटल व्रत एक उपयोगी समाधान हो सकता है। इसके अंतर्गत व्यक्ति कुछ समय के लिए सोशल मीडिया और अनावश्यक डिजिटल गतिविधियों से दूरी बनाकर अपने समय का सदुपयोग करता है। इस दौरान परिवार के साथ बैठना, दोस्तों से बातचीत करना, पुस्तक पढ़ना, प्रकृति के बीच समय बिताना अथवा अपनी रुचि की गतिविधियों में शामिल होना मानसिक शांति प्रदान कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

आंदोलनों से डरे लोग

पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक और कारोबारी रामदेव ने शिक्षा व्यवस्था में आई गड़बड़ी और परीक्षाओं के पर्चे लीक होने को लेकर चिंता जताई थी। कई चैनलों के माइक के सामने बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा था—सुधर जाओ, वरना मैं आंदोलन करूंगा। उन्होंने यह भी कहा था कि देश में बहुत से घपले हैं। लेकिन फिर न जाने कैसे उन्होंने अपने ही बयान पर शीर्षासन करते हुए अब कहा है कि देश का बचपन खतरे में है, इसलिए इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा यही है। कुछ लोग बचपन का इस्तेमाल आंदोलन में कर रहे हैं। यदि देश का बच्चा प्राथमिक स्कूल में पढ़ रहा है और आप उसको आंदोलन में धकेल देंगे तो बच्चा पढ़ेगा कब? उसको पता ही नहीं कि आंदोलन क्या होता है। लेकिन आपने उसको आंदोलन में धकेल दिया कि जाओ, तुम भी थाने का घेराव करो, सड़कों पर उतर जाओ, डीएम-एडीएम का घेराव करो। छोटे बच्चों को आंदोलन में नहीं धकेलना चाहिए। ऐसा पूरी दुनिया में कहीं नहीं होता।

रामदेव ने यह भी कहा है कि देश में अराजक आंदोलन नहीं होना चाहिए, लेकिन संवैधानिक, लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित आंदोलन होने चाहिए। आंदोलन के नाम पर अराजकता नहीं होनी चाहिए। देश की शिक्षा और चिकित्सा को लेकर गहरे प्रश्न हैं और उनका समाधान होना चाहिए। रामदेव ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है कि वह देश की व्यवस्था बदल सके। इसके लिए तीन स्तर पर जागरूकता चाहिए—सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की जागरूकता चाहिए।

पाठक जानते हैं कि योग शिविर लगाते-लगाते रामदेव की गिनती देश के दिग्गज कारोबारियों में होने लगी है। देश-विदेश में उनका पतंजलि आयुर्वेद का बड़ा कारोबार फैला हुआ है। इसलिए वे सुविधाजनक तरीके से अपने बयान से पलटते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं। लेकिन इस बार उन्होंने जो कुछ कहा है, उस पर गौर करना जरूरी है। रामदेव कट्टर मोदी समर्थक माने जाते रहे हैं। अन्ना आंदोलन के बाद उनका भी आंदोलन यूपीए सरकार के खिलाफ हुआ था और पुलिस कार्रवाई होने पर उन्होंने सलवार पहनकर भागने की कोशिश भी की थी। बहरहाल, यूपीए सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर सत्ता से हटाने के लिए खुलकर आंदोलन करने और दूसरे आंदोलनों का समर्थन करने वाले रामदेव अब ज्ञान दे रहे हैं कि आंदोलन कैसे होने चाहिए और कैसे नहीं।

आंदोलन की मुखालफत करने वाले रामदेव यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने जरा सी भी अराजकता नहीं दिखाई, बल्कि बेहद अनुशासित तरीके से अपनी मांगें सामने रखी थीं। यदि कोई आंदोलन संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सामने रखता है तो उसे केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता कि उसमें युवा या विद्यार्थी भी शामिल हैं। असली सवाल यह होना चाहिए कि उनकी मांगें क्या हैं और सरकार उन मांगों पर क्या जवाब देती है।

मोदी सरकार इस समय जेन जी और जेन अल्फा के मुखर होने के कारण घिर ही चुकी है, तो रामदेव कह रहे हैं कि देश में व्यवस्था बदलना किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य की बात नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर उन्हें खुलकर नरेंद्र मोदी से कहना चाहिए कि फ्रेंड्स के लिए रील बनाने से लेकर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और नोटबंदी की घोषणा तक सारे काम आप ही क्यों करते हैं, अपने मंत्रियों को काम करने क्यों नहीं कहते।

रामदेव ने बड़ी चालाकी से सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर की बात कही, लेकिन सरकारी शब्द मुंह से नहीं निकला। जबकि शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार का पहला जिम्मा लोककल्याणकारी सरकार का ही बनता है। अगर जिम्मेदारी निभाई नहीं जाती तो फिर सत्ता पर बैठे लोगों को हट जाना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। इसलिए आंदोलन को केवल अराजकता के नजरिए से देखना उचित नहीं होगा।

और जहां तक उन्हें इस बात पर आपत्ति है कि बच्चों को पढ़ना चाहिए और आंदोलन में उनका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो फिर रामदेव यह भी बता दें कि क्या देश के अधिकतर सरकारी स्कूल इस हाल में हैं कि वहां बच्चे बिना किसी दिक्कत के पढ़ सकें। बच्चों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलीं, तभी तो कई जगहों पर उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यदि शिक्षा व्यवस्था बेहतर होगी, स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक होंगे, जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी और परीक्षाओं की व्यवस्था पारदर्शी होगी तो बच्चों और युवाओं को आंदोलन की जरूरत ही क्यों महसूस होगी?

असल सवाल आंदोलन का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसके खिलाफ लोगों को आवाज उठाने की जरूरत पड़ती है। सरकार, प्रशासन और समाज तीनों की जिम्मेदारी है कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि युवाओं की लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के बजाय उनकी शिकायतों को सुना जाए। शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी सवालों पर गंभीर बहस और जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

-शिवांश धाकड़

कविता

'मच्छर'

राकेश डोगरा, गांव कौना
तहसील पालमपुर।

बरसात की बेला आई,
मच्छर ने फिर ली अंगड़ाई।
इधर-उधर से उड़कर आया,
भनभन करता गीत सुनाया।
कान के पास आकर बोले,
नींद तुम्हारी आज न खोले।
चुपके से वह पास है आता,
मौका पाकर खून चूस जाता।
सोया क्यों है जाग रे प्राणी, मच्छर की है चाल पुरानी।
छोटा है पर बड़ा सताता, रातों की नींद दूर भगाता।
डेंगू और मलेरिया लाता, कई तरह की पीड़ा देता।
गंदे पानी में पलता-बढ़ता,
मौसम पाकर खूब ही बढ़ता।
कभी हाथ पर, कभी है पैर,
मच्छर करता अपना फेर।
घर में घुसकर शोर मचाता, भनभन करके हमें जगाता।
मच्छरदानी का करो सहारा, रखो घर-आंगन साफ हमारा।
कहीं पानी जमा न होने दो,
मच्छरों को बढ़ने न होने दो।
दरवाजों पर जाली लगाओ,
रात को शरीर ढककर सो जाओ।
आसपास की सफाई रखो, स्वस्थ रहने की ठानी रखो।
छोटा जीव समझकर मत टालो, इससे बचने का उपाय निकालो।
सावधानी ही सच्ची ढाल, इससे होगा जीवन खुशहाल।
जागो प्राणी, बात समझो,
मच्छर से हरदम सावधान रहो।
स्वच्छ रहेगा घर और आंगन,
खुशहाल रहेगा सारा जीवन।

प्लास्टिक कचरे और पेड़ों की कटाई से बिगड़ रहा पर्यावरण, अब जागने की जरूरत

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

हिमाचल प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण बनाए रखने के लिए एनजीटी आगे आई है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार को पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाने की हिदायत दी है। खड्डों, नालों और नदियों में बहाए जा रहे कूड़े-कचरे को लेकर एनजीटी ने अब सख्त रुख अपनाया है। हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने के बावजूद आजकल जिस तरह प्रचंड गर्मी पड़ रही है, वह चिंता का विषय है। मौसम विभाग के अनुसार आठ जिलों में आने वाले दिनों में गर्म लू चलने के प्रबल आसार बताए गए हैं। बड़ी हैरानी की बात है कि पहाड़ी राज्य में इस बार गर्मी का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार करने जा रहा है। आम आदमी का जनजीवन इस तपिश में अस्त-व्यस्त है।

प्रचंड गर्मी से बचाव के लिए लोग हजारों रुपये खर्च करके एयर कंडीशनर खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं, मगर पेड़ लगाने के लिए लोगों की रुचि दिन-प्रतिदिन घटती जा रही है। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा भी स्वास्थ्य के लिहाज से हमेशा लाभकारी नहीं मानी जाती। हरे-भरे पेड़ों से चलने वाली हवाओं से व्यक्ति इस तपिश से प्राकृतिक राहत पा सकता है। प्रदेश सरकार ने अब सरकारी कार्यालयों में पानी की प्लास्टिक बोतलों पर प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई है। हिमाचल प्रदेश में अचानक पिछले कुछ वर्षों में गर्मी का तापमान क्यों बढ़ा, यह मंथन का विषय है। सरकारें ही गंभीर विषयों पर चिंतन करें, ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों को भी इंसान होने का अपना फर्ज निभाना चाहिए।

पशु भी जमीन पर बैठने से पहले अपनी पूंछ से उस जमीन को साफ करके अपनी समझदारी का सबूत देता है। आजकल का इंसान क्या पशुओं से भी बदतर बनता जा रहा है, जो इधर-उधर प्लास्टिक का सूखा कचरा फेंककर अपनी नासमझी का सबूत दे रहा है? प्लास्टिक की पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, चाय और कॉफी के कप लोग इस्तेमाल करने के बाद सरेआम सड़कों, गलियों और बस स्टॉप पर फेंकना अपनी रोजमर्रा की आदत बना चुके हैं। सरकार ने स्वच्छता अभियान केवल मीडिया में वाहवाही लूटने के लिए नहीं चला रखा है। लोगों में सूखे कचरे से होने वाले नुकसान को लेकर सामाजिक जागरूकता बढ़े, इसलिए यह अभियान चलाया गया है।

स्वच्छता अभियान के तहत गांव स्तर पर कूड़ेदान रखे गए, मगर लोग इनमें सूखा कूड़ा डालने की बजाय उल्टा उनका मजाक बनाने में लगे हुए हैं। नतीजन ऐसे कूड़ेदान सिर्फ शोपीस बनकर रह चुके हैं। कंपनियों का कूड़ा-कचरा भी खड्डों और नालों में फेंककर पर्यावरण को दूषित बनाता जा रहा है। बढ़ता वायु प्रदूषण दिनोंदिन मानवता के लिए बहुत बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। आसमान में उड़ते कचरे और धूल के कणों से इंसान स्वच्छ वायु भी बराबर नहीं ले पा रहा है। दूषित वायु प्रदूषण की वजह से आजकल लोग कई तरह की बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। मौसम की एलर्जी, चमड़ी रोग, खांसी, दमा, हृदय रोग और शुष्क त्वचा की समस्या से लोग आहत हैं।

सर्दियों में खासकर लोग कूड़े-कचरे के ढेरों को आग लगाकर शरीर को तपिश देने की कोशिश करते हैं। ऐसे कचरे के ढेरों से उठने वाला धुआं भी वातावरण को विषैला बनाने का काम करता है। डीजल जनरेटर का धुआं और एयर कंडीशनर प्लांट की गर्म हवा भी पर्यावरण को प्रभावित कर रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

शिक्षा से समाजसेवा तक पहचान

सुधा मूर्ति
जन्म : 19 अगस्त 1950

प्रसिद्ध लेखिका, समाजसेवी और शिक्षाविद् **सुधा मूर्ति** का जन्म **19 अगस्त 1950** को कर्नाटक के शिग्गांव में हुआ था। हर वर्ष 19 अगस्त को उनका जन्मदिन मनाया जाता है। साधारण परिवार में जन्म लेने वाली सुधा मूर्ति ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सादगी के बल पर देश और दुनिया में विशेष पहचान बनाई। बचपन से ही उन्हें पढ़ाई और साहित्य में गहरी रुचि थी। उन्होंने अपनी शिक्षा कर्नाटक में पूरी की और आगे चलकर इंजीनियरिंग तथा कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त की।

सुधा मूर्ति का जीवन संघर्ष, अनुशासन और सामाजिक सेवा की प्रेरणादायक कहानी है। अपने कार्यक्षेत्र में उन्होंने कई ऐसी रूढ़ियों को चुनौती दी, जिनके कारण उस समय महिलाओं के लिए तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ना कठिन माना जाता था। वे भारत की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस की सामाजिक पहल से भी लंबे समय तक जुड़ी रहीं और समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास तथा महिला सशक्तीकरण से जुड़े अनेक कार्यों में योगदान दिया।

साहित्य के क्षेत्र में भी सुधा मूर्ति ने महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उन्होंने बच्चों और बड़ों के लिए अनेक लोकप्रिय पुस्तकें लिखी हैं। उनकी रचनाओं में सरल भाषा के माध्यम से जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों, रिश्तों, ईमानदारी, करुणा और मानवता का संदेश मिलता है। उनकी लेखन शैली सहज और प्रभावशाली है, जिसके कारण उनकी किताबें अलग-अलग आयु वर्ग के पाठकों के बीच लोकप्रिय हुई हैं।

सुधा मूर्ति को उनके सामाजिक और साहित्यिक योगदान के लिए अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2023 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनका व्यक्तित्व आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जन्मदिन के अवसर पर उनके प्रशंसक उनके साहित्यिक योगदान, सामाजिक सेवा और सादगीपूर्ण जीवन को याद करते हैं। सुधा मूर्ति ने यह साबित किया है कि ज्ञान, संवेदनशीलता और निरंतर मेहनत के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

बढ़ती खेती लागत के बीच मक्की की फसल में कीड़े का प्रकोप किसानों के लिए नई चुनौती

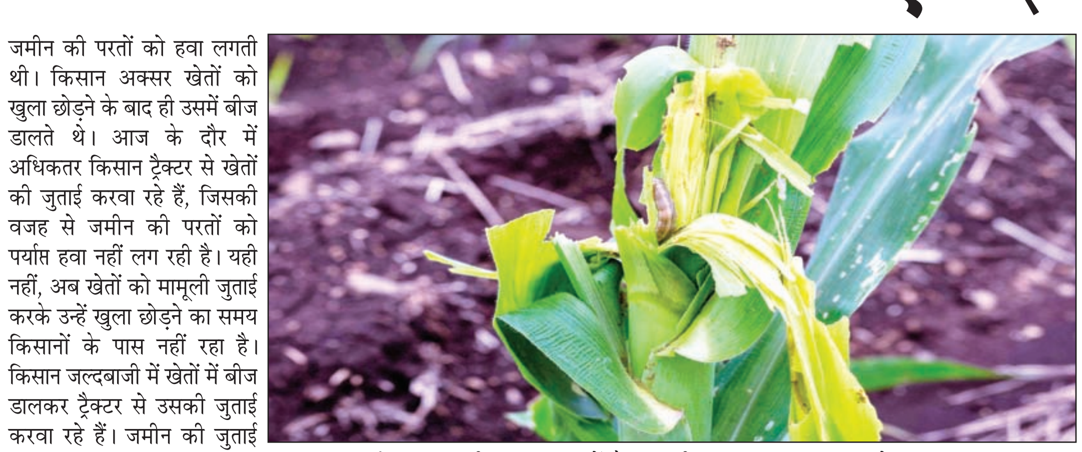

धनी राम
स्वतंत्र लेखक

किसान हमेशा कभी फसल बीमा योजना की ठगी तो कभी प्राकृतिक आपदाओं की मार से जूझता ही रहा है। आजकल के दौर में खेतीबाड़ी किया जाना बहुत ही खर्चीला बनता जा रहा है। कुल मिलाकर कहा जाए तो किसान खेतीबाड़ी पर जितना खर्च कर रहा है, उतनी उपज नहीं निकल पा रही है। हिमाचल प्रदेश के किसानों की अपनी अलग ही किस्म की समस्याएं हैं। जंगली जानवर, सुअर और बंदर अक्सर फसलों को तहस-नहस करके किसानों की आशाओं पर पानी फेरकर चले जाते हैं। हिमाचल प्रदेश के कुछेक इलाकों में किसानों ने जंगली जानवरों की वजह से खेतीबाड़ी किए जाने से अपना मन फेर लिया है। कुछेक गांवों में इस बार मक्की को अजीब किस्म का कीड़ा लग चुका है। मक्की के पत्तों को यह कीड़ा अंदर से काटता जा रहा है, जिसके चलते किसानों के चेहरों से रौनक गायब होती जा रही है। एक तो मौसम की बेरुखी, ऊपर से मक्की की फसल में इस तरह का कीड़ा लगना किसानों की आशाओं पर भारी पड़ रहा है।

कृषि विभाग के अधिकारी गांवों में जाकर मक्की की फसल में लगे कीड़ों की जांच करके किसानों को इससे छुटकारा पाने के लिए कई टिप्स दे रहे हैं। मगर ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में ऐसे मामले और अधिक भी बढ़ सकते हैं। मक्की की फसल में इस तरह का कीड़ा लगने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। समय पर बारिश न होने की वजह से पर्यावरण अक्सर शुष्क रहता आ रहा है। मक्की की टहनियां जो गुच्छे की तरह बनी होती हैं, उनमें पर्याप्त नमी न पहुंचने के कारण भी उक्त कीड़े तैयार हो सकते हैं। यही नहीं, खेतों में आंखें बंद करके अत्यधिक उर्वरक और कीटनाशक स्प्रे किए जाने की वजह से जमीनें बंजर बन रही हैं और उनमें उपजाऊ शक्ति कम होती जा रही है।

पहले बैलों से हल द्वारा खेतों की जुताई किए जाने से जमीन की परतों को हवा लगती थी। किसान अक्सर खेतों को खुला छोड़ने के बाद ही उसमें बीज डालते थे। आज के दौर में अधिकतर किसान ट्रैक्टर से खेतों की जुताई करवा रहे हैं, जिसकी वजह से जमीन की परतों को पर्याप्त हवा नहीं लग रही है। यही नहीं, अब खेतों को मामूली जुताई करके उन्हें खुला छोड़ने का समय किसानों के पास नहीं रहा है। किसान जल्दबाजी में खेतों में बीज डालकर ट्रैक्टर से उसकी जुताई करवा रहे हैं। जमीन की जुताई पहले की भांति ठीक न होने की वजह से जमीन के अंदर नमी खत्म हो रही है और उक्त कीड़े तैयार हो रहे हैं, इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

बरसात के दिनों में अक्सर कीड़े-मकोड़े जमीन के अंदर से बाहर निकल आते हैं। बाहर अत्यधिक गर्मी होने की वजह से भी वे अक्सर ठंडी जगहों की तरफ भागते हैं। जमीनों में लगातार डाले जा रहे रसायनों की वजह से उनकी उपजाऊ शक्ति में कितनी कमी आई है, यह परखने का अब समय है। खेतों में जमीन की परतें उठाकर ही किसान अब ऐसी कई समस्याओं से बच सकते हैं। मिट्टी की जांच करवाकर उसके अनुसार ही उर्वरक और कीटनाशकों का इस्तेमाल किया जाए तो जमीन की सेहत को भी बेहतर रखा जा सकता है और फसल को नुकसान से बचाने में भी मदद मिल सकती है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के चलते ट्रैक्टर से जुताई अब बहुत अधिक महंगी हो गई है। रसायन और कीटनाशक दवाओं के दाम भी आजकल आसमान छू रहे हैं। प्रचंड गर्मी में मक्की की निदाई करने के बाद किसानों को यह पता चले कि उनकी मक्की की फसल में अब कीड़ा लग चुका है तो यह उनके लिए किसी आघात से कम नहीं हो सकता है। किसान पहले ही महंगे बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और जुताई का खर्च उठा रहे हैं। ऐसे में फसल में बीमारी या कीड़ा लगने से उनकी पूरी मेहनत और लागत पर संकट खड़ा हो जाता है।

बरसात शुरू होने के बावजूद भी मानसून इस बार कमजोर है। किसान धान की बिजाई के लिए इंद्र देवता से मेघ बरसाने की प्रार्थना कर रहे हैं। किसान और बागवान अपनी फसलों की पैदावार को लेकर चिंतित हैं। मौसम की बेरुखी ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। कभी अत्यधिक बारिश, कभी सूखा और कभी अचानक तापमान में बदलाव फसलों पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। ऐसे में किसानों के लिए खेतीबाड़ी करना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

हिमाचल प्रदेश में खेती केवल किसान की आजीविका का साधन ही नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार भी है। यदि किसान की फसल खराब होती है तो उसका असर पूरे ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए किसानों की समस्याओं को केवल व्यक्तिगत समस्या मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। मक्की की फसल में लग रहे कीड़ों की समय रहते पहचान और रोकथाम जरूरी है। कृषि विभाग को गांव-गांव जाकर किसानों को उचित जानकारी देनी चाहिए और विशेषज्ञों के माध्यम से फसल का निरीक्षण करवाना चाहिए। राज्य सरकार को मक्की की फसल में लग रहे कीड़ों की रोकथाम के लिए अवश्य फोकस करना चाहिए। किसानों को सही कीटनाशक, उसके उचित प्रयोग और फसल की देखभाल के बारे में समय पर जानकारी मिलनी चाहिए। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने, रासायनिक खाद और कीटनाशकों के संतुलित इस्तेमाल तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी ध्यान देना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

सरकारी जमीन पर बने धार्मिक परिसर पर कार्रवाई, छह बुलडोजरों ने दो घंटे में ढहाया हिस्सा

एजेंसी, सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में मंगलवार सुबह 59 साल पुराने मस्जिद-मदरसे के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। पिपरा रामलाल गांव में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद-मदरसे के आधे से अधिक हिस्से को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब सात बजे एसडीएम के नेतृत्व में पांच थानों के लगभग 100 पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। प्रशासन की टीम छह बुलडोजर लेकर पहुंची थी। करीब दो घंटे तक चली कार्रवाई में इमारत के बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों और सपा कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। मौके पर तनाव की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। प्रशासन की ओर से सरकारी जमीन पर निर्माण को लेकर यह कार्रवाई की गई है। अधिकारियों की मौजूदगी में अभियान जारी रहा।

मुरादाबाद कमिश्नर का पद छोड़ छुट्टी पर गए आन्जनेय सिंह, अब अगला कदम क्या?

एजेंसी, लखनऊ। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आन्जनेय सिंह की उत्तर प्रदेश में प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी हो चुकी है। उन्होंने मुरादाबाद मंडलायुक्त का कार्यभार मुरादाबाद के जिलाधिकारी को सौंप दिया है और फिलहाल अवकाश पर चले गए हैं। सिक्किम कैडर से यूपी आने के बाद उनकी प्रतिनियुक्ति कई बार बढ़ाई गई। केंद्र सरकार ने नियमों में ढील देते हुए उन्हें लगातार अवसर दिए। अब सबसे बड़ा सवाल है कि क्या उन्हें एक बार फिर उत्तर प्रदेश में सेवा विस्तार मिलेगा? आन्जनेय सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार के भरोसेमंद अधिकारियों में माना जाता है। उनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक फैसले हुए। सपा नेता आजम खान के खिलाफ हुई प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान भी वह चर्चा में रहे। यही वजह है कि उनकी नियुक्ति और सेवा विस्तार को लेकर लगातार राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा होती रही है।

काशी मेरे लिए शक्ति का केंद्र है, बाबा विश्वनाथ के दर्शन से मिलती है शक्ति मनोज तिवारी

एजेंसी, वाराणसी। सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी ने मंगलवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि काशी उनके लिए शक्ति का केंद्र है। बाबा विश्वनाथ के दर्शन से उन्हें नई ऊर्जा और शक्ति मिलती है। उन्होंने बाबा से अपने परिवार के साथ देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मनोज तिवारी ने कहा कि काशी से उनका गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव है, इसलिए वह यहां बार-बार आना पसंद करते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पुराने साथियों के बुलावे पर काशी पहुंचे हैं और शाम को एक आयोजन में शामिल होंगे। उन्होंने मां गंगा के दर्शन-पूजन की भी इच्छा जताई। सांसद ने कहा कि सावन माह में भी उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए थे।

नगर निगम और पुलिस टीम पर हमला करने वाले चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में नगर निगम और पुलिस टीम पर पथराव व उपनिरीक्षक पर चेन से हमला करने के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। मंगलवार को पुलिस ने चार और आरोपितों को गिरफ्तार किया। इससे अब तक गिरफ्तार आरोपितों की संख्या छह हो गई है। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी कमलेश दीक्षित ने बताया कि रिहायशी इलाकों और सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से भैंसें बांधकर डेयरी संचालित की जा रही थीं। 16 अगस्त को इन्हें हटाने पहुंची टीम पर हमला किया गया था। उपनिरीक्षक विनय पटेल पर चेन से वार किया गया, जिससे वह घायल हो गए। मंगलवार को संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 200 अवैध रूप से रखी भैंसों को हटाकर अपने कब्जे में लिया।

जनता दर्शन में महिला की फरियाद सुनकर योगी का आदेश, रास्ता दिलाओ या अधिकारियों को करो निलंबित

रास्ते की समस्या पर योगी ने लेखपाल, कानूनगो और तहसीलदार को निलंबित करने के दिए निर्देश

एजेंसी, गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि संबंधी मामलों में लापरवाही और शिकायतों के निस्तारण में देरी करने वाले अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने दबंगों द्वारा रास्ता रोकने की शिकायत मुख्यमंत्री के सामने रखी। महिला ने बताया कि दबंग उसे रास्ता देने से इनकार कर रहे हैं और शिकायत करने पर धमकी देते हैं कि जहां जाना हो, चली जाए। महिला की पीड़ा सुनकर मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि महिला को हर हाल में रास्ता दिलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि लेखपाल, कानूनगो और तहसीलदार रास्ता दिलाने में खुद को असमर्थ मानते हैं तो इन सभी को निलंबित किया जाए। मुख्यमंत्री के इस निर्देश के बाद अधिकारियों को भूमि विवादों के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भूमि संबंधी मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां शिकायतों के निस्तारण में जानबूझकर देरी या उदासीनता सामने आए, वहां संबंधित कर्मचारी और अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई करने में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को अपने हाथ में लेकर शिकायतों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोगों ने जमीन और राजस्व से जुड़े मामलों में अधिकारियों की ओर से लापरवाही किए जाने की शिकायत भी की। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की जांच कराकर पात्र लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और किसी भी पीड़ित को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार इलाज में हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद और पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं, ताकि उन्हें सरकारी और संबद्ध अस्पतालों में उपचार की सुविधा मिल सके।

पीएफ-पेंशन का हिसाब होगा आसान ईपीएफओ पोर्टल पर नया कैलकुलेटर शुरू

एजेंसी, वाराणसी

पीएफ-पेंशन का हिसाब अब आसान, ईपीएफओ पोर्टल पर नई सुविधा शुरू

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्यों के लिए पोर्टल में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। लंबे समय तक बंद रहने के बाद ईपीएफओ पोर्टल दोबारा खुल गया है। अब इसमें नया कैलकुलेटर जोड़ा गया है, जिसकी मदद से कर्मचारी रिटायरमेंट के समय मिलने वाली पीएफ और पेंशन राशि का अनुमान लगा सकेंगे। हालांकि, पेंशन से जुड़े कुछ हिस्सों को अभी अद्यतन किया जा रहा है।

ईपीएफओ पोर्टल को दो प्रमुख हिस्सों में व्यवस्थित किया गया है। एक हिस्से में कर्मचारी अपने प्रोफाइल की जानकारी देख और आवश्यक विवरण अपडेट कर सकते हैं। दूसरे हिस्से में पासबुक की सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से सदस्य अपने पीएफ खाते में जमा राशि और उससे संबंधित विवरण की जानकारी हासिल कर सकते हैं। नए कैलकुलेटर को पोर्टल के मेनू सेक्शन में शामिल किया गया है। कर्मचारी अपनी जानकारी दर्ज करने के बाद रिटायरमेंट के दौरान मिलने वाली संभावित राशि का अनुमान लगा सकते हैं। इससे कर्मचारियों को भविष्य की आर्थिक योजना बनाने में मदद मिल सकती है। ईपीएफओ की पासबुक देखने के लिए सदस्य को अपने यूएएन और पासवर्ड के साथ कैप्चा दर्ज करना होगा। लॉगिन करने के बाद मुख्य पासबुक पोर्टल खुलता है। इसके मेनू में सबसे नीचे कैलकुलेटर का विकल्प उपलब्ध कराया गया है।

पोर्टल में किए गए इस बदलाव से कर्मचारी अपनी अब तक की पीएफ बचत और भविष्य में मिलने वाले संभावित लाभ को समझ सकेंगे। पेंशन संबंधी जानकारी को अभी अपडेट किया जा रहा है, इसलिए कैलकुलेटर से मिलने वाले आंकड़े अनुमानित माने जाने चाहिए। इससे कर्मचारियों को रिटायरमेंट की आर्थिक योजना बनाने और भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाने में सुविधा होगी।

यूपी में मूसलाधार बारिश से हाहाकार लखनऊ समेत 30 शहरों में बरसे बादल

एजेंसी, लखनऊ

बारिश बनी आफत, काशी में मंदिरों के आसपास भरा पानी, बदली अंतिम संस्कार व्यवस्था।

उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते मंगलवार को कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। तड़के करीब तीन बजे से लखनऊ, सहारनपुर, प्रतापगढ़ और संभल समेत प्रदेश के करीब 30 शहरों में रुक-रुककर बारिश हुई। लगातार बादल छाए रहने से कई इलाकों में सुबह के समय अंधेरा छाया रहा।

बारिश के कारण कई शहरों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। जलभराव की वजह से थाने और अस्पताल परिसर तक पानी पहुंच गया। निचले इलाकों में लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह सड़कें पानी में डूबने से यातायात प्रभावित हुआ। वाराणसी में भी बारिश का असर देखने को मिला।

काशी के कुछ मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में पानी भर गया। वहीं, मणिकर्णिका घाट पर जलस्तर बढ़ने के कारण अंतिम संस्कार की व्यवस्था में बदलाव करना पड़ा।

पुलिस मुठभेड़ में एक घायल सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। देवमई नहर पुलिया के पास हुई कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि भागने का प्रयास कर रहे उसके दो साथियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपितों को चोरी और अन्य आपराधिक मामलों में वांछित बताया है। बकेवर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम देर रात क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान देवमई नहर पुलिया के पास पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में रफीक पुत्र सफीक निवासी कछेवरा, थाना जहानाबाद के बाएं पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, पुलिस ने घेराबंदी कर नसीम पुत्र सत्तार उर्फ भुल्ली और जावेद पुत्र नफीस, दोनों निवासी तेजानगर, थाना जहानाबाद को गिरफ्तार कर लिया।

महोबा में बैंक पार्टनरशिप के नाम पर 35 लाख की ठगी, जमीन हड़पने का भी आरोप

एजेंसी, महोबा

उत्तर प्रदेश के महोबा में लोन दिलाने और निजी बैंक में पार्टनरशिप का झांसा देकर 35 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने रकम हड़पने के साथ उसकी पत्नी की जमीन भी धोखे से अपने पक्ष में करा ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के कालीपहाड़ी गांव निवासी मनोज कुमार उपाध्याय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी और पत्नी ऊषा की तबीयत खराब रहती थी। इसी दौरान उन्होंने अपने दोस्त सतीश कुमार चौरसिया से मदद मांगी। सतीश ने उनकी मुलाकात हसीन खां से कराई। आरोप है कि हसीन ने ऊषा के नाम सात लाख रुपये का बैंक लोन कराया। मनोज ने लोन की पूरी किस्त चुका दी।

इसके बाद हसीन ने भरोसा जीतकर अपने बैंक में पार्टनर बनाने के नाम पर 20 लाख रुपये मांगे। पीड़ित के अनुसार उन्होंने 14 लाख रुपये खाते में भेजे और छह लाख रुपये नकद दिए। आरोप है कि बाद में पत्नी की जमीन को रहननामा कराने के बजाय धोखे से इकरारनामा करा लिया गया।

लखनऊ में अवैध डेयरियों पर कार्रवाई के दौरान बवाल, दरोगा पर जंजीर से हमला

एजेंसी, लखनऊ

पारा क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम पर हमला किए जाने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कार्रवाई के दौरान दरोगा पर लोहे की जंजीर से हमला करने और टीम पर पथराव का आरोप है। मामले में पुलिस ने नामजद और अज्ञात समेत कुल 24 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दो आरोपी महिलाओं खुशबू और आफरीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, नगर निगम की टीम पारा क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाने पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए टीम पर हमला कर दिया। पथराव और मारपीट में पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया गया। दरोगा पर लोहे की जंजीर से हमला करने का आरोप सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान शुरू कर दी।

मामले में फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। नगर निगम की कैटल कैचर टीम पर हमले के बाद मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ अभियान चलाया गया। तीन थानों की पुलिस फोर्स और एक कंपनी पीएसी को मौके पर तैनात किया गया। जवान हेलमेट और बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर पहुंचे। सुरक्षा के बीच नगर निगम की टीम ने पारा क्षेत्र के चार मोहल्लों में कार्रवाई करते हुए करीब 200 भैंसें पकड़ लीं।

अलीगढ़ में असम की महिला की हत्या का राज खुला, प्रेमी ही निकला हत्यारा

एजेंसी, अलीगढ़

अलीगढ़ में प्रेमी ने शक के चलते असम निवासी प्रेमिका की हत्या कर शव गोशाला में फेंका।

इगलास थाना क्षेत्र में असम निवासी महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने ही महिला की ईंट से कुचलकर हत्या की थी। इसके बाद शव को गोशाला में फेंक दिया था। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच लंबे समय से दोस्ती थी और बाद में शादी की बात भी तय हुई थी। इसी दौरान महिला किसी दूसरे युवक से बातचीत करने लगी। आरोपी को इस बात पर शक हुआ और दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। शादी से इनकार को लेकर भी दोनों में मतभेद बढ़ गए।

पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान महिला ने आरोपी को थप्पड़ मार दिया। इससे नाराज आरोपी ने आपा खो दिया और ईंट से हमला कर महिला की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए गोशाला में फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और संदिग्धों से पूछताछ की।

जांच के दौरान महिला के प्रेमी पर पुलिस का शक गहराया। पूछताछ में उसके द्वारा हत्या की बात स्वीकार करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल ईंट समेत अन्य साक्ष्यों की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सरस्वती शिशु मंदिर में दो नए कक्षों का लोकार्पण, नवीन भवन के लिए हुआ भूमि पूजन

एजेंसी, लखनऊ। सरस्वती शिशु मंदिर अर्जुनगंज में मंगलवार को विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कर आधारशिला रखी गई। साथ ही दो नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण भी किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने अगले एक वर्ष में सीबीएसई की मान्यता हासिल कर इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं शुरू करने का लक्ष्य रखा है। विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि विद्या भारती द्वारा संचालित यह विद्यालय पिछले 28 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। वर्ष 2022 से पहले विद्यालय में केवल चार कक्ष और 30-35 विद्यार्थी थे। वर्तमान में विद्यालय में 16 कक्ष हैं और 422 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। वर्ष 2023 से विद्यालय के विस्तार की गति तेज हुई।

नवीन भवन का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से कराया जा रहा है। विद्यालय में सीबीएसई पैटर्न के अनुरूप पढ़ाई के साथ संस्कृत और सनातन शिक्षा पर भी विशेष जोर दिया जाता है। विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए स्मार्ट कक्षाएं, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर शिक्षा और खेलकूद की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मनोज, विद्या भारती के संगठन मंत्री हेमचंद्र, प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। विद्यालय परिसर को हरित और स्वच्छ रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 23 फरवरी 2026 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यालय का दौरा कर 15 कंप्यूटर प्रदान किए थे। विद्यालय प्रबंधन अब आधुनिक शिक्षा और संस्कारों के समन्वय से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

किड्स बैकर्स में शॉर्ट सर्किट से आग, 10 लाख का बेकरी का सामान जलकर राख

एजेंसी, जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पुलिस लाइन के सामने स्थित किड्स बैकर्स में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग इतनी तेजी से फैली कि बेकरी में रखा करीब 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बेकरी के मालिक जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे अचानक बिजली का तार जलकर नीचे गिर गया। इसके बाद दुकान में आग लग गई। घटना के समय बेकरी के अंदर तीन लोग मौजूद थे। आग लगते ही कर्मचारियों ने तत्काल दुकान में रखे अग्निशमन यंत्र की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन प्लास्टिक का सामान अधिक मात्रा में होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। कर्मचारियों के प्रयास के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका। कुछ ही देर में आग ने बेकरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। इससे वहां रखा खाद्य पदार्थ, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान जल गया।

दुकानदार ने कहा कि यदि दमकल की टीम कुछ और जल्दी पहुंचती तो नुकसान को कम किया जा सकता था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आरपी राय ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों को मौके पर भेजा गया था। टीम ने आग पर नियंत्रण पा लिया। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। आग लगने से बेकरी में रखा खाद्य सामान, पैकिंग सामग्री और अन्य वस्तुएं जलकर राख हो गईं।

तस्करी रोल्पा से अफीम लेकर भारत आ रही थी नेपाली महिला, सीमा पर दबोची गई

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई, ढाई किलो अफीम के साथ नेपाली महिला गिरफ्तार

एजेंसी, बहराइच

भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक नेपाली महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पास से ढाई किलो अफीम बरामद हुई है। पूछताछ के बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसे महिला को यह अफीम रुपईडीहा में पहुंचानी थी।

जानकारी के अनुसार, नेपाल के रोल्पा जिले से महिला को एक तस्कर ने ढाई किलो अफीम दी थी। उसे यह मादक पदार्थ भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद रुपईडीहा में किसी व्यक्ति को सौंपना था। महिला अफीम लेकर भारत आने के लिए सीमा पर लगी कतार में शामिल थी। इसी दौरान जांच कर रही एसएसबी और पुलिस टीम की नजर उसके सामान पर पड़ी। एसएसबी के कमांडेंट गिरीश चंद्र पांडेय के अनुसार, सीमा पर आने-जाने वाले लोगों की नियमित जांच की जा रही थी। इसी दौरान महिला के पास मौजूद एक बैग कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। बैग का वजन सामान्य से अधिक लगने पर जवानों ने उसकी जांच करने का निर्णय लिया। तलाशी के दौरान बैग से मादक पदार्थ बरामद हुआ। जांच में इसकी पहचान अफीम के रूप में हुई। इसके बाद महिला को तत्काल हिरासत में ले लिया गया।

बरामद अफीम को कब्जे में लेकर सीज कर दिया गया। बरामद मादक पदार्थ की मात्रा करीब ढाई किलो बताई गई है। महिला से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि वह नेपाल के रोल्पा जिले से अफीम लेकर भारत पहुंची थी। उसे यह अफीम रुपईडीहा में किसी व्यक्ति को देनी थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि महिला को अफीम किस तस्कर ने उपलब्ध कराई थी और भारत में इसे प्राप्त करने वाला व्यक्ति कौन है।

जांच एजेंसियां महिला के संपर्क में रहे लोगों और उसके मोबाइल फोन से संबंधित जानकारी भी खंगाल सकती हैं। इसके अलावा यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या वह पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रही है या पहली बार किसी तस्करी गिरोह के संपर्क में आई थी। पुलिस ने बरामद अफीम को कब्जे में लेकर महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आगे भी जारी रहेगी।

भारत-नेपाल सीमा पर रुपईडीहा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से लगातार निगरानी और जांच की जाती है। सीमा पर आने-जाने वाले लोगों के सामान की जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाती है। इसी सतर्कता के चलते महिला के बैग की जांच की गई और अफीम बरामद हो सकी। पुलिस और एसएसबी की इस कार्रवाई के बाद तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। मामले में गिरफ्तार महिला से पूछताछ के आधार पर पुलिस को तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

पीआरडी जवानों को योगी की बड़ी सौगात, 600 रुपए होगा ड्यूटी भत्ता

एजेंसी, गोरखपुर

पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी ने कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया।

पीआरडी जवानों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सौगात दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने दैनिक ड्यूटी भत्ता 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने का ऐलान किया। इसके साथ ही पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की योजना भी शुरू की गई।

योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड वितरित कर मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत प्रदेश के 31 हजार से अधिक पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को सरकारी तथा सरकार से संबद्ध अस्पतालों में हर वर्ष पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। इससे अनुमानित रूप से एक लाख 55 हजार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 1948 में गठित पीआरडी के स्वयंसेवकों को वर्ष 2019 तक केवल 250 रुपये दैनिक ड्यूटी भत्ता मिलता था। वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 375 रुपये, 2022 में 395 रुपये और 2025 में 500 रुपये किया गया। अब इसमें 100 रुपये की और बढ़ोतरी करते हुए इसे 600 रुपये प्रतिदिन किया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, महाकुंभ, दीपोत्सव, रंगोत्सव, यातायात व्यवस्था और चुनाव ड्यूटी सहित विभिन्न कार्यों में पीआरडी जवान पुलिस और प्रशासन का सहयोग करते हैं। उन्होंने जवानों के अनुशासन, समर्पण और सेवाभाव की सराहना की।

कार्यक्रम में पीआरडी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. सोमेंद्र तोमर ने बताया कि वर्ष 2017 से पहले विभाग का बजट केवल 23 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 543 करोड़ रुपये हो गया है। कार्यक्रम में दस स्वयंसेवकों को मुख्यमंत्री के हाथों कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी प्रदान किए गए। पीआरडी जवानों के लिए सरकार ने सुविधाएं बढ़ाकर उनके कल्याण और सम्मान को नई दिशा दी।

रेवाड़ी से राजस्थान के घिलौठ तक चलेगी सीधी इलेक्ट्रिक बस, यात्रियों को मिलेगा सस्ता और सुरक्षित सफर

एक महीने चलेगा ट्रायल, सफल रहा तो बढ़ाई जाएंगी बसों की संख्या

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

रेवाड़ी जिले से राजस्थान के घिलौठ औद्योगिक क्षेत्र तक आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। स्थानीय रोडवेज डिपो की ओर से रेवाड़ी से घिलौठ के लिए सीधी इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इस सेवा का पहले एक महीने तक परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण सफल रहने पर इस मार्ग पर बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

घिलौठ औद्योगिक क्षेत्र में रेवाड़ी और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग नौकरी और अन्य काम के लिए प्रतिदिन आवागमन करते हैं। अभी तक इस मार्ग पर सीधी और सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई यात्रियों को बीच रास्ते में बस बदलनी पड़ती थी, जिससे समय और किराया दोनों अधिक खर्च होते थे।

रोडवेज की ओर से घिलौठ औद्योगिक क्षेत्र तक बस सेवा शुरू करने के लिए मार्ग का सर्वे भी पूरा कर लिया गया है। अब योजना के अनुसार इलेक्ट्रिक बस का संचालन शुरू किया जाएगा। इससे नियमित रूप से घिलौठ जाने वाले नौकरीपेशा लोगों को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है।

नई बस सेवा को शुरुआत में परीक्षण के तौर पर संचालित किया जाएगा। करीब एक महीने तक यात्रियों की संख्या, मार्ग की उपयोगिता और बस संचालन से जुड़े अन्य पहलुओं का आकलन किया जाएगा। यदि सेवा यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होती है और पर्याप्त यात्री मिलते हैं तो भविष्य में इस मार्ग पर बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक सफर मिलने के साथ प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। डीजल से चलने वाली पारंपरिक बसों की तुलना में इलेक्ट्रिक बसें पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।

ऐसे में रेवाड़ी से घिलौठ के बीच यह सेवा शुरू होना सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सीधी बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्हें बीच रास्ते में वाहन बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे यात्रा का समय बचने के साथ रोजाना आने-जाने वाले लोगों की परेशानी भी कम होगी।

पानीपत रितु हत्याकांड में बड़ा फैसला पति समेत दो दोषियों को उम्रकैद

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

सौदापुर गांव में हुए रितु हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में पति शंकर और उसके साथी मोनू को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। दोनों पर जुर्माना भी लगाया गया है। मामले में डीएनए जांच, एफएसएल रिपोर्ट, चिकित्सकीय साक्ष्य और पुलिस जांच के दस्तावेज अहम साबित हुए।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) अमरदीप सिंह की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों और गवाहों की गवाही के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपितों को दोषी माना। अदालत के सामने डीएनए जांच की रिपोर्ट ने मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य और एफएसएल रिपोर्ट को भी अभियोजन पक्ष ने अहम आधार बनाया। मामला सौदापुर गांव में रितु की हत्या से जुड़ा है। आरोप था कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस जांच के दौरान मामले से जुड़े विभिन्न साक्ष्य जुटाए गए और उन्हें अदालत के सामने पेश किया गया। मेडिकल रिपोर्ट ने भी अभियोजन पक्ष के मामले को मजबूती दी।

सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान, पुलिस की जांच और वैज्ञानिक साक्ष्यों को अदालत ने ध्यान में रखा। डीएनए और एफएसएल रिपोर्ट जैसे वैज्ञानिक साक्ष्यों ने मामले की कड़ियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सभी साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने पति शंकर और उसके साथी मोनू को दोषी ठहराया। अदालत के फैसले के बाद दोनों दोषियों को उम्रकैद की सजा भुगतनी होगी। साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। इस फैसले को रितु हत्याकांड में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वैज्ञानिक और चिकित्सकीय साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपितों को दोषी साबित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

रेवाड़ी में 10 हजार से ज्यादा गैस कनेक्शन पर संकट, ई-केवाईसी नहीं तो सिलिंडर बंद

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले में घरेलू गैस कनेक्शन धारकों के लिए ई-केवाईसी कराना जरूरी हो गया है। 16 अगस्त को इसकी अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए समयसीमा बढ़ाकर 23 अगस्त कर दी है। इसके बावजूद जिले में आधे से अधिक कनेक्शन धारकों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है। जानकारी के अनुसार, जिले में करीब 10 हजार ऐसे गैस कनेक्शन हैं, जो मृत लोगों के नाम पर चल रहे हैं या एक ही परिवार में पति-पत्नी के नाम पर दो कनेक्शन हैं। ऐसे कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें बंद करने की तैयारी है। ई-केवाईसी नहीं कराने पर संबंधित कनेक्शन की ऑनलाइन बुकिंग बंद हो जाएगी। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर और सब्सिडी का लाभ भी नहीं मिलेगा। गैस कंपनियों का उद्देश्य फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाना है।

सोनीपत के महिला मेडिकल कॉलेज में दो इंटर्न से छेड़छाड़, छात्राओं ने दिया धरना

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज में दो महिला इंटर्न डॉक्टरों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि रात के अंधेरे में अलग-अलग समय पर दोनों छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की गई। घटना के बाद छात्राओं में रोष फैल गया और उन्होंने कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। छात्राओं का आरोप है कि घटना के बाद मदद के लिए अधिकारियों और पुलिस से संपर्क किया गया, लेकिन सहायता मिलने में काफी समय लगा। इससे नाराज छात्राएं मंगलवार को निदेशक कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गईं। उन्होंने आरोपित के खिलाफ उचित कार्रवाई करने और कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। छात्राओं ने कहा कि परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

हवलदार बनकर घर लौटने का था सपना, ट्रेनिंग पूरी होने से पहले शहीद हुए रवि प्रकाश

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरियाणा के चरखी दादरी निवासी सेना के जवान रवि प्रकाश बेंगलुरु में ट्रेनिंग के आखिरी दिन शहीद हो गए। मंगलवार सुबह वह ग्राउंड में फिजिकल एक्टिविटी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथी जवानों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रवि प्रकाश की ट्रेनिंग पूरी होने वाली थी और जल्द ही उन्हें हवलदार के पद पर पदोन्नत होना था। परिवार के अनुसार, उन्होंने हाल ही में वीडियो कॉल पर परिजनों से बात की थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि अब वह हवलदार बनकर घर लौटेंगे। परिवार को उनके जल्द घर आने की उम्मीद थी, लेकिन अचानक मिली शहादत की खबर से परिजनों में मातम पसर गया। गांव में भी शोक की लहर है। सेना और प्रशासन की ओर से अंतिम संस्कार संबंधी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

हड़ताल के बीच कर्मचारियों का प्रदर्शन नगर निगम कार्यालय पर जड़ा ताला

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल में अपनी मांगों को लेकर करीब दो सप्ताह से हड़ताल और धरना-प्रदर्शन कर रहे नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को आंदोलन तेज कर दिया। राज्य कमेटी के आह्वान पर कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया। इसके चलते करीब दो घंटे तक कार्यालय का कामकाज बंद रहा। कर्मचारियों के प्रदर्शन के कारण निगम कार्यालय में आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बुजुर्ग महिला की परेशानी समझी, दफ्तर छोड़ कार तक पहुंचे रोहतक एसडीएम

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

प्रशासनिक संवेदनशीलता की मिसाल रोहतक के लघु सचिवालय में देखने को मिली। 95 वर्षीय बीमार महिला सुरती देवी अपने बेटों को जमीन में हिस्सेदारी देने संबंधी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए लघु सचिवालय पहुंचीं थीं, लेकिन बीमारी और उम्र के कारण वह कार से उतरकर कार्यालय के अंदर जाने की स्थिति में नहीं थीं। महिला की परेशानी को देखते हुए, एसडीएम आशीष कुमार स्वयं पार्किंग में खड़ी उनकी कार तक पहुंचे और वहीं बैठकर उनके बयान दर्ज किए।

जमीन में बेटों को हिस्सेदारी देने की कार्रवाई के लिए सुरती देवी के बयान और तस्दीक जरूरी थी। महिला की शारीरिक स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने उन्हें कार्यालय तक लाने के बजाय खुद उनके पास जाकर प्रक्रिया पूरी करने का निर्णय लिया। एसडीएम ने कार में बैठकर बुजुर्ग महिला से बातचीत की और जमीन से जुड़े मामले की पूरी जानकारी ली।

कार में 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला के बयान लेते एसडीएम आशीष कुमार।

इसके बाद महिला की तस्दीक करवाई गई और आवश्यक प्रक्रिया के तहत उनका अंगूठा भी लगवाया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी की कार्यशैली देखकर वहां मौजूद लोगों ने उनकी सराहना की। इससे बुजुर्ग महिला को काफी सुविधा मिली।

नारनौल में मोस्ट वांटेड अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल।

नारनौल जिला सीआईए टीम ने सदर कनीना थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद हत्या के प्रयास के मामले में वांछित मोस्ट वांटेड आरोपी सोमवीर निवासी बाघोत को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसे कनीना अस्पताल से रोहतक पीजीआई रेफर किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फैजल खान ने बताया कि सीआईए टीम सतनाली मोड़ पर गश्त कर रही थी। सूचना मिली कि सोमवीर बिना नंबर प्लेट की अपाचे मोटरसाइकिल पर दोगड़ा की ओर जा रहा है और उसके पास अवैध हथियार है। पुलिस ने भालखी की ढाणी के पास नाकाबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने चेतावनी के बावजूद टीम पर फायरिंग कर दी। एक गोली पुलिस वाहन के साइड ग्लास पर लगी।

हिसार में गर्मी और उमस ने बढ़ाई परेशानी हरियाणा के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश हुई, जबकि कई इलाकों में तेज धूप और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। हिसार और आसपास के क्षेत्रों में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम में बदलाव के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

वहीं तीन जिलों में तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। सोमवार को यमुनानगर, करनाल और कुरुक्षेत्र में हल्की वर्षा दर्ज की गई। बारिश के बाद इन क्षेत्रों में मौसम कुछ ठंडा हुआ, लेकिन कई अन्य जिलों में धूप निकलने से तापमान बढ़ गया। हिसार में

दिनभर गर्मी और उमस का असर देखने को मिला। तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार हरियाणा के सभी जिलों में वर्षा होने की संभावना है। तीन जिलों में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश होने से तापमान में गिरावट आने और लोगों को उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वर्षा की कमी का असर मौसम पर भी दिखाई दे रहा है।

पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण कई क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। हिसार में तापमान का 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचना इसी बदलाव का संकेत है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। बारिश के साथ तेज हवाएं और उमस में बदलाव भी देखने को मिल सकता है। लोगों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

अस्पताल में चाकू-पेचकस से हमला करने वाला आरोपी मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिला नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दो युवकों पर चाकू और पेचकस से जानलेवा हमला करने के मामले में कैथल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद कैथल लाते समय असंध रोड पर मंडवाल माइनर के पास आरोपी ने पुलिस टीम से सरकारी पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी की पहचान गांव क्योड़क निवासी गोविंद के रूप में हुई है।

अस्पताल हमले का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, सरकारी पिस्टल छीनकर की थी फायरिंग।

पुलिस के अनुसार सोमवार को गोविंद अपने साथी के साथ जिला नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचा था। दोनों ने वहां मौजूद दो युवकों पर चाकू और पेचकस से हमला कर दिया। वारदात के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर अपराध जांच शाखा-1 और विशेष जासूसी इकाई की टीमें गठित की गईं।

पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी गोविंद को उत्तर प्रदेश के शामली जिले से गिरफ्तार किया। इसके बाद टीम उसे कैथल लेकर लौट रही थी। मंगलवार अलसुबह करीब तीन बजे मंडवाल माइनर के पास आरोपी ने पेशाब करने के बहाने पुलिस वाहन रुकवाया। नीचे उतरते ही उसने सीआईए-1 की टीम में तैनात एक पुलिसकर्मी की सरकारी पिस्टल छीन ली और पुलिसकर्मियों पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने करीब छह राउंड गोलियां चलाईं। इनमें एक गोली पुलिस वाहन में लगी, जबकि पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। सीआईए-1 प्रभारी जसवंत सिंह और एसआईयू के सहायक उपनिरीक्षक तरसेम ने आरोपी को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी और एक-एक हवाई फायर किया। चेतावनी के बावजूद आरोपी ने गोली चलाना जारी रखा।

इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसे काबू कर अस्पताल में भर्ती कराया। गोविंद के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, अपहरण और मारपीट सहित करीब छह मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके साथी की तलाश में दबिश दे रही है और हमले की वजह तथा अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

रोहतक में विवाहिता की संदिग्ध मौत पानी की टंकी से बरामद हुआ शव

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

सिटी थाना क्षेत्र में शादी के करीब आठ महीने बाद एक विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। विवाहिता चेतना का शव उसके ससुराल की छत पर बनी पानी की टंकी से बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। विवाहिता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

जिला झज्जर के माछरौली निवासी वीरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बेटी चेतना की शादी दिसंबर 2025 में रोहतक की विकास कालोनी निवासी मनीष पुत्र राजेंद्र के साथ की थी। परिवार के अनुसार शादी में उन्होंने अपनी क्षमता से अधिक दान-दहेज दिया था। इसके बावजूद शादी के कुछ समय बाद ही चेतना के ससुराल वाले उसे कम दहेज लाने को लेकर ताने देने लगे। वीरेंद्र के अनुसार पति मनीष, ससुर राजेंद्र और सास शीला देवी दहेज को लेकर चेतना के साथ मारपीट भी करते थे। आरोप है कि ससुराल पक्ष की ओर से कार की मांग की जा रही थी। उसे कहा जाता था कि यदि कार नहीं लाई तो इसी तरह मारपीट होती रहेगी।

परिवार का आरोप है कि बाद में चेतना की हत्या कर शव को घर की छत पर बनी पानी की टंकी में डाल दिया गया। घटना के बाद परिवार को कथित तौर पर बताया गया कि चेतना कहीं चली गई है। बाद में उसका शव पानी की टंकी से बरामद हुआ। पुलिस ने पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हत्या के कारणों और घटना में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत की परिस्थितियों को स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोनीपत: डीसीआरयूएसटी में एसडीई के निलंबन पर कर्मचारियों ने काम बंद कर किया प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विद्युत निगम के एसडीई के निलंबन को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया है। सोमवार को हुई बैठकों के बाद मंगलवार को कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया।

एसडीई निलंबन मामले में कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन।

कर्मचारी संगठनों के अनुसार मंगलवार सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक विश्वविद्यालय के कच्चे-पक्के कर्मचारी, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी, तकनीकी कर्मचारी, एचकेआरएनएल, सफाई कर्मचारी और डीसी दर कर्मचारी काम बंद रखेंगे। इस दौरान सभी कर्मचारी विश्वविद्यालय परिसर में एकत्रित हुए और एसडीई के निलंबन के फैसले के खिलाफ रोष जताया। दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय कर्मचारी यूनियन के प्रधान सुरेश कुमार ने कहा कि एसडीई को बिना ठोस आधार के निलंबित किया गया है।

उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई को तानाशाहीपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगे तो भविष्य में किसी अन्य कर्मचारी के साथ भी ऐसी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने निलंबन आदेश की समीक्षा और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। कर्मचारी संगठनों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के बाद वे जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। ज्ञापन के माध्यम से एसडीई के निलंबन प्रकरण की राज्य सरकार से स्वतंत्र और उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की जाएगी। कर्मचारियों का कहना है कि निष्पक्ष जांच से मामले की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई हो सकेगी।

शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कर्मचारियों का उद्देश्य किसी अधिकारी या विश्वविद्यालय प्रशासन का विरोध करना नहीं है। उनकी मांग केवल मामले की निष्पक्ष जांच कराने की है। यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी के साथ अन्याय हुआ है तो जांच के बाद उसे न्याय मिलना चाहिए।

रक्षाबंधन पर घर जाना मुश्किल, यूपी-बिहार जाने वाली ट्रेनों में सीटें फुल

दिल्ली से चलने वाली अधिकांश ट्रेनों में भी यात्रियों को आरक्षित सीटें नहीं मिल रहीं

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

रक्षाबंधन के त्योहार से पहले घर जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गुरुग्राम और दिल्ली से उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सीटें अभी से पूरी तरह भर चुकी हैं। कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों में आरक्षित सीटें उपलब्ध नहीं हैं और यात्रियों को वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा है। ऐसे में त्योहार पर अपने घर जाने की तैयारी कर रहे लोगों के सामने सफर को लेकर बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। यात्रियों को अब सामान्य डिब्बों में सफर करने या फिर बसों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

रक्षाबंधन के अवसर पर हर साल बड़ी संख्या में लोग दिल्ली-एनसीआर से उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल स्थित अपने पैतृक गांवों और शहरों की ओर जाते हैं। त्योहार से पहले ही ट्रेनों में बढ़ी भीड़ का असर आरक्षण व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल के लिए सीधी ट्रेनों की संख्या सीमित है। इसी कारण गुरुग्राम और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले बड़ी संख्या में यात्री दिल्ली रेलवे स्टेशन से अपना आरक्षण कराते हैं। इस बार दिल्ली से संचालित होने वाली अधिकतर ट्रेनों में भी सीटें भर चुकी हैं। त्योहार के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

लखनऊ, गोरखपुर, बिहार और बंगाल की ओर जाने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों में आरक्षण की स्थिति काफी पहले ही गंभीर हो चुकी है। जिन ट्रेनों में सामान्य दिनों में यात्रियों को आसानी से सीट मिल जाती थी, उनमें भी अब आरक्षित सीटें उपलब्ध नहीं हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग टिकट की स्थिति भी ऐसी है कि यात्रियों को टिकट मिलने की उम्मीद कम हो गई है। यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन परिवार के साथ मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौटते हैं। ऐसे में पहले से टिकट बुक नहीं कराने वाले यात्रियों के सामने परेशानी और बढ़ गई है। कुछ यात्रियों ने बताया कि उन्होंने समय रहते टिकट बुक कराने की कोशिश की, लेकिन त्योहार की भीड़ के कारण आरक्षण उपलब्ध नहीं हो पाया। अब उन्हें वैकल्पिक साधनों से यात्रा करने की योजना बनानी पड़ रही है।

गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल के लिए सीधी ट्रेनें कम होने के कारण यात्रियों का बड़ा वर्ग दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर निर्भर रहता है। गुरुग्राम से दिल्ली पहुंचकर वहां से ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों की संख्या त्योहार के दौरान और बढ़ जाती है। इससे दिल्ली की ट्रेनों में भी दबाव बढ़ जाता है। दिल्ली से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, बिहार और पश्चिम बंगाल के विभिन्न शहरों के लिए बड़ी संख्या में ट्रेनें संचालित होती हैं। इसके बावजूद रक्षाबंधन जैसे बड़े त्योहार पर यात्रियों की संख्या उपलब्ध सीटों की तुलना में काफी अधिक हो जाती है। यही वजह है कि कई ट्रेनों में आरक्षण की सुविधा पहले ही समाप्त हो चुकी है। आरक्षित टिकट नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में यात्री सामान्य डिब्बों का रुख कर सकते हैं। इससे त्योहार के दौरान सामान्य श्रेणी के डिब्बों में भीड़ बढ़ने की आशंका है।

लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सामान्य डिब्बों में सफर करना काफी मुश्किल हो सकता है। परिवार और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले लोगों की परेशानी और अधिक बढ़ सकती है। ऐसे यात्रियों के लिए बसें भी एक विकल्प हैं, लेकिन त्योहार के दौरान बसों में भी यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। कई लोग निजी वाहनों से घर जाने की तैयारी कर रहे हैं। विशेषकर गुरुग्राम से उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। ट्रेनों में आरक्षण नहीं मिलने से परेशान यात्रियों ने रेलवे से त्योहार के दौरान विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की है। यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन को देखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने घर पहुंचने का अवसर मिल सके।

अमेरिका से डिपोर्ट होकर दिल्ली पहुंचा शक्ति सिंह, यमुनानगर पुलिस ने एयरपोर्ट से पकड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

फेसबुक पर जातिसूचक गालियां देने, समाज में घृणा फैलाने वाले वीडियो पोस्ट करने और रंगदारी मांगने के आरोपित कलेसर निवासी शक्ति सिंह को यमुनानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा। आरोपित लंबे समय से विदेश में रह रहा था और वहीं से फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करता था। उसके खिलाफ पुलिस ने लुक आउट सर्कुलर जारी कराया था। जानकारी के अनुसार शक्ति सिंह अमेरिका में रह रहा था। अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद जब वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा तो वहां तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस उसे यमुनानगर लेकर आई और मामले में पूछताछ शुरू की।

पुलिस के अनुसार शक्ति सिंह के खिलाफ प्रतापनगर और बूड़िया थानों में वर्ष 2021 के दौरान तीन मामले दर्ज किए गए थे। इनमें रंगदारी मांगने और इंटरनेट मीडिया पर जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप शामिल हैं। आरोपित पर जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी फेसबुक वीडियो के माध्यम से आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी करने के आरोप हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि दमोपुरा की निवर्तमान सरपंच के पति बलराम को भी शक्ति सिंह ने फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से फोन किया था। आरोप है कि उसने उनसे 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। सात मई की रात करीब 12 बजे उनके फेसबुक मैसेंजर पर कॉल आई थी। इसके बाद कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई। पुलिस अब आरोपित से उसके विदेश में रहने के दौरान की गतिविधियों और इंटरनेट मीडिया पर किए गए पोस्ट के संबंध में पूछताछ कर रही है।

साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे और रंगदारी मांगने के मामलों में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। शक्ति सिंह की गिरफ्तारी को यमुनानगर पुलिस की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस अब उसके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों की जांच को आगे बढ़ाने के साथ उसके इंटरनेट मीडिया खातों से जुड़ी गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है। पूछताछ के दौरान पुलिस आरोपित के इंटरनेट मीडिया खातों की भी जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विदेश में रहते हुए वह किन लोगों के संपर्क में था और रंगदारी के मामलों में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए दिल्ली में बढ़ेंगे आधुनिक आवास

गुलाबी बाग, कल्याणवास और बहापुर में बनेंगे आधुनिक सरकारी आवासीय परिसर

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। दिल्ली सरकार पुराने और जर्जर सरकारी आवासीय परिसरों का पुनर्विकास कर आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए आवासीय परिसर तैयार करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग, पूर्वी दिल्ली के कल्याणवास और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के बहापुर में तीन प्रमुख परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को बेहतर आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी जमीन का अधिक प्रभावी उपयोग करना है। परियोजनाओं के तहत पुराने सरकारी भवनों को हटाकर आधुनिक और ऊंची इमारतों वाले आवासीय परिसर विकसित किए जाएंगे। गुलाबी बाग और कल्याणवास की परियोजनाओं में सरकारी आवास के साथ आम लोगों के लिए भी कुछ आवास और व्यावसायिक स्थान विकसित किए जाने की योजना है।

गुलाबी बाग में सबसे बड़ी परियोजना : गुलाबी बाग में करीब 70 एकड़ क्षेत्र में फैले पुराने सरकारी आवासीय परिसर का पुनर्विकास किया जाएगा। यह क्षेत्र मेट्रो स्टेशन के नजदीक होने के कारण परिवहन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परियोजना को परिवहन केंद्रित विकास नीति के तहत विकसित करने की योजना है।

यहां कुल निर्माण क्षेत्र का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा आवासीय और 10 प्रतिशत हिस्सा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रखा जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए दूसरे, तीसरे और चौथे श्रेणी के आवास बनाए जाएंगे। इसके अलावा निजी खरीदारों के लिए भी कुछ आवास तैयार किए जाएंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में दुकानें, कार्यालय और अन्य सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं।

कल्याणवास में भी आधुनिक परिसर : पूर्वी दिल्ली के कल्याणवास में लगभग 32 एकड़ भूमि पर आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना है। यहां भी करीब 90 प्रतिशत क्षेत्र आवासीय और 10 प्रतिशत क्षेत्र व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रखा जाएगा। परियोजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास तैयार करने के साथ कुछ आवास आम लोगों को भी उपलब्ध कराने की योजना है।

गुलाबी बाग और कल्याणवास दोनों परियोजनाओं से होने वाली आय का इस्तेमाल निर्माण कार्य की लागत निकालने में किया जाएगा। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के बहापुर में करीब चार एकड़ भूमि पर अलग आवासीय परिसर तैयार किया जाएगा। इस परियोजना में मुख्य रूप से सरकारी अधिकारियों के लिए आवास बनाए जाएंगे।

डूसू चुनाव पर सख्ती, नियम तोड़ने वाले प्रत्याशियों पर गिरेगी कार्रवाई की गाज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। चुनावी गतिविधियों के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले प्रत्याशियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रत्याशी का नामांकन रद किया जा सकता है। गंभीर स्थिति में पूरे चुनाव को रद करने की कार्रवाई भी संभव है।

सोमवार को प्राक्टर कार्यालय में प्राक्टर, मुख्य चुनाव अधिकारी, डूसू पदाधिकारियों, विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में चुनाव प्रचार के दौरान व्यवस्था बनाए रखने और नियमों के पालन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए।

उच्च न्यायालय और लिंगदोह समिति के निर्देशों का पालन जरूरी : प्राक्टर ने कहा कि पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों के बावजूद कुछ छात्र दिल्ली उच्च न्यायालय और लिंगदोह समिति के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान लक्जरी वाहनों का इस्तेमाल और छात्र मार्ग तथा विश्वविद्यालय मार्ग पर अनधिकृत पार्किंग से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है।

बिना अधिकृत स्टीकर वाहन को प्रवेश नहीं : प्रशासन के अनुसार चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के वाहनों पर प्राक्टर कार्यालय की ओर से अधिकृत स्टीकर लगाया जाएगा। बिना स्टीकर वाले वाहनों को विश्वविद्यालय परिसर या महाविद्यालयों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्याशी सड़क के दोनों ओर या फुटपाथ पर वाहन खड़ा नहीं कर सकेंगे। वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित स्थानों पर ही करनी होगी।

नशीले पदार्थ मिलने पर कार्रवाई: चुनाव प्रचार के दौरान शराब और अन्य नशीले पदार्थों के इस्तेमाल पर भी सख्ती रहेगी। किसी प्रत्याशी या उसके समर्थक के वाहन में अथवा परिसर की पार्किंग और सड़क किनारे नशीले पदार्थों का सेवन करते पाए जाने पर संबंधित प्रत्याशी का नामांकन रद किया जा सकता है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना में अपात्रों पर कसा शिकंजा, सहायता संग राशि वसूलने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत लाभ लेने वाली महिलाओं के लिए नियमों को लेकर सख्ती बरती गई है। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार यदि कोई लाभार्थी किसी भी चरण में अपात्र पाया जाता है तो उसकी आर्थिक सहायता तत्काल रोक दी जाएगी। इसके साथ ही पहले जारी की गई राशि की वसूली भी की जाएगी। धोखाधड़ी सामने आने पर संबंधित लाभार्थी के खिलाफ कानूनी या प्रशासनिक कार्रवाई का भी प्रविधान है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार योजना एक अगस्त से प्रभावी हो चुकी है। इसके तहत दिल्ली में कम आय वाले परिवारों की 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना के लिए आवेदन पूरे वर्ष पोर्टल के माध्यम से किए जा सकेंगे।

योजना में प्रत्येक महीने की अंतिम तारीख उस महीने प्राप्त आवेदनों की कटऑफ तारीख होगी। आवेदनों की जांच के बाद पात्र पाए जाने वाली महिलाओं को मंजूरी मिलने पर अगले महीने से सहायता का लाभ दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी स्तर पर लाभार्थी अपात्र पाई जाती है तो उसकी सहायता तुरंत बंद कर दी जाएगी। पहले भुगतान की गई राशि की वसूली भी की जा सकती है। यदि जांच में धोखाधड़ी या गलत जानकारी देकर लाभ लेने की पुष्टि होती है तो कानूनी या प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

लाभार्थी की मृत्यु होने की स्थिति में उसके सीबीडीसी वालेट में राशि का भुगतान रोक दिया जाएगा। आरडी खाते में जमा राशि और उससे प्राप्त ब्याज कानूनी उत्तराधिकारी को हस्तांतरित किया जाएगा। यदि मृत्यु के दो वर्ष के भीतर राशि का दावा नहीं किया जाता है तो वह सरकारी खाते में वापस चली जाएगी।

राजा गार्डन की डूसिब जमीन पर टेंडर से पहले उठे गंभीर सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के राजा गार्डन में दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की बेशकीमती जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। करीब दो-दो एकड़ क्षेत्रफल वाले पांच भूखंडों पर पुराने लाइसेंसी द्वारा बनाए गए मैरिज होम के ढांचे लाइसेंस अवधि समाप्त होने के बाद भी हटाए नहीं गए हैं। वहीं विभाग नई निविदा प्रक्रिया की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार इन पांच भूखंडों को दो वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस शुल्क के आधार पर दिया गया था। संबंधित कंपनी का लाइसेंस जून में समाप्त हो चुका है। इसके बाद कंपनी ने ढांचे हटाने के बजाय दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया और नई निविदा जारी होने तक साइट पर बने रहने की अनुमति मांगी।

डूसिब ने अदालत में कहा था कि नई निविदा निष्पक्ष तरीके से तभी कराई जा सकती है, जब पुराने लाइसेंसी के सभी ढांचे हटाकर जमीन विभाग को खाली हालत में सौंप दी जाए।

बताया गया कि हाई कोर्ट की एकल पीठ ने कंपनी को राहत देने से इनकार करते हुए ढांचे हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। इसके बाद कंपनी ने खंडपीठ का रुख किया, लेकिन वहां से भी उसे राहत नहीं मिली।

अब सवाल यह है कि अदालत की ओर से दी गई समय सीमा के बावजूद ढांचे क्यों नहीं हटाए गए और साइट खाली कराए बिना नई निविदा प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ रही है। इससे डूसिब अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

डूसिब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अदालत द्वारा ढांचे हटाने के लिए दी गई समय सीमा 18 अगस्त को समाप्त हो रही है।

जेपी नड्डा की एम्स में एंजियोप्लास्टी उपचार के बाद स्वास्थ्य स्थिति बताई गई स्थिर

बेचैनी की शिकायत के बाद भर्ती हुए नड्डा, एंजियोप्लास्टी के बाद हालत स्थिर

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित एम्स में एंजियोप्लास्टी की गई। अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उन्हें फिलहाल हृदय रोग विभाग में निगरानी के लिए रखा गया है।

एम्स के अनुसार नड्डा का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में जारी है। अस्पताल ने उनकी एंजियोप्लास्टी से संबंधित विस्तृत चिकित्सकीय जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई गई है और चिकित्सक उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर रहे हैं।

जेपी नड्डा को 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने उनकी प्रारंभिक जांच की। इसके बाद उनके स्वास्थ्य की स्थिति का पता लगाने के लिए कोरोनरी एंजियोग्राफी सहित कई आवश्यक चिकित्सकीय जांच की गई थीं।

जांच के बाद उन्हें हृदय रोग विभाग में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। चिकित्सकों की निगरानी के दौरान आगे की चिकित्सा प्रक्रिया को लेकर निर्णय लिया गया और 17 अगस्त को उनकी एंजियोप्लास्टी की गई।

एम्स की 18 अगस्त को जारी जानकारी में बताया गया कि एंजियोप्लास्टी के बाद नड्डा की हालत स्थिर है। उन्हें अभी अस्पताल से छुट्टी नहीं दी गई है और हृदय रोग विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है।

अस्पताल की ओर से फिलहाल उनके स्वास्थ्य को लेकर किसी तरह की गंभीर चिंता की जानकारी नहीं दी गई है। चिकित्सक उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकतानुसार उपचार कर रहे हैं।

जेपी नड्डा केंद्र सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं। उनके एम्स में भर्ती होने और एंजियोप्लास्टी की खबर सामने आने के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर लोगों में स्वाभाविक रूप से चिंता देखी गई।

बोली खुलते ही दस्तावेज बदलने पर रोक, निविदा नियमों पर पीडब्ल्यूडी सख्त

एजेंसी, फरीदाबाद

लोक निर्माण विभाग ने निविदा प्रक्रिया में बोली खुलने के बाद नए या संशोधित दस्तावेज जमा करने की अनुमति पर सख्ती से रोक लगा दी है। विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिया है कि निविदाओं के मूल्यांकन के दौरान निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए।

विभाग की ओर से 17 अगस्त को जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि 11 मई 2026 के आदेश के तहत 21 नवंबर 2025 को जारी पूर्व कार्यालय ज्ञापन वापस लिया जा चुका है। पुराने आदेश में पात्रता या तकनीकी बोली खुलने के बाद आवश्यकता पड़ने पर नए अथवा संशोधित दस्तावेज जमा करने और स्पष्टीकरण मांगने की गुंजाइश थी।

विभाग ने कहा कि कुछ बोली खोलने वाले अधिकारियों और मूल्यांकन अधिकारियों द्वारा अब भी रद किए जा चुके पुराने आदेश का हवाला देकर बोली खुलने के बाद दस्तावेज जमा करने की अनुमति दी जा रही है। इसे निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत बताया गया है।

नए निर्देश के अनुसार 11 मई 2026 के कार्यालय ज्ञापन के बाद बोली खुलने के पश्चात नए या संशोधित दस्तावेज जमा करने की जो छूट दी गई थी, उसे वापस ले लिया गया है। अब निविदाओं का मूल्यांकन निर्धारित मूल नियमों के अनुसार ही किया जाएगा।

विभाग ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्य नियमावली 2024 और 28 अगस्त 2024 के कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित निविदा मूल्यांकन प्रक्रिया को फिर से लागू किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निविदाओं की जांच करते समय दस्तावेजों और पात्रता संबंधी शर्तों का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाए।

लोक निर्माण विभाग के इस फैसले का उद्देश्य निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित करना है।

मानसिक विकारों से बचाव की शुरुआती पहचान पर विशेषज्ञों का जोर

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में करीब 10 से 12 प्रतिशत आबादी किसी न किसी मानसिक विकार से प्रभावित है, जबकि इससे कहीं अधिक लोग तनाव और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर स्थिति बनने के बाद उपचार तक सीमित रखने के बजाय समय रहते पहचान, जांच और परामर्श को स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। पूर्व इहबास प्रमुख एवं पैसिफिक वनहेल्थ में मनोचिकित्सा एवं मानसिक स्वास्थ्य निदेशक प्रो. डॉ. निमेष जी. देसाई ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक व्यापक विषय है, जिसमें रोजमर्रा के तनाव से लेकर गंभीर मानसिक विकार तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआती स्तर पर समस्याओं की पहचान जरूरी है। डॉ. दीपक राजेहा ने तनाव, चिंता और अवसाद पर समाज में खुलकर बातचीत बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

सफाईकर्मी की हत्या पर बवाल, आप विधायक हिरासत में; मुआवजे की मांग पर प्रदर्शन तेज

एजेंसी, नई दिल्ली

कल्याणपुरी इलाके में रविवार को सफाई कर्मचारी अनिल की हत्या के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक के परिवार और आम आदमी पार्टी के कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने एलबीएस अस्पताल में धरना दिया। परिजनों ने दिल्ली सरकार से एक करोड़ रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। पुलिस ने हत्या के आरोपित को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन परिवार शव लेने और अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार नहीं हुआ।

मंगलवार सुबह पुलिस ने विधायक कुलदीप कुमार को हिरासत में ले लिया। इसके बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने विधायक को तत्काल रिहा करने की मांग की।

विधायक कुलदीप कुमार ने अपने इंटरनेट मीडिया खाते पर पोस्ट कर दावा किया कि पुलिस मृत सफाई कर्मचारी का शव लेकर उसके घर पहुंच गई थी, लेकिन परिवार ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। परिवार की मांग है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उनसे मुलाकात करें और एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस मृत कर्मचारी के परिवार पर अंतिम संस्कार करने के लिए दबाव बना रही थी। उन्होंने एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में दावा किया कि मंगलवार तड़के करीब चार बजे सादे कपड़ों में लगभग 20 पुलिसकर्मी पहुंचे और विधायक कुलदीप कुमार को अपने साथ ले गए। भारद्वाज के अनुसार विधायक मृतक सफाई कर्मचारी के परिवार के लिए मुआवजे और अन्य मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे। दिल्ली पुलिस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

बस्तर पीड़ितों ने चिदंबरम के बयान पर कांग्रेस को घेरा

बस्तर पीड़ितों ने नक्सली विचारधारा के समर्थन पर कांग्रेस से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

नक्सली हिंसा में अपनों को खोने और हमलों में गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग हुए बस्तर के पीड़ितों ने पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी. चिदंबरम के कथित 'दिमागी नक्सल' संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित बस्तर शांति समिति की पत्रकार वार्ता में पीड़ितों ने कहा कि जिन परिवारों ने नक्सली हिंसा की गोलियां और बारूदी सुरंगों का दर्द झेला है, उनके सामने नक्सली विचारधारा के प्रति सहानुभूति जताना उनके घावों को फिर से कुरेदने जैसा है।

पीड़ितों ने चिदंबरम के इंटरनेट मीडिया पर दिए गए बयानों और उनके पुराने वक्तव्यों के आधार पर कांग्रेस की तत्कालीन सरकार के रुख पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि दिल्ली में बैठकर नक्सलवाद पर राजनीतिक चर्चा करना आसान है, लेकिन बस्तर के जंगलों में रहने वाले लोगों ने इसकी वास्तविक कीमत अपनी जान, परिवार और शरीर गंवाकर चुकाई है।

अब दिमागी नक्सलवाद के खिलाफ भी लड़ाई जरूरी : बस्तर शांति समिति से जुड़े लोगों ने कहा कि हथियारबंद नक्सलवाद का प्रभाव काफी हद तक समाप्त हो चुका है, लेकिन नक्सली विचारधारा और हिंसा को सही ठहराने वाली मानसिकता के खिलाफ भी लड़ाई जरूरी है। पीड़ितों ने कहा कि नक्सली हिंसा ने केवल सुरक्षा बलों को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि आम ग्रामीणों, किसानों और आदिवासी परिवारों का जीवन भी प्रभावित किया।

कांकेर निवासी गौतरीराम विश्वकर्मा ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि वर्ष 2009 में नक्सलियों ने उनका अपहरण किया था और उन्हें गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। सियाराम रामटेके ने बताया कि वर्ष 2022 में नक्सली हमले में घायल होने के बाद आज भी उन्हें व्हीलचेयर और वाकर के सहारे चलना पड़ता है।

ताड़मेटला हमले का भी किया उल्लेख : पत्रकार वार्ता में वर्ष 2010 के ताड़मेटला हमले का भी उल्लेख किया गया। समिति ने कहा कि उस हमले में 76 जवानों की शहादत हुई थी। बलिदानी आरक्षक मोहन उडके की पत्नी आरती उडके, घायल जवान अमर सिंह कुमेटी और अन्य पीड़ितों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

घायल जवान रुद्रेश सिंह का उदाहरण देते हुए बताया गया कि नक्सली हमले में उनके दोनों पैर काटने पड़े। पीड़ितों ने कहा कि ऐसी घटनाओं को केवल राजनीतिक या वैचारिक बहस तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इनके पीछे हजारों परिवारों का दर्द जुड़ा हुआ है।

बस्तर अब शांति और विकास चाहता है : समिति ने कहा कि 31 मार्च 2026 को बस्तर को नक्सल-मुक्त घोषित किए जाने के बाद क्षेत्र में शांति और विकास की नई उम्मीद पैदा हुई है। बस्तर ओलंपिक्स, बस्तर पंडुम और गांवों में तिरंगा फहराए जाने जैसी गतिविधियों का उल्लेख करते हुए पीड़ितों ने कहा कि बस्तर अब बंदूक नहीं बल्कि शिक्षा, रोजगार, विकास और शांति चाहता है।

पीड़ितों ने विपक्षी नेताओं से अपील की कि वे दिल्ली में बैठकर बयान देने के बजाय बस्तर आएं और नक्सली हिंसा से प्रभावित परिवारों की पीड़ा को करीब से समझें। उन्होंने कहा कि बंदूक से लोगों में भय पैदा किया जा सकता है, लेकिन विश्वास नहीं।

बस्तर पीड़ितों ने कहा – नक्सली हिंसा के घाव आज भी ताजा, बयान पर जताई आपत्ति

ट्रेन में बंद एसी या गंदा शौचालय? सफर में ऐसे दर्ज करें तुरंत शिकायत

एजेंसी, नई दिल्ली

ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों को कई बार असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। कोच में सफाई की कमी, गंदा शौचालय, खराब खाना, एसी बंद होना या रेलवे कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी शिकायतें अक्सर यात्रियों की परेशानी बढ़ा देती हैं। हालांकि अब यात्रियों को अपनी समस्या के समाधान के लिए अगले स्टेशन तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। भारतीय रेलवे ने सफर के दौरान ही शिकायत दर्ज कराने के कई आसान विकल्प उपलब्ध कराए हैं।

रेलवे के अनुसार यात्री अपनी शिकायत रेलमदद के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए रेलमदद की वेबसाइट पर जाकर ट्रेन से जुड़ी शिकायत वाले विकल्प का चयन करना होगा। वहां समस्या से संबंधित आवश्यक जानकारी दर्ज करके शिकायत भेजी जा सकती है।

मोबाइल से शिकायत करने वाले यात्रियों के लिए रेलमदद का अनुप्रयोग भी उपयोगी है। यह सुविधा अब रेलवन अनुप्रयोग में भी उपलब्ध है। इसके माध्यम से यात्री सफर के दौरान ही अपनी समस्या रेलवे तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा यात्री संदेश के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिन यात्रियों को तत्काल सहायता की आवश्यकता हो वे रेलवे की सहायता सेवा 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

यात्रियों को शिकायत दर्ज करते समय ट्रेन संख्या, कोच और सीट से संबंधित सही जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि रेलवे कर्मचारी समस्या का स्थान आसानी से पहचान सकें और आवश्यक कार्रवाई कर सकें। इस सुविधा का उद्देश्य यात्रियों को सफर के दौरान होने वाली परेशानियों का जल्द समाधान उपलब्ध कराना है।

प्रेम संबंध से खफा चचेरे भाई ने की नाबालिग बहन की हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके में कथित झूठी शान के नाम पर चचेरे भाई ने नाबालिग बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को ब्रीफकेस में बंद कर सड़क किनारे फेंक दिया। आउटर नार्थ जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने आरोपित अविनाश (26) को गिरफ्तार कर सोमवार रात शव बरामद किया। पुलिस के अनुसार नाबालिग का एक युवक से प्रेम संबंध था और वह अक्सर मोबाइल पर उससे बातचीत करती थी। वह पहले भी दो बार युवक के साथ घर से जा चुकी थी। परिवार के लोग उसे वापस ले आए थे।

आरोप है कि अविनाश को जब पता चला कि नाबालिग अपने प्रेमी को दिल्ली बुलाने की बात कर रही है तो उसने उसकी हत्या की साजिश रची। रविवार रात वह उसे मुकुंदपुर के पास एक दुकान पर ले गया, जहां कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को ब्रीफकेस में रखकर सोमवार तड़के सड़क किनारे फेंक दिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अविनाश को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

हथियार दिखाकर धमकाने व गाड़ियां तोड़ने के मामले में 3 युवक गिरफ्तार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र में हथियार दिखाकर धमकाने और दो वाहनों को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को अब रिमांड पर लेने के लिए अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई को ठियोग पुलिस थाना में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया था कि गुलु के पास स्थित एक पार्किंग स्थल पर कुछ लोग वाहनों में सवार होकर पहुंचे थे। शिकायतकर्ता के अनुसार इन लोगों के पास हथियार थे और उन्होंने उसे तथा उसके साथ मौजूद लोगों को धमकाया था। स्थिति को देखते हुए शिकायतकर्ता और उसके साथी वहां से चले गए थे। शिकायत में यह भी कहा गया कि जब वे कुछ समय बाद दोबारा मौके पर लौटे तो उनकी दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त मिलीं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया था कि उन्हें धमकियां दी गई थीं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े तथ्यों, उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य जानकारियों को खंगाला। इसके बाद पुलिस थाना ठियोग की टीम ने मंगलवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 27 वर्षीय विक्रांत शर्मा, 21 वर्षीय वंश शर्मा और 24 वर्षीय विशुक शर्मा के रूप में हुई है। तीनों ठियोग क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत की मांग की जाएगी। यदि रिमांड मिलता है तो मामले से जुड़े तथ्यों की पुष्टि, संभावित बरामदगी और अन्य साक्ष्यों को जुटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

बारिश का कहर, सिरमौर में बाढ़ से घिरा स्कूल, कई छात्रों सहित स्टाफ फंसा

21 तक भारी बारिश का अलर्ट, 100 सड़कें बंद और 18 पेयजल योजनाएं प्रभावित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भारी बारिश के कारण कई जगह जनजीवन प्रभावित हुआ। सिरमौर जिले के नाहन विधानसभा क्षेत्र के मातर स्थित सरकारी स्कूल में तेज बारिश और रास्ते में पानी के तेज बहाव के कारण 52 छात्र और 12 स्टाफ सदस्य कई घंटों से फंसे रहे। स्कूल के आसपास पानी भरने से यह जगह टापू जैसी स्थिति में बदल गई। प्रशासन ने सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू टीम भेजी है।

जानकारी के अनुसार मातर स्कूल तक पहुंचने वाले रास्ते में नाले का पानी तेज बहाव के साथ चल रहा है। लगातार बारिश के कारण स्कूल तक आने-जाने का रास्ता प्रभावित हुआ और वहां मौजूद छात्र और स्टाफ सदस्य बाहर नहीं निकल सके। सिरमौर की उपायुक्त प्रियंका वर्मा ने कहा कि

प्रशासन पूरे मामले पर नजर रख रहा है और जल्द रेस्क्यू अभियान चलाकर स्कूल में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना कर दी गई है। सिरमौर में ही गिरी जटोन बांध का जलस्तर बढ़ने के बाद बांध से पानी छोड़ा जा रहा है। इसे देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों से नदी और नालों के आसपास जाने से बचने को कहा है। प्रदेश में मंगलवार को ऑरेंज अलर्ट के बीच कई हिस्सों में बारिश हुई। राजधानी शिमला में दोपहर से रुक-रुककर बारिश होती रही। बारिश के कारण शिमला का मौसम ठंडा हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 21 अगस्त तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने 19, 20 और 21 अगस्त के लिए कई क्षेत्रों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। 22 से 24 अगस्त के बीच भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश होने का अनुमान है, हालांकि इन दिनों के लिए कोई चेतावनी अलर्ट जारी नहीं किया गया है। 19 अगस्त को सात जिलों हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला व सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में भी राज्य के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।

कुल्लू जिले के कोठी में सबसे अधिक 71 मिलीमीटर बारिश हुई। धर्मशाला और कसौली में 52-52 मिलीमीटर, काहू में 47 मिलीमीटर, नाहन में 46 मिलीमीटर और चंबा के जोत में 45 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन हुआ और सड़कों पर मलबा आने से यातायात प्रभावित हुआ। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार दोपहर तक प्रदेश में 100 सड़कें बंद थीं। इनमें मंडी की 38, कुल्लू की 25, सिरमौर की 13, चंबा की सात तथा शिमला और कांगड़ा की छह-छह सड़कें शामिल हैं। बारिश से 13 बिजली ट्रांसफार्मर और 18 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों की संख्या कम करने के बजाय अपने मित्रों के खर्चे घटाएं सीएम : जयराम

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सीएम सुक्खू के उस बयान पर तंज कसा है, जिसमें सीएम ने एक बार फिर प्रदेश में आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों की संख्या में कटौती करने की बात कही है।

जयराम ठाकुर ने अपने गृह क्षेत्र के थुनाग में कहा कि ये सुक्खू सरकार भी गजब की है, जो यूपीएससी से क्वालिफाई नए अधिकारियों को लेने से इनकार कर रही है, जबकि भ्रष्ट अधिकारियों को एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन दिए जा रहे हैं। उन्होंने एक पूर्व आईएएस अधिकारी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह अधिकारी सीएम को इतने प्रिय हैं कि जब विपक्ष में थे, तो उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते थे और आज उन्हें बार-बार एक्सटेंशन दिए जा रहे हैं। खुद सरकार का कार्यकाल एक वर्ष का बचा है, जबकि इस अधिकारी को एक्सटेंशन दो वर्षों की दे दिया है। अधिकारियों से तौबा करने वाले सीएम ने खुद चेयरमैन और वायस चेयरमैन को कैबिनेट रैंक के साथ फौज खड़ी कर रखी है। सीपीएस की गैरकानूनी ढंग से नियुक्तियां करके प्रदेश के पैसों का दुरुपयोग किया।

यह खर्चे सीएम को नजर नहीं आते जबकि अधिकारियों के ही खर्चे नजर आ रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि सीएम सुक्खू ने चेयरमैन और वायस चेयरमैन के पदों पर भी किसी कांग्रेसी को नहीं बैठाया है, बल्कि वहां पर अपने मित्रों की फौज खड़ी कर रखी है। आज भी इन नियुक्तियों का दौर लगातार जारी है। लगातार मंत्रिमंडल के विस्तार की बातें सरकार द्वारा की जा रही हैं, लेकिन फिर भी मंत्री नहीं बना पा रहे हैं। सीएम खुद अपना उपहास बना रहे हैं और प्रदेश का सत्यानाश करके रख दिया है। इतना नुकसान प्रदेश को आपदा से नहीं हुआ, जितना सीएम की नीतियों से हो रहा है। वहीं, उन्होंने कहा कि प्रदेश को आपदा से भी ज्यादा नुकसान सुक्खू सरकार की गलत नीतियों से पहुंचा है, जिसका उदाहरण इनकी नेता प्रियंका गांधी द्वारा एक तैयार स्कूल भवन का तीन-तीन बार कार्यक्रम रद्द करना भी है।

विकास कार्य कागजों में नहीं, धरातल पर दिखने चाहिए : विधायक त्रिलोक जम्वाल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र में वर्षों से लंबित विकास कार्यों और स्वीकृति के बावजूद शुरू न किए गए कार्यों पर सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने नाराजगी जताई है।

उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उनका लाभ धरातल पर जनता को समय पर मिलना चाहिए। विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंगलवार को विधायक ने सदर बीडीओ कार्यालय में विकास खंड की पंचायतों के प्रधानों, उपप्रधानों और सचिवों के साथ बैठक की। इस दौरान पंचायतवार विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कई कार्य के सात-आठ वर्षों से लंबित होने तथा कुछ स्वीकृत कार्यों के अभी तक शुरू न होने का मामला सामने आया। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि वर्ष 2017 से अब तक वीकेवीएनवाई, डीएमएफटी, एसडीपी, एमपीलैड और स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न मदों के तहत करीब 21 करोड़ रुपए उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। इसके बावजूद कई कार्य वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी के कारण लोगों को सड़क, रास्ते और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। विधायक ने अधिकारियों से अपने कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों के लिए उपलब्ध करवाई गई धनराशि का पूरा ब्यौरा तलब किया। उन्होंने पूछा कि धनराशि कब जारी हुई, किस अधिकारी के पास पहुंची और कितनी राशि खर्च की गई। उन्होंने लंबित कार्यों की वर्तमान स्थिति और उपलब्ध राशि की भी जानकारी मांगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द शुरू करवाकर निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और पंचायत स्तर पर नियमित समीक्षा एवं निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। त्रिलोक ने पंचायत प्रतिनिधियों से सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ विकास कार्य आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने बैठक में कुछ अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि विकास कार्यों की समीक्षा बैठकों में संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए।

कार-पिकअप की टक्कर, 5 घायल

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के उपमंडल अंब के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग ऊना-धर्मशाला पर दियावां पंचायत के पास मंगलवार को कार और पिकअप वाहन के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार एक व्यक्ति बुरी तरह फंस गया, जिसे कटर की मदद से कार को काटकर बाहर निकाला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग रेलवे स्टेशन अंब के समीप रहने वाले बताए जा रहे हैं और अंब की ओर जा रहे थे। वहीं पिकअप वाहन में सवार लोग माता चिंतपूर्णी के दर्शन करने के बाद नयनादेवी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। पिकअप सवार श्रद्धालु अमृतसर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार चालक ने अचानक वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और कार विपरीत दिशा में जाकर सामने से आ रही पिकअप से टकरा गई।

युवा मोर्चा संगठन की ऊर्जा व भविष्य की मजबूत शक्ति: जीतराम कटवाल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि किसी भी संगठन में युवाओं की भूमिका बेहद अहम होती है। युवा मोर्चा संगठन की केवल एक इकाई नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा, गति और भविष्य की मजबूत शक्ति है। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क, जनसेवा और संगठन विस्तार को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

मंगलवार को झंडूता मंडल भाजयुमो अध्यक्ष हरीश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जीतराम कटवाल ने बतौर मुख्य वक्ता भाग लिया। बैठक में युवा मोर्चा की गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। कटवाल ने कहा कि भाजपा का संगठन विचार और संस्कार पर आधारित है। मंडल से बूथ स्तर तक हर युवा कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। नए युवाओं को राष्ट्रवाद, सुशासन और सेवा के संस्कारों से जोड़ना युवा मोर्चा का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत-2047' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। युवा इस संकल्प की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से कौशल और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने तथा रोजगार पाने के साथ रोजगार देने और नवाचार करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। इस दौरान एबीवीपी की झंडूता इकाई अध्यक्ष शीतल शर्मा की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को फीस वृद्धि के विरोध में ज्ञापन सौंपा। कटवाल ने विद्यार्थियों की मांग को जायज बताते हुए कहा कि शिक्षा सुलभ और छात्र हितैषी होनी चाहिए।

उन्होंने आश्वासन दिया कि फीस वृद्धि का मामला प्रदेश सरकार और संबंधित विभाग के समक्ष उठाया जाएगा।

सीएम ने की जनगणना में सहयोग की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के बर्फबारी वाले क्षेत्रों के निवासियों से 'जनगणना 2027' के दूसरे चरण जनसंख्या गणना में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है। साथ ही उनके द्वारा अपनी स्व-गणना पूर्ण करते हुए कहा गया कि प्रदेश के विकास और वास्तविक आवश्यकताओं के सही आकलन के लिए नागरिक 17 से 31 अगस्त, 2026 तक उपलब्ध 'स्व-गणना' सुविधा का लाभ उठाकर अपनी सही जानकारी दर्ज करें तथा 1 से 30 सितम्बर, 2026 तक घर-घर आने वाले प्रगणकों को सही विवरण उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाएं। इस दौरान जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक दीप शिखा शर्मा एवं सचिव सामान्य प्रशासन सह राज्य समन्वयक (जनगणना) व निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

बोह प्रभावित परिवारों के पुनर्वास हेतु जमीन चिन्हित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने मंगलवार को बोह में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से 25 प्रभावित परिवारों को गद्दे, गैस कनेक्शन, महिला एवं पुरुषों के वस्त्र, ट्रैक सूट, जूते तथा रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की किट वितरित की। प्रभावित परिवारों से रूबरू होते हुए केवल सिंह पठानिया ने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। जो परिवार वहां बसने के इच्छुक हैं, वे प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि आगामी कार्रवाई शीघ्र शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की है और उसके अनुरूप शीघ्र ही प्रभावित परिवारों को सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने पंचायत सचिव एवं पटवारी को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों के बैंक खाते जल्द खुलवाना सुनिश्चित करें, ताकि राहत राशि प्राप्त करने में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके पुनर्वास के लिए हरसंभव सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं बोह आकर स्थिति का जायजा ले चुके हैं और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर गंभीर एवं चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार को कोई समस्या हो तो वे निःसंकोच अपनी बात प्रशासन अथवा उनके समक्ष रखें। एसडीएम शाहपुर गणेश ठाकुर ने कहा कि स्थानीय विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। प्रभावित परिवारों को प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुरूप हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

नवोदय स्कूल के तीखे मोड़ पर बेकाबू ट्रक खोखे में घुसा शटर और दुकान क्षतिग्रस्त

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। नाहन-पांवटा साहिब राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह करीब आठ बजे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे स्थित दुकान में जा घुसा। हादसे के समय दुकान बंद होने के कारण बड़ा हादसा टल गया और कोई जानहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटनास्थल का मोड़ बेहद खतरनाक और दुर्घटना संभावित है। तेज रफ्तार और तीखे मोड़ के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक दुकान का शटर तोड़ते हुए अंदर जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों ने प्रशासन से मोड़ पर गति अवरोधक, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा अवरोधक लगाने की मांग की है। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

3 पंचायतों में लगाईं 237 सोलर लाइट

भारतेन्दु संवाददाता, कंडाघाट। कंडाघाट ब्लॉक की माउंट वैली डेवलपमेंट एसोसिएशन ने सकोड़ी और झाजा पंचायतों के 20 गांवों में 237 सोलर लाइटें लगाईं। यह जानकारी इस एसोसिएशन के विषवाद विशेषज्ञ अजय ममगई और निदेशक नवप्रभात ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्य वर्ष 2024 से 2026 तक पूरा किया गया है। इस एसोसिएशन ने यह लाइट एचडीएफसी परिवर्तन के सहयोग से संचालित की है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा को बढ़ावा देना है। सोलर लाइटों की स्थापना गांवों की गलियों, कृषि कार्य, संपर्क मार्गों, सार्वजनिक स्थानों की आवाजाही के लिए लाभदायक रही है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को रात के समय आने-जाने में काफी सुविधा मिली है। सोलर लाइट से ऊर्जा की बचत के साथ स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा मिला है।

नई राष्ट्रीय टीम भाजपा के संगठन को और मजबूत करेगी : अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भाजपा के नव नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में गठित नई संगठनात्मक टीम का स्वागत करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि नई नियुक्तियां अनुभव, युवा ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता के प्रभावी समन्वय को दर्शाती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में नई ऊर्जा का संचार करने के साथ ही देशभर में जनता के साथ पार्टी के जुड़ाव को और मजबूत करेगी। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भाजपा देश के विकास और समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध एक मजबूत एवं जनकेंद्रित संगठन के रूप में उभरी है। उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सराहना करते हुए कहा कि नई टीम में अनुभवी नेताओं के मार्गदर्शन और नई पीढ़ी की ऊर्जा एवं आकांक्षाओं का बेहतर समन्वय किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों, समुदायों और समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलने से पार्टी की संगठनात्मक पहुंच और बदलते भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता और मजबूत होगी। अनुराग ने कहा कि नई टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का उत्कृष्ट समन्वय है। यह सभी को साथ लेकर चलने और तेजी से बदलते भारत की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम संगठन के निर्माण के भाजपा के संकल्प को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में यह गतिशील टीम विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

सब्जी विक्रेता की गला रेतकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में शिलाई क्षेत्र के एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या का मामला सामने आया है। मामला देर रात का बताया जा रहा है। वारदात नगर परिषद पांवटा साहिब के विश्वकर्मा चौक पर नव निर्मित पार्किंग स्थल पर हुई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उपमंडल पुलिस अधिकारी मानवेंद्र ठाकुर व थाना प्रभारी कुलवंत सिंह टीम सहित मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं। मृतक की पहचान भाव सिंह पुत्र सही राम निवासी गांव आवत कोटी उत्तर, शिलाई के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मृतक शिलाई में सब्जी की दुकान चलाता था और हर तीसरे दिन सब्जी लेने के लिए पिकअप से पांवटा आवाजाही करता था। एसपी सिरमौर निश्चिंत सिंह नेगी ने मामले की पुष्टि करते हुए, कि पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बीडीसी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव में देरी के खिलाफ भाजपा ने एडीसी के माध्यम से सरकार को भेजा ज्ञापन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला हमीरपुर की चार विधानसभा क्षेत्रों के पांच ब्लॉकों में पंचायत समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव अब तक नहीं होने पर भाजपा ने प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

मंगलवार को भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अगुवाई में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त उपायुक्त हमीरपुर के माध्यम से प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजकर लंबित चुनाव जल्द करवाने की मांग की। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पंचायत चुनाव संपन्न हुए करीब तीन महीने होने वाले हैं, लेकिन जिला हमीरपुर के पांच विकास खंडों में पंचायत समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव अभी तक लंबित हैं। केवल भोरंज विधानसभा क्षेत्र में ही बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव हो पाया है। उन्होंने कहा कि चुनावों को इस तरह लंबित रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था और पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज के हित में नहीं है। राकेश ठाकुर ने आरोप लगाया कि पहले पंचायती राज चुनावों को भी जानबूझकर देरी से करवाया गया और अब पंचायत समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनावों को लटकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और कांग्रेस पार्टी की मंशा इस मामले में स्पष्ट नहीं है और जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों से वंचित रखना उचित नहीं है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि जिला हमीरपुर के सभी लंबित बीडीसी चुनाव तत्काल करवाए जाएं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 31 अगस्त 2026 तक पंचायत समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव नहीं करवाए गए, तो भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा और कड़ा आंदोलन शुरू करेगी। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजिंदर सिंह राणा, विधायक इंद्रदत्त लखनपाल, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री कमलेश कुमारी, पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, जिला महामंत्री अजय रिंटू, जिला मीडिया प्रभारी विक्रमजीत सिंह बन्याल सहित भाजपा मंडलों के अध्यक्ष और पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम डंगार कॉलेज में लगेंगी पांच सोलर स्ट्रीट लाइटें, ई-लाइब्रेरी के लिए मिलेगा बजट

कॉलेज के जीर्णोद्धार पर खर्च होंगे 25 लाख : धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने राजकीय संस्कृत महाविद्यालय डंगार में विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। विद्यार्थियों की मांगों पर उन्होंने महाविद्यालय परिसर में पांच सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाने और ई-लाइब्रेरी के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाने की घोषणा की।

मंत्री ने कॉलेज के नाम के साथ 'श्री सरस्वती' शब्द जोड़ने संबंधी मांग पर प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए, ताकि मामले को प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जा सके। उन्होंने कॉलेज में संगीत वाद्ययंत्र उपलब्ध करवाने और पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए परिसर में हैंडपंप स्थापित करने की भी घोषणा की। राजेश धर्माणी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर स्किल ट्रेनिंग का विशेष पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए कैरियर काउंसलिंग की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के जीर्णोद्धार कार्यों के लिए प्रदेश सरकार ने 25 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं, जिसमें से करीब 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खेल मैदान की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एफआरए का मामला संबंधित विभाग के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस और स्काउट्स एंड गाइड की इकाइयां स्थापित करने के लिए भी मामला सरकार के समक्ष रखा जाएगा। मंत्री ने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीनतम और ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध भाषाओं में से एक है। भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए संस्कृत का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कृत के साथ आधुनिक तकनीक का ज्ञान अर्जित करने का आह्वान किया, ताकि वे वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति और संस्कृत के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद कौशल, शारीरिक स्वास्थ्य और अच्छे साहित्य के अध्ययन पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने मोबाइल फोन का उपयोग मनोरंजन के बजाय ज्ञान अर्जित करने के साधन के रूप में करने की सलाह दी। राजेश धर्माणी ने बताया कि जिला स्तरीय सीर उत्सव में संस्कृत विद्यार्थियों को मंत्रोच्चारण प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

संवाद कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंत्री से उनके जीवन, राजनीतिक सफर और संवाद कार्यक्रम शुरू करने की प्रेरणा से जुड़े सवाल पूछे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को 'पांच या दस वर्ष बाद स्वयं को कहां देखना चाहते हैं' विषय पर 25 सितंबर तक निबंध लिखने को कहा। सर्वश्रेष्ठ दस निबंधों को जिला स्तरीय सीर उत्सव में पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्त हिमाचल की शपथ भी दिलाई गई। इससे पहले कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप शर्मा ने मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक भी मौजूद रहे।

कांगड़ा में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त एसडीएम डॉ. अंजली ने किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। शहर में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजली गर्ग ने पुलिस और नगर परिषद की टीम के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और सड़क किनारे तथा सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण का जायजा लिया।

इस दौरान थाना प्रभारी आदर्श बरियाल और नगर परिषद कांगड़ा के कर्मचारी भी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम ने दुकानदारों को सार्वजनिक स्थानों पर सामान न रखने और सड़क व पैदल मार्ग पर किसी तरह की बाधा उत्पन्न न करने के निर्देश दिए। एसडीएम डॉ. अंजली गर्ग ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और आम लोगों की सुविधा के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों से निर्धारित सीमा के भीतर ही सामान रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रास्तों, सड़कों और अन्य स्थानों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने बताया कि मंगलवार को अधिकतर दुकानदारों को चेतावनी देकर छोड़ा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुधवार से अतिक्रमण करने वालों के चालान काटे जाएंगे। साथ ही पुलिस विभाग को अनधिकृत पार्किंग में वाहन खड़े करने वालों के भी लगातार चालान करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप है। स्थानीय लोगों ने भी नियमित अभियान चलाने की मांग की है, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर हो और पैदल चलने वालों को परेशानी न हो।

प्रदेश के 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मियों के बकाया एरियर की किस्त जारी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के हजारों पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के लिए राहत की खबर है। राज्य सरकार ने 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के पेंशन एरियर की एक और किस्त जारी करने का फैसला लिया है।

वित्त (पेंशन) विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में कार्यालय ज्ञापन जारी किया है। सरकार ने अपने 17 सितंबर 2022 के आदेश के क्रम में यह फैसला लिया है। आदेश के अनुसार पात्र पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को अगस्त 2026 के दौरान एरियर की स्वीकृत राशि का भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 3 दिन पहले स्वतंत्रता दिवस समारोह में पेंशनरों को उनके बकाया एरियर के भुगतान की घोषणा की थी। सरकार के आदेश के मुताबिक क्लास-3 श्रेणी के पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को कुल बकाया एरियर का 35 प्रतिशत जारी किया जाएगा। यह लाभ उन मामलों में मिलेगा जहां मूल पेंशन 40 हजार रुपए प्रतिमाह तक और पारिवारिक पेंशन 24 हजार रुपए प्रतिमाह तक है। क्लास-II श्रेणी के पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को कुल बकाया एरियर का 15 प्रतिशत मिलेगा। इस श्रेणी में मूल पेंशन 50 हजार रुपए प्रतिमाह तक और पारिवारिक पेंशन 30 हजार रुपए प्रतिमाह तक शामिल है।

वहीं, क्लास-I श्रेणी के पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को भी 15 प्रतिशत एरियर जारी किया जाएगा। इस श्रेणी में मूल पेंशन 60 हजार रुपए से लेकर अधिकतम 1,09,300 रुपए तथा पारिवारिक पेंशन 40 हजार रुपए से लेकर अधिकतम 65,580 रुपए प्रतिमाह तक के मामले शामिल किए गए हैं।

पहले जारी राशि को किया जाएगा समायोजित

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि एरियर का भुगतान करते समय पहले से दी गई अंतरिम राहत की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी किस्त को समायोजित किया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में स्वीकृत 12 किस्तों की महंगाई राहत को भी सकल एरियर राशि में जोड़ा जाएगा। इन सभी समायोजनों के बाद जो शुद्ध राशि बचेगी, उसी का भुगतान संबंधित पेंशनर या पारिवारिक पेंशनर को किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि किसी मामले में कोई अतिरिक्त भुगतान वसूल किया जाना है तो उसे भी एरियर से समायोजित किया जाएगा और शेष राशि ही जारी होगी।

◆ क्लास-III पेंशनरों को 35 फीसदी एरियर, अन्य श्रेणियों को मिलेगा 15 फीसदी भुगतान

◆ हिमाचल के पेंशनरों पारिवारिक पेंशनरों के लिए राहत

अब तक कितना एरियर जारी हो चुका

सरकार के अनुसार इस नई किस्त के जारी होने के बाद क्लास-III श्रेणी के पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को कुल बकाया एरियर का 55 प्रतिशत जारी हो जाएगा। वहीं क्लास-I और क्लास-II श्रेणी के पेंशनरों तथा पारिवारिक पेंशनरों को कुल बकाया एरियर का 35 प्रतिशत जारी हो चुका होगा। सरकार ने सभी पेंशन वितरण प्राधिकरणों (पीडीए) और बैंकों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत एरियर राशि इसी महीने संबंधित लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई जाए। इस आदेश का लाभ उन पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को मिलेगा जो 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए हैं और जिनके एरियर का भुगतान अभी बाकी है।

सीएम की अगुवाई में ऊना में सात सितंबर को होगी 'एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन'

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हिमाचल को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में 7 सितंबर को ऊना में 'एंटी-चिट्टा वॉकाथॉन' आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने जिला परिषद सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुबह करीब 10 बजे इंदिरा स्टेडियम ऊना से वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाएंगे और स्वयं भी प्रतिभागियों के साथ चलेंगे। वॉकाथॉन इंदिरा स्टेडियम से शुरू होकर बस स्टैंड के समीप यू-टर्न लेते हुए वापस स्टेडियम में संपन्न होगी। मुख्यमंत्री इस दौरान युवाओं और उपस्थित लोगों को 'एंटी-चिट्टा शपथ' दिलाएंगे तथा युवाओं से संवाद भी करेंगे। वॉकाथॉन का उद्देश्य चिट्टे और अन्य नशों के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक करना है। अभियान में कक्षा नौवीं से कॉलेज के अंतिम वर्ष तक के विद्यार्थियों को मुख्य रूप से शामिल किया जाएगा।

सतर्कता विभाग को बैंक, डीमैट व संपत्तियों सहित हर वित्तीय रिकॉर्ड दस्तावेजों के साथ दे रहा हूं: सुधीर शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व मंत्री एवं धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, धर्मशाला द्वारा दर्ज एफआईआर के संबंध में कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 35 के तहत जारी नोटिस का विस्तृत जवाब दिया जा रहा है और जांच में पूरा सहयोग किया जा रहा है।

सतर्कता विभाग द्वारा पूछे गए सभी वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों, निवेश, संपत्तियों एवं अन्य रिकॉर्ड का उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर पूरा विवरण दिया जा रहा है। सुधीर शर्मा ने कहा कि इस मामले में उनकी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट है न कोई संपत्ति छिपाई गई है और न ही कोई वित्तीय लेन-देन छिपाया गया है। यदि जांच एजेंसी किसी विशेष संपत्ति को छिपाने का आरोप लगाती है, तो उस संपत्ति की स्पष्ट पहचान करे और संबंधित रिकॉर्ड सामने रखे। बिना किसी वास्तविक छिपाव को प्रमाणित किए आरोप लगाना गलत धारणा पैदा करने और उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास प्रतीत होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक सामान्य नागरिक किसी राजनेता का चुनावी हलफनामा और उसमें घोषित चल-अचल संपत्तियों का विवरण देख सकता है, तो वही जानकारी सरकार और उसकी जांच एजेंसियों से कैसे छिपाई जा सकती है? उन्होंने कहा कि संपत्तियों के पंजीकरण, बिक्री विलेख और राजस्व रिकॉर्ड सरकारी विभागों के पास उपलब्ध रहते हैं। इसी प्रकार बैंक खातों, डीमैट खातों और निवेश संबंधी रिकॉर्ड संबंधित वित्तीय संस्थाओं के पास दर्ज होते हैं। चुनाव लड़ने वाला प्रत्याशी भी कानून के अनुसार अपनी संपत्तियों और देनदारियों का विवरण चुनावी हलफनामे में देता है और यह जानकारी सार्वजनिक होती है, 'जब सरकारी रिकॉर्ड और सार्वजनिक दस्तावेजों से हर तथ्य सत्यापित किया जा सकता है तो संपत्ति छिपाने की बात किस आधार पर की जा रही है? यदि मैंने कोई संपत्ति छिपाई है तो सरकार और जांच एजेंसी उस विशिष्ट संपत्ति का नाम और रिकॉर्ड सार्वजनिक करे।' सुधीर शर्मा ने कहा कि सतर्कता विभाग द्वारा शेयरों और निवेश से संबंधित जानकारी भी मांगी गई है। शेयरों का पूरा विवरण और डीमैट रिकॉर्ड सत्यापन के लिए सतर्कता विभाग को उपलब्ध करवाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर के सपूत प्रो. बिहारी लाल शर्मा को काशी की विद्या-भूमि का पुनः नेतृत्व

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले की झंडूत्ता तहसील के ग्राम भदोल, डाकघर रोहल निवासी प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. बिहारी लाल शर्मा को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए पुनः नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रो. शर्मा को आगामी तीन वर्षों के लिए कुलपति नियुक्त किया है। उनका वर्तमान कार्यकाल 22 अगस्त 2026 को पूरा हो रहा है। पहले कार्यकाल में उनके नेतृत्व और कार्यक्षमता को देखते हुए उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. बिहारी लाल शर्मा वर्तमान में विश्वविद्यालय के 37वें कुलपति के रूप में कार्यरत हैं। उनकी पुनर्नियुक्ति से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, शोध कार्यों और भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन को गति मिलने की उम्मीद है। भदोल गांव से काशी की विद्या-भूमि तक प्रो. शर्मा की यह उपलब्धि बिलासपुर जिले और विशेषकर झंडूत्ता क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय का लगातार दूसरे कार्यकाल में नेतृत्व करना युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने मंडी-भराड़ी में निर्माणाधीन बस स्टैंड का किया निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बिलासपुर के मंडी-भराड़ी में निर्माणाधीन आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। मुकेश अग्निहोत्री ऊना से मंडी जाते हुए निर्माणाधीन बस स्टैंड के निर्माण कार्य का जायजा ले रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंडी भराड़ी में आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण कार्य के लिए सरकार ने लगभग 2.44 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 40 प्रतिशत कार्य को पूर्ण कर लिया गया है तथा बस स्टैंड के निर्माण कार्य को फरवरी, 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल, तैयारियों को परखा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में अग्नि सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए दो दिवसीय टेबलटॉप अभ्यास एवं मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जियोहैजर्ड्स सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। 17 अगस्त को टेबलटॉप अभ्यास तथा 18 अगस्त को मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें अस्पताल प्रशासन, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों के अलावा पुलिस, गृह रक्षक और अग्निशमन विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। टेबलटॉप अभ्यास के दौरान अस्पताल में आग लगने की स्थिति की परिकल्पना कर अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियों, संचार व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर चर्चा की गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और निर्धारित प्रक्रियाओं को व्यवहारिक रूप से परखा गया। अभ्यास में आंतरिक संचार व्यवस्था मजबूत करने, भूमिकाएं स्पष्ट करने और बाहरी एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता सामने आई। नियमित मॉक ड्रिल तथा आपदा प्रबंधन योजना की समीक्षा और अद्यतन करने पर भी जोर दिया गया।

विद्यार्थी ऋण समेत अन्य ऋणों में देरी न करें बैंक

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला स्तरीय समीक्षा एवं बैंक सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार को हमीर भवन में एडीसी अभिषेक गर्ग की अध्यक्षता में हुई। बैठक में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की उपलब्धियों और निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा की गई। एडीसी ने बैंक अधिकारियों को आम लोगों को विभिन्न ऋण योजनाओं से जोड़ने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में जिले में 335.54 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए, जो वार्षिक लक्ष्य 2062.90 करोड़ रुपए का 18.61 प्रतिशत है। जिले का ऋण-जमा अनुपात करीब 24 प्रतिशत रहा, जिसमें सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने बैंकों को फील्ड में विशेष शिविर लगाने और उनकी रिपोर्ट एलडीएम कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना सहित सब्सिडी योजनाओं के ऋण मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। एडीसी ने बताया कि मट्टनसिद्ध स्थित आरसेटी में 18 से 50 वर्ष तक के लोगों को बिना शैक्षणिक योग्यता की शर्त के मुफ्त प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

निशू मोंगरा ने सुनीं लोगों की समस्याएं

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश सरकार ने 40 हैंडपंप स्वीकृत किए हैं, जिनमें से करीब 20 हैंडपंप पलम क्षेत्र में लगाए जाएंगे। यह जानकारी एपीएमसी के जिला एवं ओबीसी कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशू मोंगरा ने रानीताल में आयोजित 14वें मासिक खुले दरबार के दौरान दी। उन्होंने बताया कि राजियाना गांव में करोड़ों रुपए की लागत से सोलर प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए प्रशासन के अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर जल्द कार्य शुरू करवाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजियाना, पलेरा और कुलथी-गाहलियां में हैंडपंप लगाने की मांग पर विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। निशू मोंगरा ने कहा कि खुले दरबार का उद्देश्य जनता की समस्याओं को सुनकर उनका शीघ्र समाधान करवाना है। कई समस्याओं का मौके पर निपटारा किया गया, जबकि अन्य मामलों में अधिकारियों को जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों और विभिन्न पंचायतों के लोगों ने भाग लिया।

पठानकोट में महिला की हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट के वार्ड नंबर-15 में सोमवार रात एक कारोबारी की 75 वर्षीय पत्नी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। महिला के सिर, चेहरे और गर्दन पर लोहे की भारी रॉड से कई वार किए गए। घटना के समय वह घर में अकेली थीं। पुलिस ने मामले में उनके पड़ोसी वरुण कुमार को गिरफ्तार किया है।

मृतका की पहचान आशा महाजन (75), पत्नी सुभाष चंद्र महाजन के रूप में हुई है। उनके पति शाहपुर चौक में करियाना की दुकान चलाते हैं। सोमवार रात करीब 9 से 9:15 बजे के बीच आशा महाजन के घर से चीखने की आवाजें सुनाई दीं। मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। आवाजें सुनकर पड़ोसी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुए। महिला लहूलुहान हालत में मिलीं। उन्हें निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी छत के रास्ते घर में दाखिल हुआ था। वारदात के बाद उसने सीसीटीवी का डीवीआर भी उखाड़ लिया और छत के रास्ते अपने घर चला गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने घर के पास डीवीआर छिपाया, फिर घर जाकर मुंह-हाथ धोया और खून से सने कपड़े बदल लिए। इसके बाद वह मोहल्ले में सामान्य लोगों के बीच घूमता रहा, ताकि किसी को उस पर शक न हो।

स्थानीय लोगों को आरोपी पर पहले से संदेह था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे मोहल्ले के पास से काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल हथियार, सीसीटीवी डीवीआर, खून से सने कपड़े और महिला का सोने का कड़ा बरामद किया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है। पूर्व पार्षद रामपाल विक्की ने क्षेत्र में बढ़ते नशे व आपराधिक गतिविधियों पर चिंता जताते हुए पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। एसएसपी आदित्य ने बताया कि आरोपी का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। पुलिस हत्या के मकसद और किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता को लेकर पूछताछ कर रही है।

बिलासपुर अस्पताल में एक्स-रे के लिए लंबी कतारें, मरीज परेशान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में एक्स-रे करवाने के लिए मरीजों व उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल में रेडियोग्राफर के कुल पांच पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से चार पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। वर्तमान में केवल एक रेडियोग्राफर के सहारे एक्स-रे की व्यवस्था संचालित हो रही है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्रीय अस्पताल में प्रतिदिन करीब 150 मरीज एक्स-रे करवाने पहुंचते हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण मरीजों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि एक ही कर्मचारी को पर्ची बनाने के साथ-साथ एक्स-रे करने का काम भी संभालना पड़ रहा है। इससे मरीजों को समय पर सुविधा नहीं मिल पा रही है और उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल अधीक्षक से बातचीत में पता चला कि हाल ही में अस्पताल में तैनात एक रेडियोग्राफर का तबादला हो गया है। इसके बाद अब केवल एक ही रेडियोग्राफर उपलब्ध है। कर्मचारियों की कमी को देखते हुए कार्यरत रेडियोग्राफर की छुट्टियां भी प्रभावित हो रही हैं, जिससे व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन ने सरकार से आग्रह किया है कि रेडियोग्राफर के रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। स्थानीय लोगों ने भी सरकार से अस्पताल में स्टाफ की कमी दूर करने और एक्स-रे सुविधा को सुचारु बनाने की मांग की है।

भूगोल शिक्षक भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित 97 उम्मीदवारों का चयन

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में भूगोल के शिक्षकों के 99 पदों को फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए पोस्ट कोड-26027 के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 332 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 268 उम्मीदवारों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में 202 उम्मीदवारों का चयन दस्तावेजों की जांच के लिए किया गया था। 11 और 12 अगस्त को दस्तावेजों की जांच के बाद 97 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। पात्र उम्मीदवार न मिलने के कारण सामान्य (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) और एससी (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) वर्ग का एक-एक पद खाली रह गया है।

मिशन दृष्टि बिलासपुर का पायलट चरण शुरू, 1 सितंबर से जिले में होगा व्यापक स्क्रीनिंग अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बच्चों में आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बिलासपुर की पहल 'मिशन दृष्टि बिलासपुर' का पायलट चरण शुरू किया गया।

इसके तहत प्राथमिक विद्यालय डियारा और आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की आंखों की स्क्रीनिंग की गई। इस अवसर पर उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार मौजूद रहे। पायलट चरण में कुल 52 बच्चों की जांच की गई, जिनमें 11 बच्चों में आंखों से संबंधित दोष पाए गए। यह संख्या जांच किए गए बच्चों का करीब 20 प्रतिशत है। इनमें दो बच्चों में एस्टिग्मेटिज्म की समस्या सामने आई। चिन्हित बच्चों का आगे फॉलो-अप कर आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श और उपचार उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी शशि दत्त शर्मा और आई स्पेशलिस्ट ईशानी ने बच्चों की स्क्रीनिंग की। आधुनिक ऑटो रिफ्रैक्टोमीटर की मदद से प्रारंभिक जांच की गई। प्रशासन के अनुसार कई बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्या होने के बावजूद वे स्वयं इसकी शिकायत नहीं कर पाते। इसका असर पढ़ाई में ध्यान लगाने, बोर्ड देखने और फोकस करने में कठिनाई के रूप में सामने आ सकता है। उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि पायलट चरण के अनुभव के आधार पर मिशन को 1 सितंबर से पूरे जिले में व्यापक स्तर पर शुरू किया जाएगा। पहले चरण में आठ वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग पर विशेष ध्यान रहेगा। आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ सरकारी और निजी स्कूलों के बच्चों को भी अभियान में शामिल किया जाएगा। चिन्हित बच्चों का रिकॉर्ड तैयार कर नियमित फॉलो-अप किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर उन्हें चश्मा, विशेषज्ञ परामर्श और अन्य उपचार उपलब्ध करवाया जाएगा।

धर्मशाला में युवा मोर्चा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांग्रेस सरकार की कथित युवा विरोधी नीतियों और युवाओं से जुड़े मुद्दों की अनदेखी के विरोध में मंगलवार को धर्मशाला में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। यह धरना युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष तपन मन्हास की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा, नगरोटा के पूर्व विधायक अरुण, पूर्व मंत्री सरवीण चौधरी और भाजपा के जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धरने के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए युवाओं के हितों की अनदेखी पर रोष व्यक्त किया। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तपन मन्हास ने कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बेहतर अवसरों की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

बिलासपुर में 56 .37 ग्राम चिट्टे सहित सात काबू

पट्टा फोरलेन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन मामलों में चिट्टा बरामद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने पट्टा फोरलेन पर कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में कुल 56.37 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है।

पुलिस ने इन मामलों में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस तीनों मामलों में नशे की सप्लाई के स्रोत और बैकवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पट्टा फोरलेन पर गश्त व नाकाबंदी के दौरान वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान कार की तलाशी लेने पर 22.26 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इस मामले में मंडी जिले के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें अनमोल प्रित सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह, निवासी टारना रोड, तहसील सदर, जिला मंडी, उम्र 24 वर्ष; रोहित पुत्र चंद्रमणि, निवासी सरद्वारा, तहसील बल्ह, जिला मंडी, उम्र 22 वर्ष; और माहिर मल्होत्रा पुत्र निपुण मल्होत्रा, निवासी जवाहरनगर खलियार, तहसील सदर, जिला मंडी, उम्र 21 वर्ष शामिल हैं। इसी क्रम में 17 अगस्त को पट्टा फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल नंबर की जांच की गई। तलाशी में 17.88 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

पुलिस ने राजेंद्र कुमार पुत्र जगदीश चंद, निवासी मनारू, तहसील जोगिंद्रनगर, जिला मंडी, उम्र 31 वर्ष तथा सुमन कुमार मन्ना पुत्र विश्वजीत मन्ना, निवासी चिल्ला, सरोदा खादर, पूर्वी दिल्ली, उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया। तीसरे मामले में टैक्सी कार नंबर की तलाशी के दौरान 16.23 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इस मामले में सोनू पुत्र धर्मपाल, निवासी जागसी, तहसील गुहाना, जिला सोनीपत, हरियाणा, उम्र 38 वर्ष और अंकित पुत्र रणधीर सिंह, निवासी पलड़ी, जिला पानीपत, हरियाणा, उम्र 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि तीनों मामलों में बैकवर्ड लिंकेज की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ बिलासपुर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कायाकल्प | हिमोत्थान संस्था और स्टाफ के सहयोग से स्कूल बना आधुनिक, तीन एलईडी समेत नई सुविधाएं

एक साल में बदली पत्थल्यार स्कूल की तस्वीर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बड़सर उपमंडल के राजकीय उच्च विद्यालय पत्थल्यार की तस्वीर पिछले एक साल में पूरी तरह बदल गई है। एक साल पहले तक स्कूल के कई कमरों और बरामदों के फर्श उखड़े हुए थे।

कमरों में रंग-रोगन की जरूरत थी और मुख्य शौचालय का लेंटर तथा दीवारें भी खराब हालत में थीं। कक्षाओं में पढ़ाई के लिए आधुनिक साधन नहीं थे और पुस्तकालय में भी जरूरी फर्नीचर उपलब्ध नहीं था, अब इसी स्कूल को बेहतर सुविधाओं और सुंदर वातावरण के साथ नया रूप मिल चुका है। स्कूल की स्थिति सुधारने के लिए स्कूल स्टाफ ने आपस में बैठक की और हिमोत्थान संस्था से संपर्क किया। संस्था ने स्कूल की जरूरतों को समझते हुए शौचालय का खराब लेंटर और दीवारें ठीक करवाने के साथ वहां टाइल्स लगवाईं। स्कूल के बरामदे, एक कक्षा और रसोईघर में भी टाइल्स लगवाई गईं। पुस्तकालय के लिए फर्नीचर उपलब्ध करवाया गया। पढ़ाई को आसान और आधुनिक बनाने के लिए स्कूल को तीन बड़ी एलईडी भी दी गई हैं, जिनकी कीमत साढ़े चार लाख रुपये से अधिक है। स्कूल की पूरी इमारत में रंग-रोगन करवाया गया और कक्षाओं को बच्चों के लिए सुंदर और आकर्षक बनाया गया। सातवीं कक्षा के कमरे में टाइल्स लगाने के लिए बजट उपलब्ध नहीं था। इस काम के लिए सेवानिवृत्त शास्त्री रमेश चंद ने करीब 25 हजार रुपये अपनी ओर से दिए और कमरे में टाइल्स लगवाईं। स्कूल के वर्तमान ड्राइंग मास्टर कृष्णु राम चौहान ने भी अपनी ओर से करीब 25 हजार रुपए खर्च करके छठी और आठवीं कक्षा के संयुक्त कमरे में टाइल्स लगवाईं।अब स्कूल में सौर पैनल लगाने की भी तैयारी है। इससे स्कूल की बिजली की जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी करने का प्रयास किया जाएगा और बिजली का खर्च बहुत कम हो सकेगा। स्कूल के बदलते रूप से स्थानीय लोग भी खुश हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र का यह स्कूल अब पहले की तुलना में काफी सुंदर और आधुनिक हो गया है। स्कूल स्टाफ के सदस्य संजय शर्मा, विजय हीर, कृष्णु राम चौहान, सुनील दत्त, रीना देवी, प्रिंस कुमार और अशोक कुमार का कहना है कि हिमोत्थान संस्था, स्कूल स्टाफ और स्थानीय सहयोग से मिलकर स्कूल को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है।

उनका कहना है कि केवल सरकारी बजट पर निर्भर रहने के बजाय सभी के सहयोग से स्कूल का माहौल बदला जा सकता है और बच्चों को बेहतर सुविधाएं दी जा सकती हैं। स्कूल में अभी 45 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। हालांकि, विद्यार्थियों के लिए एक और कमरे की जरूरत है। स्कूल स्टाफ का कहना है कि यह कमी पूरी होने के बाद बच्चों को पढ़ाई के लिए और बेहतर सुविधा मिलेगी। पिछले एक साल में स्कूल के विकास पर करीब दस लाख रुपए खर्च हुए हैं और आगे भी स्कूल को और बेहतर बनाने का काम जारी रखा जाएगा।

प्रदेश स्तरीय मांगों को लेकर एबीवीपी ने वल्लभ महाविद्यालय में की तालाबंदी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मंडी इकाई ने प्रदेश स्तरीय व छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को महाविद्यालय में तालाबंदी की।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने छात्र संघ चुनाव बहाल करने, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में बढ़ाई गई फीस वृद्धि वापस लेने और सरदार पटेल विश्वविद्यालय के घटाए गए दायरे को पुनः बहाल करने की मांग उठाई। इकाई अध्यक्ष करण धामी ने कहा कि छात्र संघ चुनाव विद्यार्थियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। लंबे समय से चुनाव बंद होने के कारण छात्रों को अपनी समस्याओं व मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने का उचित मंच नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए चुनाव जल्द बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। प्रदेश के अधिकांश विद्यार्थी सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं, ऐसे में बढ़ी फीस का सीधा असर उनकी शिक्षा पर पड़ सकता है। उन्होंने फीस वृद्धि का निर्णय तत्काल वापस लेने की मांग की। करण धामी ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय के घटाए गए दायरे को भी पूर्ववत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दायरा कम किए जाने से विद्यार्थियों और महाविद्यालयों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एबीवीपी ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आने वाले समय में उग्र आंदोलन करेगा।

अन्ना करोलिना का हॉट अंदाज

स्लोवाकिया। अन्ना करोलिना श्मीडलोवा स्लोवाकिया की प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 13 सितंबर 1994 को कोसिसे में हुआ। उन्होंने सात वर्ष की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2015 में उन्होंने दो डब्ल्यूटीए खिताब जीते।

तेजस्विन-दिव्या-त्रिशा समेत 17 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने की राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा की। अलग-अलग क्षेत्र के 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। वहीं, तीन कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है। भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है।

अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), त्रिशा जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योरण (शूटिंग) का नाम चुना गया है। अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है।

अर्जुन पुरस्कार 2025

खिलाड़ी	खेल
तेजस्विन शंकर	एथलेटिक्स
मोहम्मद अजमल	एथलेटिक्स
प्रियंका गोस्वामी	एथलेटिक्स
त्रिशा जॉली	बैडमिंटन
गायत्री गोपीचंद	बैडमिंटन
नरेंद्र	मुक्केबाजी
विदित गुजराती	शतरंज
दिव्या देशमुख	शतरंज
धनुष श्रीकांत	बधिर शूटिंग
लालरेमसियामी	हॉकी
राजकुमार पाल	हॉकी
सुजीत	कबड्डी
पूजा	कबड्डी
रुद्रांश खंडेलवाल	पैरा-शूटिंग
एकता भ्यान	पैरा एथलेटिक्स
अरविंद सिंह	रोइंग
अखिल श्योरण	शूटिंग

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर भारी पड़ी कोस्त्युक-स्टियर्न्स

एजेंसी, सिनसिनाटी

टेनिस की दिग्गज बहनें वीनस विलियम्स और सेरेना विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के महिला युगल के दूसरे दौर में पहुंचने से महज दो अंक दूर रह गईं। सोमवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक व स्थानीय खिलाड़ी पेटन स्टियर्न्स ने विलियम्स बहनों को 2-6, 6-1, 10-8 से हराया। यह मुकाबला सेरेना और वीनस की 2022 अमेरिकी ओपन के बाद पहली बार साथ में प्रतिस्पर्धी मैच था। दोनों बहनों ने तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई, लेकिन निर्णायक सुपर टाईब्रेक में जीत से दो अंक दूर रह गईं।

विलियम्स बहनों को सिनसिनाटी ओपन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। यह टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है, जो छह दिन बाद शुरू होने वाला है। पहले सेट में सेरेना और वीनस ने दमदार खेल दिखाते हुए 6-2 से जीत दर्ज की। हालांकि, कोस्त्युक और स्टियर्न्स ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सुपर टाईब्रेक में पहुंचा दिया।

निर्णायक मुकाबले में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन कोस्त्युक और स्टियर्न्स ने 10-8 से बाजी मार ली। विलियम्स बहनों ने इस दौरान उस शानदार खेल की कई झलकियां दिखाईं, जिसने उन्हें कई ग्रैंड स्लैम खिताब दिलाए और खेल इतिहास की सबसे सफल बहनों की जोड़ियों में शामिल किया। दूसरे दौर में अब मार्ता कोस्त्युक और पेटन स्टियर्न्स का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त क्रिस्टीना म्लादेनोविच और हान्यू गुओ की जोड़ी से होगा।

स्पोर्ट्स विंडो

ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड को छोड़ा; मैट रेनशॉ को मैके टेस्ट के लिए बुलाया

एजेंसी, मैके। ऑस्ट्रेलिया ने अपने शीर्ष क्रम में बदलाव करने में बहुत कम समय बर्बाद किया है, डार्विन में बांग्लादेश से नौ विकेट की निराशाजनक हार के बाद जेक वेदराल्ड को बाहर कर दिया गया है। मैथ्यू रेनशॉ को टीम में बुलाया गया है और 30 वर्षीय खिलाड़ी मैके में शीर्ष क्रम में ट्रैविस हेड के साथ साझेदारी कर सकते हैं। अप्रैल में राष्ट्रीय अनुबंध मिलने के बाद वेदराल्ड के पहले टेस्ट में 23 और 0 का स्कोर बना। दूसरी पारी में आगे बढ़ने से पहले वह पहली पारी में पिछड़ गए। उन दोहरी विफलताओं ने 12 पारियों के बाद उनके करियर औसत को 20.36 पर ला दिया।

सचिन चमारिया ने काहिरा वर्ल्ड बोकिया चैलेंजर में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय पैरा एथलीट सचिन चमारिया ने काहिरा 2026 वर्ल्ड बोकिया चैलेंजर में बीसी 3 पेयर्स इवेंट में सिल्वर और बीसी3 इंडिविजुअल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। मज़बूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच खेलते हुए, सचिन ने पेयर्स इवेंट में सरिता द्विवेदी के साथ जोड़ी बनाई। यह टूर्नामेंट आधिकारिक वर्ल्ड बोकिया रैंकिंग सर्किट का हिस्सा है और इसमें एथलीट वर्ल्ड रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुकाबला करते हैं। ये नतीजे अंतरराष्ट्रीय बोकिया में सचिन के बढ़ते रिकॉर्ड में और इजाफ़ा करते हैं। वह अभी बीसी3 कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर 20 पर हैं और छह बार नेशनल बोकिया चैंपियन रह चुके हैं। 2021 में अपने कॉम्पिटिटिव डेब्यू के बाद से, उन्होंने कई बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

जब मांजरेकर ने मेरी आलोचना की तो मैंने उससे सबक सीखाः अश्विन

एजेंसी, मुंबई। रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि संजय मांजरेकर की कड़ी आलोचना ने उनके करियर को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई। 2011-12 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद मांजरेकर ने एक कॉलम में अश्विन की गेंदबाजी पर तीखी टिप्पणी की थी। अश्विन ने बताया कि लेख पढ़कर उन्हें गुस्सा आया और काफी बुरा भी लगा, लेकिन बाद में उन्होंने आलोचना को सीख के रूप में लिया। अश्विन के मुताबिक, उन्होंने इसके बाद अपनी गेंदबाजी और फिटनेस पर लगातार मेहनत की। चार साल बाद मांजरेकर ने उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए उनके प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद जताई। इसके बाद अश्विन ने मांजरेकर से संपर्क कर उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उस आलोचना में दम था और उसने उनकी जिंदगी बदलने का काम किया। अश्विन ने कहा कि अब जब भी उनकी आलोचना होती है, वह यह सोचते हैं कि उसमें से कुछ सीखने को मिल सकता है या नहीं। अगर उन्हें कुछ उपयोगी लगता है, तो वह उसे अपने खेल में शामिल कर लेते हैं।

'दबाव के बारे में भूल जाओ', हॉकी विश्व कप से पहले अजीत का मंत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत को 1975 में कुआलालंपुर में पुरुष हॉकी का एकमात्र विश्व कप खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान अजीत पाल सिंह ने मौजूदा टीम को खास सलाह दी है। 79 वर्षीय अजीत पाल सिंह का कहना है कि हरमनप्रीत सिंह और उनकी टीम को विश्व कप में दबाव की चिंता करने के बजाय देश का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाना चाहिए। अजीत पाल सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनसे कितनी उम्मीदें की जा रही हैं। उनका मानना है कि अत्यधिक दबाव प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में टीम को अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हुए मैदान पर स्वाभाविक तरीके से प्रदर्शन करना चाहिए। 1975 में भारत ने कुआलालंपुर में पाकिस्तान को हराकर अपना एकमात्र पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब जीता था। अजीत पाल सिंह उस ऐतिहासिक टीम के कप्तान थे। आधी सदी से अधिक समय बाद भी भारतीय हॉकी में उस उपलब्धि को विशेष स्थान हासिल है। मौजूदा टीम के लिए उनका संदेश साफ है- दबाव को भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाओ और देश का प्रतिनिधित्व करने का आनंद लो।

डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने पर लोकल कोर्ट ने लगाया 1,500 डॉलर का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में दोषी ठहराया गया है। सिडनी की वॉवेर्ली लोकल कोर्ट ने मंगलवार को उन पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया। साथ ही उनकी कार में 12 महीने के लिए इंटरलॉक डिवाइस लगाने का आदेश दिया गया है।

वॉर्नर को ईस्टर संडे के दिन सिडनी के बाहरी इलाके में रैंडम ब्रेथ टेस्टिंग के दौरान पकड़ा गया था। जांच में उनके ब्लड-अल्कोहल लेवल की रीडिंग 0.104 आई थी, जो कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा थी। कोर्ट में वॉर्नर ने बताया कि उन्होंने गाड़ी चलाने से पहले तीन ग्लास व्हाइट वाइन पी थी। उन्होंने पिछले महीने मिड-रेंज ड्रिंक ड्राइविंग का आरोप स्वीकार कर लिया था। कोर्ट में बताया गया कि वॉर्नर ने सड़क किनारे ब्रेथ टेस्टिंग साइट देखकर अपनी कार रोकी और एक महिला यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश की थी। (अनंत ज्ञान)

टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बने ऋषभ पंत

एजेंसी, गॉल

आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने की विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के चौथे खिलाड़ी बन गए। पंत ने अपने 51वें मैच में 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। इस तरह से वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम मैच में 100 छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने 82वें टेस्ट में यह मुकाम हासिल किया था। पंत से पहले स्टोक्स (138 छक्के), न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) ने टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने की विशिष्ट उपलब्धि हासिल की थी।

मैच शुरू होने से पहले पंत के नाम पर 97 छक्के दर्ज थे। उन्होंने पहली पारी में क्रिस गेल के 98 छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। भारतीय बल्लेबाजों में वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा दोनों 91 छक्कों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

यशोभूमि में 17 से 19 सितंबर तक सजेगा सेमीकॉन इंडिया

सेमीकॉन इंडिया 2026 का 17 सितंबर को मोदी करेंगे भव्य उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर देश के सबसे बड़े सम्मेलन एवं प्रदर्शनी सेमीकॉन इंडिया-2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक नई दिल्ली के यशोभूमि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन में दुनिया भर के सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि, सरकार और उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, नीति-निर्माता तथा युवा विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन तथा वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन सेमी के सहयोग से किया जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार इस वर्ष का सम्मेलन भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के लिए विशेष महत्व रखता है। सेमीकॉन के पहले चरण के तहत स्वीकृत 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं में से तीन परियोजनाओं ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। वहीं सेमीकॉन 2.0 की घोषणा से देश में मजबूत और आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में प्रयासों को और गति मिली है।

सम्मेलन में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, रसायन, गैस और पदार्थ, उत्पाद डिजाइन, नवाचार, स्टार्टअप, प्रतिभा विकास तथा कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। महिला नेतृत्व और भागीदारी पर भी विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मांग आने वाले वर्षों में लगभग एक लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर दो लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। भारत में भी मांग लगभग 100 अरब डॉलर से बढ़कर 200 अरब डॉलर होने का अनुमान है। ऐसे में देश के लिए इस क्षेत्र में अपनी उत्पादन क्षमता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने का बड़ा अवसर है।

सेमीकॉन इंडिया-2026 में 40 से अधिक देशों के 500 से ज्यादा प्रदर्शक, 240 से अधिक कंपनियां और 150 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय वक्ता भाग लेंगे।

90 देशों में पहुंची फ्रोनएक्स, दो लाख निर्यात पूरे

एजेंसी, नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया की एसयूवी फ्रोनएक्स ने निर्यात के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने 38 महीने से भी कम समय में फ्रोनएक्स की दो लाख इकाइयों का निर्यात पूरा किया है।

38 महीने में दो लाख निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया

इसका निर्यात जून 2023 में शुरू हुआ था। पहली एक लाख इकाइयों का निर्यात 25 महीने से कम समय में हुआ, जबकि अगली एक लाख इकाइयां करीब 13 महीनों में ही विदेश भेजी गईं। गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में निर्मित फ्रोनएक्स का निर्यात जापान सहित करीब 90 देशों में किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय वाहनों की बढ़ती मांग को दर्शाती है। मारुति सुजुकी ने भारत से यात्री वाहन निर्यात में अपना अग्रणी स्थान भी बनाए रखा है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

चांदी 1,920 गिरकर पहुंची 2.34 लाख, सोना भी 5 रुपए हुआ कम

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 18 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 1,920 रुपए गिरकर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 5 रुपए कम होकर 1.54 लाख रुपए पर है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्र सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स 493 अंक गिरकर 77,235 पर बंद, निफ्टी भी 133 अंक नीचे

एजेंसी, नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 18 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 493 अंक की गिरावट के साथ 77,235 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 133 अंक की गिरावट रही, ये 24,155 पर बंद हुआ। बैंकिंग, रियल्टी, FMCG और IT शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

मिल्की मिस्ट फूड डायरी कंपनी का शेयर 18% प्रीमियम के साथ NSE और BSE पर 165 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका IPO प्राइस 140 रुपए था। यानी जिन लोगों को IPO में शेयर मिले थे, उन्हें लिस्टिंग पर ही 18% का फायदा हुआ है। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के IPO का आज दूसरा दिन है। इनमें निवेशक 19 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। ललिता ज्वेलरी मार्ट इस IPO के जरिए 1,700 करोड़ रुपए और होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

ओमेगा सीकी मोबिलिटी ने बैटरी इंटेलिजेंस के लिए इलेक्ट्रा एआई से की साझेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओमेगा सीकी मोबिलिटी ने अपने वाहनों में बैटरी की निगरानी और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए इलेक्ट्रा एआई के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत ओएसएम के इलेक्ट्रिक वाहन बेड़े में उन्नत बैटरी स्वास्थ्य तकनीक को शामिल किया जाएगा। इससे वाहनों की बैटरी की स्थिति और प्रदर्शन पर वास्तविक समय में नजर रखी जा सकेगी। कंपनी के अनुसार, यह तकनीक वाहन के प्रदर्शन में सुधार करने, बैटरी की आयु बढ़ाने और ग्राहकों, वित्तीय संस्थानों तथा वाहन बेड़े संचालकों के लिए अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

ओएसएम के संस्थापक एवं अध्यक्ष उदय नारंग ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते बाजार में बैटरी की स्थिति को पारदर्शी तरीके से समझना बेहद जरूरी है। बैटरी का स्वास्थ्य वाहन के पुनर्विक्रय मूल्य और वित्तपोषण संबंधी फैसलों को प्रभावित करता है। इलेक्ट्रा एआई के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैब्रिजोओ मार्टिनी ने कहा कि उनकी तकनीक वास्तविक परिस्थितियों में बैटरी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम है। साझेदारी से बेहतर वाहन संचालन, बैटरी विश्वसनीयता और इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विदेशी बाजार से आईसीआईसीआई बैंक जुटाएगा 75 करोड़ डॉलर की बड़ी रकम

एजेंसी, मुंबई

निवेशकों को बैंक के नोट्स पर सालाना 5.417 प्रतिशत ब्याज मिलेगा

निजी क्षेत्र के प्रमुख आईसीआईसीआई बैंक ने विदेशी बाजार से 75 करोड़ डॉलर जुटाने की घोषणा की है। बैंक इसके लिए सीनियर असुरक्षित निश्चित दर वाले नोट्स जारी करेगा। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि ये नोट्स अमेरिकी डॉलर में जारी किए जाएंगे। यह पहल बैंक की विदेशों से कुल 7.5 अरब डॉलर जुटाने की व्यापक योजना का हिस्सा है।

बैंक के अनुसार इन नोट्स का आवंटन 21 अगस्त को किया जाएगा। नोट्स की अवधि पांच वर्ष निर्धारित की गई है और इन पर 5.417 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर होगी। इनकी परिपक्वता 21 अगस्त 2031 को होगी। ब्याज का भुगतान प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी और 21 अगस्त को किया जाएगा। इस तरह निवेशकों को वर्ष में दो बार ब्याज का भुगतान प्राप्त होगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि नोट्स से प्राप्त राशि का इस्तेमाल नियामकीय प्रावधानों के अनुरूप बैंक के सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इससे बैंक को अपनी वित्तीय जरूरतों और कारोबारी गतिविधियों के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे।

इन सीनियर नोट्स को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मंचों के माध्यम से जारी किया जाएगा। इनमें इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज आईएफएससी के वैश्विक प्रतिभूति बाजार, एनएसई आईएफएससी लिमिटेड के ऋण प्रतिभूति बाजार तथा सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज का प्रतिभूति व्यापार मंच शामिल है। बैंक की यह पहल अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में उसकी मौजूदगी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को जीत की तलाश

भारत-पाकिस्तान की टक्कर आज

एजेंसी, एम्सटेलवीन

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में भारत और पाकिस्तान की बहुप्रतीक्षित भिड़ंत बुधवार, 19 अगस्त को होगी। वागेनर स्टेडियम में होने वाला पूल-डी का यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है। भारत के लिए मुकाबला अगले दौर की उम्मीदों के लिहाज से महत्वपूर्ण है, जबकि पाकिस्तान को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए जीत की तलाश होगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होगा।

भारत ने विश्व कप अभियान की शुरुआत वेल्स को 3-1 से हराकर की थी, लेकिन दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड से 2-4 से हार गया। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने पहले हाफ में अच्छी शुरुआत करते हुए दो गोल किए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी। अब पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम जीत के साथ वापसी करना चाहेगी।

भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत हमेशा से हॉकी की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में रही है। विश्व कप इतिहास में दोनों टीमें पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें भारत ने तीन और पाकिस्तान ने दो मुकाबले जीते हैं। 1975 के विश्व कप फाइनल में भी दोनों टीमें भिड़ी थीं, जहां भारत ने 2-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह एक बार फिर टीम की बड़ी ताकत होंगे। वेल्स के खिलाफ उन्होंने दो गोल किए थे और पेनल्टी कॉर्नर पर उनकी ड्रैग-फ्लिक भारत के लिए बड़ा हथियार है। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद टीम को अपने डिफेंस और गोल करने के मौकों को बेहतर तरीके से भुनाने पर ध्यान देना होगा।

पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। टीम भारत के खिलाफ आक्रामक हॉकी खेलकर दबाव बनाने की कोशिश करेगी। वहीं भारतीय खिलाड़ियों के सामने भावनात्मक माहौल के बीच धैर्य और अनुशासन बनाए रखने की चुनौती होगी। सेमीफाइनल की दौड़ और दोनों देशों की प्रतिष्ठा दांव पर होने के कारण यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मुकाबलों में शामिल होने की उम्मीद है।